फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 201 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 21 फरवरी, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

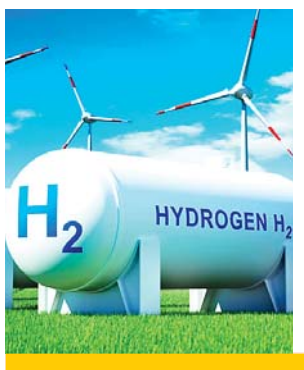

Why is everyone talking of Hydrogen?

When combusted to generate energy, hydrogen's waste product is non-polluting water. Fossil fuels generate oxides of Carbon

Fewer Words, More Impact

Far from being cold or brusque, clarity of language shows confidence in your message and helps others align with your vision

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

यूक्रेन युद्ध का ''अन्त'' क्या कोरिया वॉर (1950-53) की तरह होगा?

कोरियन वॉर में केवल दीर्घकालीन ''सीज़फायर'' हुई थी, कोई अधिकृत शान्ति स्थापित करने वाली संधि नहीं हुई है। जिसका अर्थ है, युद्ध की स्थिति अनिर्णित है तथा समय-समय पर स्थिति में उफान आ सकता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 फरवरी। अपने कार्यकाल के एक महीने के अंदर अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प स्वयं को घिरा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने शेखी बघारा थी कि पद संभालने के बाद 24 घंटों में वो यूक्रेन युद्ध समाप्त करवा देंगे। वो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक डील करने के लिए अत्यधिक जल्दी में हैं, जैसा कि उनकी हाल की बयानबाजी और सऊदी अरब में चल रही गोपनीय अमेरिकी-रूसी वार्ताओं से संकेत मिलता है।

ऐसी क्या बात है, जो यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ैलैंस्की और उनके यूरोपीय सहयोगियों को शामिल किए बिना, डील करने के लिए ट्रंप को प्रेरित कर रही है? विश्लेषकों का कहना है कि कई कारक हैं जो उन्हें प्रेरित कर रहे हैं।

ट्रंप ''डील-मेकर'' के रूप में अपनी छवि को पुनः स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने हमेशा खुद को एक ''मास्टर निगोशिएटर'' के रूप में प्रस्तुत किया है, और यूक्रेन युद्ध का जल्द समाधान करने से उनकी प्रतिष्ठा में मजबूती आएगी।

उन्होंने लगातार अमेरिका द्वारा दी जाने वाली सहायता और सैन्य हस्तक्षेपों की आलोचना की है, यह तर्क देते हुए कि यूक्रेन को समर्थन देना एक वित्तीय बोझ है। समझौता करवाकर, वो दावा कर सकते हैं कि उन्होंने अमेरिकी करदाताओं के पैसे की बचत की है और ऐसा करके वो संसाधनों को फिर से अपने देश में लगा सकते हैं। ट्रंप के समर्थकों का एक भाग विदेशी संघर्षों से पीछे हटने के पक्ष में है, और यूक्रेन में अमेरिकी भागीदारी को अनावश्यक मानता है। अपनी शर्तों पर युद्ध को समाप्त करवाना ट्रंप के इस जनाधार को खुश कर सकता है।

ट्रंप द्वारा बार-बार किए जा रहे इन दावों में, कि युद्ध के लिए यूक्रेन भी जिम्मेदार है, रूस का प्रपोगैंडा नज़र आता है। नाटो और यूरोपीय सहयोगियों के प्रति उनका सार्वजनिक संदेह यह संकेत देता है कि वह इस क्षेत्र में अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को कम करना चाहते हैं, शायद यूक्रेन को बलि का बकरा बनाकर।

रूस के साथ रिश्तों को स्थिर करना वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, विशेष रूप से ऊर्जा बाजारों में, को कम करने में मदद कर सकता है, जो अमेरिकी उपभोक्ताओं को प्रभावित करते हैं। समझौता करने के लिए रुस पर लगे प्रतिबंधों पर पुनर्विचार करना होगा तथा रुसी एनर्जी एक्सपोर्ट सुनिश्चित करना पड़ेगा।

ट्रंप का पुतिन के साथ एक जटिल संबंध रहा है। वे रूस के साथ समझौते को एक अवसर के रूप में देख सकते हैं, जिससे रिश्तों की फिर से नई शुरुआत की जा सके, संभवतः अमेरिकी व्यापार हितों के लिए कुछ रियायतों के बदले में।

इन कारकों के बावजूद, एक ऐसा समझौता जो रुस को भारी फायदा पहुंचाता हो, को कांग्रेस, नाटो सहयोगियों और यहां तक कि ट्रंप के अपने प्रशासन से भी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। खतरा यह है कि जल्दबाजी में किया गया कोई समझौता

(शेष पृष्ठ 3 पर)

- इस कोरियन स्टाइल समाधान का व्यवहारिक अर्थ है, किसी भी पार्टी को अपनी ओर से खास ''कन्सैशन'' (रियायत) नहीं देनी पड़ती।
- यूक्रेन के संदर्भ में इसका मतलब है कि यूक्रेन व रूस एक लम्बे समय तक रहने वाली ''सीज़फायर'' पर सहमत हो जाते हैं तथा दोनों देशों के बीच सीमा पर भारी संख्या में सैना तैनात रहेगी, अपने हथियारों व मशीनों सहित।
- यूक्रेन की सार्वभौमिकता बरकरार रहेगी तथा रूस के कब्जे में गये क्षेत्र पर यूक्रेन का नियंत्रण नहीं रहेगा।
- ट्रम्प पूरे जोर-शोर से लगे हैं, यूक्रेन वॉर का ऐसा ''समाधान'' ढूंढने में। अगर ट्रम्प अपने इस प्रयास में सफल होते हैं तो समस्याओं का तुरन्त, आनन-फानन, किसी भी तरह ''समाधान'' निकाल लेने की उनकी छवि को मजबूती मिलेगी, अमेरिका में और बाहर विदेशों में।

सोनिया गांधी की तबियत बिगड़ी, सरगंगाराम अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 20 फरवरी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की गुरुवार को तबीयत बिगड़ गई, उनको सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है और उनकी तबीयत अब ठीक है। शुक्रवार को उनको छुट्टी मिलने की संभावना है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

- अस्पताल में डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है तथा सेहत में सुधार बताया जा रहा है।

राज्य सरकार एसआई प्रकरण में शुक्रवार को पक्ष रखे

जयपुर, 20 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में राज्य सरकार को अपना

(शेष पृष्ठ 3 पर)

- अतिरिक्त महाधिवक्ता ने हाई कोर्ट को बताया था कि भर्ती रद्द करने के मामले में राज्य सरकार का निर्णय चार महीने में कर लिया जायेगा।

'गत दशकों में ''यूएस एड'' ने भारत में किस-किस सरकार व गैर सरकारी संस्थाओं को पैसे दिये?'

इस मुद्दे पर मोदी सरकार जाँच करके एक ''श्वेत पत्र'' जारी करे- कांग्रेस ने माँग की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 फरवरी। यू.एस.एड द्वारा भारत के चुनावों में वोटर टर्न आउट बढ़ाने के लिए दी जाने वाली आर्थिक मदद पर सत्तारुढ़ पार्टी भाजपा और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप का जो अंतहीन सिलसिला चल निकला, उसके बीच एक सकारात्मक कदम उठाते हुए कांग्रेस ने मोदी सरकार से मांग की है यू.एस. एड द्वारा भारत में कई दशकों से सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं को दी जा रही मदद पर श्वेत पत्र जारी किया जाए।

कांग्रेस ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के दावे को बेतुका करार दिया।

ट्रम्प ने कहा था कि ''हम भारत में वोटर टर्न आउट बढ़ाने के लिए 21 मिलियन डॉलर क्यों दें? मुझे लगता है वे किसी और को निर्वाचित करवाने का प्रयास कर रहे थे।''

एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इन दिनों यू.एस. एड बहुत चर्चा में है इसकी स्थापना 3 नवम्बर 1961 को की गई थी। अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा जो दावे किए जा रहे हैं वे कहने के लिए तो कम से कम बेतुके हैं।

उन्होंने लिखा, भारत सरकार को जल्द से जल्द एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। जिसने दशकों से यू.एस.एड द्वारा सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं को दी गई वित्तीय सहायता का विवरण हो।

अरबपति एलन मस्क के नेतृत्व वाले विभाग ''गवर्नमैंट एफिशिएंसी'' ने 16 फरवरी को उन मदों की लिस्ट घोषित थी जिसमें अमेरिकन कर दाता को पैसा खर्च किया जा रहा है इसमें भारत में वोटर टर्न आउट के लिए दिए जा रहे 21 मिलियन डॉलर का भी जिक्र था।

विभाग ने समस्त सहायता रोकने की घोषणा की। इसमें बांग्लादेश को पॉलिटिकल लैंड स्केप के विस्तार के लिए 29 मिलियन डॉलर, वित्तीय संघवाद के लिए 20 मिलियन डॉलर नेपाल को जैवविविधता के संरक्षण के लिए दी जा रही 19 मिलियन डॉलर की सहायता शामिल है।

ट्रम्प ने बुधवार को इस पर कहा था ''हम भारत को 21 मिलियन डॉलर क्यों दे रहे हैं उनके पास बहुत पैसा है भारत हम पर सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाला देश है और इस वजह से हम भारत के व्यापारिक क्षेत्र में घुस नहीं पाते हैं।''

- जैसा कि विदित ही है, ट्रम्प ने भारत को ''वोटर टर्न आउट'' बढ़ाने के लिए दिये गये 21 मिलियन डॉलर के अनुदान की बात करते हुए, यह भी कहा है कि भारत को ऐसे अनुदान की कोई जरूरत नहीं, पर, शायद जिन्हें यह अनुदान राशि प्राप्त हुई, वे किसी ''व्यक्ति विशेष'' को जिता कर लाना चाहते थे।
- कांग्रेस के राष्ट्रपति ट्रम्प के इन उद्गारों को बेबुनियाद व फिजूल बताया और कहा, श्वेत पत्र जारी करके ही इस कुप्रचार का अंत हो सकता है।
- ऐसे ही मद के तहत यूएस एड ने 29 मिलियन डॉलर बाँग्लादेश तथा 39 मिलियन डॉलर नेपाल को भी अनुदान के रूप में दिये थे।

'दिल्ली के नये मंत्रिमंडल में 71 प्रतिशत मंत्रियों के खिलाफ ''क्रिमिनल केस'' चल रहे हैं'

एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ए.डी.आर.) ने मंत्रियों द्वारा चुनाव से पूर्व शपथ पत्र द्वारा दायर जानकारी के आधार पर यह जानकारी सार्वजनिक की है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 फरवरी। दिल्ली के 7 नए मंत्रियों में से 5 ने अपने खिलाफ क्रिमिनल केस होने की घोषणा की है, जिनमें मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। नव-निर्वाचित विधायकों में से दो अरबपति हैं। यह जानकारी दी है, चुनाव अधिकारों (ए.डी.आर.) से जुड़े संगठन एसोएिशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने।

यह जानकारी चुनाव से पूर्व इन मंत्रियों द्वारा दायर सत्यापित शपथ पत्र में घोषित की गई है।

ए.डी.आर. के विश्लेषण के अनुसार, 7 में से 5 मंत्रियों (71 प्रतिशत) के खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि दो (यानि 29 प्रतिशत) अरबपति है।

रिपोर्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ भी अपराधिक मामले

- ए.डी.आर. ने यह भी जानकारी दी है कि मंत्रियों में 29 प्रतिशत मंत्री अरबपति हैं।

ह।

एक मंत्री आशीष सूद के खिलाफ तो गंभीर किस्म के अपराधिक मामले दर्ज हैं।

आर्थिक मोर्चे पर देखे तो 2 मंत्री अरबपति हैं, पहले है मनजिंदर सिंह सिरसा जो सबसे अमीर हैं। राजौरी गार्डन से चुनाव जीत कर विधायक बने मनजिंदर सिंह 248.85 करोड़ रूपए की सम्पत्ति के मालिक हैं। सबसे कम सम्पत्ति कारावाल नगर के विधायक कपिल मिश्रा की है।

उन्होंने 1.06 करोड़ रूपए की सम्पत्ति घोषित की है।

सातों मंत्रियों की औसत सम्पत्ति का औसत 56.0 करोड़ रूपए है। सभी ने अपनी देनदारियां भी घोषित की हैं, सर्वाधिक देनदारी प्रवेश साहिब सिंह वर्मा पर 74.36 करोड़ रूपए की है।

सभी मंत्रियों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता भी बताई है। इनके 6 मंत्री स्नातक या उससे अधिक शिक्षित है, एक मंत्री बारहवीं पास है।

5 मंत्रियों की उम्र 41 से 50 के बीच है। वही दो की 51 से 60 के बीच। कैबिनेट में एक ही महिला है और वो मुख्यमंत्री हैं।

अपराध और भ्रष्टाचार को अब सामान्य बात की तरह स्वीकार कर लिया गया है। एक समय तक जब आर.एस.एस. उच्च नैतिक आदर्शों और चरित्र का निर्माण का दम भरती थी और भाजपा को ''पार्टी विद डिफरैंस'' का तमगा दिया गया था। एक वरिष्ठ आर.एस.एस. नेता ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा कि सत्ता ने सब कुछ बदल दिया है।

चार विधायकों ने विधानसभा में लगे आईपैड तोड़े

जयपुर, 20 फरवरी। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने विधायकों को सदन में लगाए गए आईपैड का सही तरीके से इस्तेमाल करने की नसीहत दी है। स्पीकर ने कहा कि, विधायक आईपैड का इस्तेमाल सही तरीके से नहीं कर रहे हैं। कुछ लोग तो इसका स्टैंड की तरह यूज करते हैं, इस पर दबाव देते हैं। चार विधायकों के आईपैड टूट चुके हैं, जो

- स्पीकर देवनानी ने नाराज़गी प्रकट की कि कुछ विधायक इसका इस्तेमाल स्टैण्ड की तरह कर रहे हैं।

मुझे रिपेयर करवाने पड़े हैं। देवनानी ने कहा कि इन चारों के नाम भी मेरे पास हैं। कुछ विधायक इसे लॉक करके जाते हैं, कोई भी इसको लॉक करके नहीं जाए। कुछ विधायक आईपैड को निकालकर फोन चार्ज करने लग जाते हैं। यह फोन कनेक्टर नहीं है। मुझे सदन में बार-बार ये बातें दोहरानी पड़ेगी तो ठीक नहीं है। आईपैड लगाने पर 16 से 17 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इसका घर की चीज की तरह इस्तेमाल करें।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा का फोन टैप नहीं हुआ- मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म

राज्य सरकार ने फोन टैपिंग प्रकरण पर विधानसभा में जवाब दिया

- विधानसभा संवाददाता -

जयपुर, 20 फरवरी। विधानसभा में गुरुवार को राज्य सरकार ने मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के फोन टैपिंग के आरोपों का जवाब दिया। परन्तु इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सदन में कहा कि किरोड़ी लाल मीणा सहित किसी का फोन टैप नहीं हुआ। मंत्री के जवाब पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- जब सरकार ने कहा कि किरोड़ी का फोन टैप नहीं किया तो फिर आप उनके आरोपों पर क्या कार्रवाई करेंगे। फिर किरोड़ी का इस्तीफा क्यों नहीं स्वीकार करते?

नेता प्रतिपक्ष ने जब सवाल उठाए तो वन मंत्री संजय शर्मा ने पोस्टर लहरा दिया। इस पर जूली ने कड़ी आपत्ति जताते

- नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, यदि सरकार यह जवाब उसी दिन दे देती तो बात वहीं खत्म हो जाती। भाजपा के ही कई लोग नहीं चाहते थे कि सीएम का जवाब ढंग से हो।
- गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने कहा कि किरोड़ी मीणा सार्वजनिकरूप से यह कह चुके हैं कि उनका फोन टैप नहीं हुआ है।

हुए कहा कि मंत्री ही पोस्टर लहरा रहे हैं, यह किस नियम में है। इस पर कुछ देर के लिए हंगामा हुआ।

जूली ने कहा- मंत्री ने आज जो जवाब दिया, वो उसी दिन दे देते तो बात ही खत्म हो जाती। भाजपा के ही कई लोग नहीं चाहते थे कि मुख्यमंत्री का जवाब ढंग से हो।

बेढम ने कहा कि कुछ दिन पहले मीडिया में मंत्री किरोड़ी लाल का बयान सामने आया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि उनका मोबाइल फोन सर्विलांस पर रखा गया। विपक्ष ने इस बिंदु पर सरकार को स्थिति स्पष्ट करने की मांग की थी। जबकि किरोड़ी मीणा इस बात का सार्वजनिक रूप से खंडन कर चुके हैं। मंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि सरकार ने किरोड़ी लाल का फोन इंटरसेप्ट नहीं किया है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, आपके जवाब से हम संतुष्ट हैं। आपके कैबिनेट मंत्री ने आप पर आरोप लगाया और आप कह रहे हैं फोन टैप नहीं करवाया जा रहा। अब आप उन पर कार्रवाई करेंगे या नहीं।

जूली ने आगे कहा कि दो बातें नहीं हो सकतीं। वो कह रहे हैं कि फोन टैप हो रहा है। आपके प्रदेशाध्यक्ष ने उनको नोटिस दिया है। उन्होंने (किरोड़ी ने) नोटिस के जवाब में में यह नहीं कहा कि उन्होंने गलत कहा है। उन्होंने यह कहा है कि उन्हें यह बातें सार्वजनिक स्तर पर नहीं करनी चाहिए थीं।

जूली ने कहा कि- गृह राज्य मंत्री मीडिया में जवाब देते हैं कि फोन टैप नहीं करवा रहे हैं, लेकिन उन्होंने आज से

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

अधिकार जताने से अधिकार सिद्ध नहीं होता। –टैगोर

क्यों न दोषी सांसदों और विधायकों पर, चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध हो?

धर्म की परिभाषा और व्याख्या करना सरल नहीं है, किन्तु असंभव नहीं है, हाँ हम कह सकते हैं जटिल अवश्य है। 'ए साइकोलोजिकल स्टडी ऑफ रिलीजन' नामक पुस्तक में धर्म की 48 परिभाषायें दी हैं। जैनों ने वस्तु के स्वभाव को धर्म कहा है। हिन्दू धर्म में धर्म को आचरण के साथ जोडा है। सभी धर्म मानते हैं, धर्म का आधार नीति (मोरेलिटी) है। ईसाई धर्म में आस्था व विश्वास को धर्म का आधार माना है। प्राय: धर्मों में शुद्धता व सत्यनिष्ठा पर बल दिया। यहूदी धर्म मानवता वादी है। सभी धर्मों ने सदाचार के बिना धर्म को प्राण रहित कहा है। आचार व धर्म एक वस्तु है, किन्तु सम्प्रदाय भिन्न। भारत धर्म निरपेक्ष देश है। अयोध्या मे जन्में राम भगवान के रूप में पूज्यनीय हैं, क्योंकि वे सदाचारी थे आचरण की शुद्धता के प्रतीक थे। आचरण की शुद्धता व पवित्रता हमारी संस्कृति का मूल मंत्र है। भारत ने कभी भी आचरणहीन शासक को स्वीकार नहीं किया है। भारत की यह संस्कृति आज कहीं खो गई है। देश में प्रत्येक क्षेत्र में भ्रष्टाचार है। अत: प्रश्न है क्यों न दोषी सांसदों और विधायकों पर चुनाव लडने पर प्रतिबंध हो?

भ्रष्टाचार का जहर एक नासूर के रूप में समाज को खोखला करता जा रहा है। संसार के भ्रष्टाचारी देशों में भारत का स्थान 94वां है। लोक सेवकों के भ्रष्टाचार पूर्ण कृत्यों के कारण देश की संसद को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 लाना पडा। विश्व परेशान है 9 दिसम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निवारण दिवस मानाया जाता है। भ्रष्टाचारियों ने हमारे भोजन को ही अखाद्य बना दिया है। कहते हैं देश में जहर भी शुद्ध नहीं मिलता। भ्रष्ट आचरण को रोकने के विचार से देश में भ्रष्टाचार निवारण कानून है। फूड अडल्ट्रेशन कानून है। केन्द्र सरकार द्वारा देश में भ्रष्टाचार की गतिविधियों को रोकने के लिये 1988 में कानून बनाया और 2018 में उसमें संशोधन किया। इसके तहत रिश्वत देने व लेने के वाले को दण्डित करने का प्रावधान है। इसमें 7 वर्ष की सजा व जुर्माने का प्रावधान है। सभी गतिविधियों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। चुनावों में धांधली में वर्षों से देखते आ रहे हैं। गुण्डे सजा काटने वाले चुनाव में खडे होते हैं और जीत कर हमारे लिये कानून बनाते हैं। धर्म के नाम पर अधर्म को बढावा मिल रहा है। भ्रष्टाचार, रिश्वत, चुनावों में धांधली, ब्लेकमेल करना, साईबर क्राईम, टेक्स चोरी, झूठी गवाही, झूठा मुकदमा, परीक्षाओं में नकल, पर्चा आउट होना, मौत की सजा के बाद भी बलात्कार के केस बढते जा रहे हैं, कानूनी अधिकार को प्राप्त करने के लिये भी भ्रष्टाचारियों की शरण में जाना होता है। कार्यपालिका में जो भ्रष्टाचार है ही किन्तु संसद व न्यायपालिका भी अछूती नहीं हैं इसके प्रमाण मिलते हैं। प्रतिष्ठा और सम्मान के पद भी बिकाऊ हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कुछ दिन पूर्व ही कहा था कि विदेशों में कान्ट्रेक्ट प्राप्त करने के हेतु रिश्वत देनी पडे तो भी देकर संविदा प्राप्त करो। हद तो यह हो गई है कि आरोग्य रहने के लिये ली जाने वाली दवायें भी नकली मिल रही हैं। जहर खा रहे हैं, विष पी रहे हैं। राज्य जो वेलफेयर (कल्याणकारी) स्टेट हैं वे संविधान के विरूद्ध शराब की आय से शासन चला रहे हैं जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने इसका निषेध किया है।

सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के न्यायाधीश परेशान हैं कि भ्रष्टाचार को कैसे समाप्त किया जावे। संसद भी अपनी विवशतों के मध्य परेशान है कि भ्रष्टाचार से कैसे जनता को मुक्ति दिलाई जावे। देश का दुर्भाग्य है कि देश की संसद व राज्य की विधान सभायें, आजादी के 75 वर्ष होने पर भी ऐसे सदस्यों से बनी हुई हैं, जहां ऐसे व्यक्ति चुनकर आ सकते हैं जो क्रिमिनल आचरण के हैं और जिनमें कानून बनाने की योग्यता की शिक्षा का अभाव है। देश की पंचायतों के लिये चुनाव लडने की योग्यता तो निर्धारित है, किन्तु संसद व विधानसभा में कोई भी व्यक्ति धनबल से चुनकर आ सकता है।

यहाँ यह लिखना उचित होगा कि वर्ष 2024 में निर्वाचित 543 सांसदों में से 251 अर्थात् 46 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले थे और 171 के ऊपर यानी 31 प्रतिशत पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास और अपहरण के आरोप थे।

दोषी नेताओं के चुनाव लडने का विषय गम्भीर है और इस संबंध में शीघ्र ही कोई सख्त कदम उठाने का यही सही समय भी है।

आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर राजनीति में भाग लेने पर रोक यानी प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुये याचिकायें प्रस्तुत हुई हैं। एक याचिका अश्विनी उपाध्याय सीनियर एडवोकेट ने प्रस्तुत की है। याचिकाकर्त्ता की ओर से याचिका में यह स्पष्ट रूप से उठाया गया है कि चुनाव में खडे होने वाले राजनीतिक दलों को यह बताना होगा कि वे स्वच्छ छवि वाले लोगों को क्यों नहीं खड़ा कर सकते। खडे होने वाले व्यक्ति के बाबत केवल यह कहा जाता है कि आरोपी एक सामाजिक कार्य कर्त्ता है, उसके विरूद्ध झूठे केस दर्ज कराये गये हैं। याचिका में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 का उल्लेख किया गया है, जिसमें सजा की मियाद के आधार पर अयोग्यता का निर्धारण है। उक्त अधिनियम की धारा 8(3) में बतलाया है कि यदि किसी व्यक्ति को किसी अपराध का दोषी पाया जाता है और दो वर्ष या इससे अधिक के कारावास की सजा की सजा न्यायालय ने दी है तो उस व्यक्ति की कारावास की अवधि के दौरान और रिहाई के बाद छ: साल तक चुनाव लडने के लिये अयोग्य होगा। उक्त अधिनियम की धारा 3(1) में विशिष्ट अपराधों के हेतु अयोग्यता का निर्धारण किया गया है, जिनकी वजह से सजा की अवधि व रिहाई के छ: वर्ष बाद तत्काल अयोग्यता होती है। इन अपराधों में बलात्कार, अन्य जघन्य अपराध, अस्पृश्यता, आतंकवाद और भ्रष्टाचार से संबंधित अपराध हैं। धारा 11 में निर्वाचन आयोग को दोषी व्यक्ति की अयोग्यता अवधि को समाप्त करने या कम करने का अधिकार है। कानून में अस्पष्टता है दोषी व्यक्ति अपरिभाषित है। छ: वर्ष की अवधि के बाद दोषी व्यक्ति पाक कैसे हो जाता है समझना कठिन है। कानून अनुच्छेद 14, 19, 21 का उल्लंघन करता है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 में निम्नलिखित कानून आते हैं:-

1) धारा 153A, धारा 171E, धारा 171Z, धारा 376A (पूर्व आईपीसी)
2) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1959
3) सीमा शुल्क अधिनियम
4) गैर कानूनी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम, 1967
5) विदेशी मुद्रा (विनियमन) अधिनियम, 1973
6) आतंकवादी और विघटनकारी कार्यकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987
7) पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991
8) राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971
9) सती आयोग निवाण अधिनियम, 1987
10) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 आदि

कोर्ट ने कहा कि "एक सरकारी कर्मचारी जैसा कि क्लास 4 कर्मचारी एक बार हत्या या बलात्कार जैसे गम्भीर अपराधों में दोषी साबित हो जाये तो वह अपनी नौकरी वापिस नहीं पा सकता, किन्तु एक सांसद/विधायक एक बार फिर सांसद या विधायक बन सकता है और मंत्री भी बन जाता है।"

उपरोक्त पिटीशन पर 4 मार्च 2025 को माननीय सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के हेतु केन्द्र सरकार व चुनाव आयोग को नोटिस जारी किये हैं और जवाब मांगा है। इस मामले की सुनवाई तीन न्यायाधीशों की खण्डपीठ करेगी। नोटिस देने से पूर्व सुनवाई करते समय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने जो टिप्पणी की वह गम्भीर भी है और यर्थाथवादी भी। कोर्ट ने कहा कि "एक सरकारी कर्मचारी जैसा कि क्लास 4 कर्मचारी एक बार हत्या या बलात्कार जैसे गम्भीर अपराधों में दोषी साबित हो जाये तो वह अपनी नौकरी वापिस नहीं पा सकता, किन्तु एक सांसद/विधायक एक बार फिर सांसद या विधायक बन सकता है और मंत्री भी बन जाता है।"

पिटीशन में जो रिलीफ मांगी है, उसे देखते हुये धारा 8 जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की विवेचना होना आवश्यक है। ऐसे लोगों पर आजीवन प्रतिबंध लगना ही चाहिये। प्रश्न है आचरणहीन व्यक्ति कैसे शासक हो सकता है। जनता की यह मांग है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 बहुत पुराना हो चुका है, इसमें संशोधन की आवश्यकता है।

संविधान के अनुच्छेद 45 में जो संविधान लागू होने के समय था, राज्य से यह अपेक्षा की थी कि संविधान लागू होने से 10 वर्ष की अवधि में 14 वर्ष के बालकों को नि:शुल्क व अनिवार्य शिक्षा दी जावेगी अर्थात् 10 वर्ष के अन्दर देश के सभी बच्चे 8वीं क्लास पास कर लेंगे, किन्तु ऐसा नहीं हुआ जबकि यह प्रावधान सनसेट लॉज के अनुसार था। आज भी हमारे देश के कई सांसद व विधायक 8वीं तक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट कर चुकी है कि संसद में जो कानून बनते हैं वे दोषपूर्ण रहते हैं। अत: कानून में संशोधन की आवश्यकता है कि बीए तक की शिक्षा की अनिवार्यता की जावे। इसी प्रकार संविधान के अनुच्छेद 51क में नागरिकों के मूल कर्त्तव्य दिये हैं, उनकी पालना यदि कोई नागरिक नहीं कर रहा है तो उसे चुनाव लडने से Disqualify किया जावे। देश में प्रतिदिन किसी न किसी रूप में चुनाव हो रहे हैं, सार्वजनिक सम्पत्ति तोडी/जलाई जाती है रेल लाईनें उखाडी जाती है। यात्रा में अवरोध पैदा किया जाता है। हाँ, यदि मूल कर्त्तव्य की पालना को क्वालिफिकेशन में जोड दिया जावे तो देश में शान्ति व अहिंसक आन्दोलन तो होते रहेंगे किन्तु हिंसक नहीं। मूल कर्त्तव्य में यह कहा गया है कि देश के नागरिक का कर्त्तव्य होगा कि वे हिंसा से दूर रहे, सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और प्राणी मात्र के प्रति करूणा का भाव रखे।

समय-समय पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने बहुत अच्छे निदेर्श दिये हैं। कोर्ट ने दिनांक 25.09.2018 को निर्देश देते हुये यह माना था कि मतदाता को उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि जानना मतदाता का अधिकार है। किन्तु यह निर्देश नहीं दिया कि दोषी व्यक्ति को चुनाव लडने का अधिकार नहीं है। सम्भवत: इसीलिये कि संसद कानून बना देगी किन्तु ऐसा नहीं हुआ।

जब सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णयों में तथा दिनांक 29.09.2018 के निर्णय में यह स्पष्ट कर दिया कि चुनाव की पारदर्शिता के हेतु चरित्रवान व शिक्षित सांसद होने चाहिये। संसद को कानून बनाना चाहिये तो क्यों नहीं उपरोक्त विषय के संबंध में विस्तृत तथा सार्थक कानून बनाकर सख्ती से लागू किया जावे।

संविधान का अनुच्छेद 324 के द्वारा चुनाव आयोग को बहुत व्यापक अधिकार दिये हैं। उसे प्रशासनिक अधिकार तो हैं ही साथ ही उसे विधायिका व न्यायपालिका के भी अधिकार है। माननीय सुप्रीम कोर्ट को केवल चुनाव आयोग को उसकी अपार व व्यापक शक्तियों की पहिचान करानी है। हनुमान में कितनी शक्ति थी, इसका ज्ञान जामवन्त ने हनुमान को कराया था और राम ने लंका को जीता था।

कुछ दिन पूर्व (14.02.2025 को) पूर्व न्यायाधीश प्रवीर भटनागर ने समरावता हिंसा मामले में देवली उनियारा विधानसभा उप चुनाव में निर्दलीय प्रतयाशी रहे नरेश मीणा की जमानत याचिका खारिज करते हुये नरेश मीणा के मामले में यह आदेश दिया था कि 'अपराध में शामिल उस जैसे राजनीतिक व्यक्ति को जमानत के लाभ से वंचित करना ही न्याय होगा।' माननीय हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि अपराधी नेताओं का सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं है और नरेश मीणा को राहत नहीं दी, क्योंकि आरोप था कि उसने लोगों को हिंसा के लिये उकसाया था।

समय आ चुका है दोषी नेताओं को चुनाव में लड़ने से आजीवन प्रतिबंधित किया जावे तथा एक नया व्यवहारिक, सार्थक तथा जनता को द्रुतगति से न्याय देने वाला कानून बनाया जावे।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

संघर्ष समिति की बैठक में 28 फरवरी को शाहपुरा बंद रखने का निर्णय लिया

शाहपुरा । धरना स्थल पर दोपहर जिला बचाओ संघर्ष समिति शाहपुरा के सदस्यों की समीक्षा बैठक के संयोजक राम प्रसाद जाट की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक का संचालन महासचिव कमलेश मुंडेतिया ने किया और बताया कि 28 फरवरी को शाहपुरा जिला निरस्त करने पर संपूर्ण शाहपुरा बंद रख विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। शाहपुर जिले की बहाली तक आंदोलन जारी रहेगा। संयोजक रामप्रसाद जाट ने बताया कि संघर्ष समिति का विस्तार कर शहर एवं ठाामीण क्षेत्र के लोगों को सदस्य बनाया गया। 28 फरवरी ब्लैक डे पर संपूर्ण शाहपुरा बांद्रा के आम सभा की जाएगी जिसकी जिम्मेदारी सदस्यों को दी गई और आंदोलन को तेज करने की रूपरेखा तय कर रणनीति बनाई गई इस अवसर पर संघर्ष समिति के सदस्य नरेश बूलिया रामेश्वर सोलंकी रामेश्वर लाल धाकड़ सूर्य प्रकाश ओझा संजय गॉड डॉ इसाक मोहम्मद अविनाश शर्मा हाजी उस्मान मोहम्मद छिपा अभिषेक

शाहपुरा जिला निरस्त करने के विरोध में चल रहा धरना पचासवें दिन भी जारी रहा।

सोनी धनराज जीनगर सत्यनारायण पाठक ताजुद्दीन उस्ता प्रवीण पारीक रामस्वरूप टेपन उदय लाल बेरवा विजय ट्रेलर रवि शंकर उपाध्याय ओम प्रकाश सिंधी महावीर प्रसाद मीणा मदन सर्वा महावीर बैरवा सुगन बोहरा शंकर लाल खटीक प्रभु लाल धोबी परमेश्वर धोबी किशन लाल खारोल वेद प्रकाश धाकड़ सहित कई लोगों ने अपने विचार रखें।

आंदोलन 50 वें दिन भी अनवरत जारी : जिला बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर क्रमिक अनशन धरने पर नवयुवक मंडल शाहपुरा के सदस्य नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर पहुंचकर शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में प्रदर्शन किया और सरकार से शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग की। नवयुवक मंडल शाहपुरा के सदस्य पवन कुमार कुलदीप विनोद गर्ग कमल सिंह सोलंकी महेंद्र आरटिया साहिल शेख पंकज प्रजापत महावीर नाथ बंशीलाल कहार दीपक कुमार कोली सहित कई सदस्य कर्मिक अनशन धरने पर बैठे और उपखंड अधिकारी को राज्यपाल के नाम शाहपुरा जिला बहाल करने का ज्ञापन दिया। नवयुवक मंडल शाहपुरा के सदस्यो का जिला बचाओ संघर्ष समिति संयोजक रामप्रसाद जाट राजोरा महासचिव कमलेश मुंडेतिया रामेश्वर सोलंकी उदय लाल बेरवा नरेश बूलिया सूर्य प्रकाश ओझा रामस्वरूप टेपन शंकर लाल खटीक संदीप जीनगर प्रवीण कुमार पारीक अजय मेहता हाजी उस्मान मोहम्मद छिपा सत्यनारायण पाठक डॉ इसाक मोहम्मद एवं अधिवक्ता गोविंद सिंह हाडा कल्याण मल धाकड़ नमन ओझा आशीष भारद्वाज ने माला पहना कर स्वागत किया और अपने विचार रखें। शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति महासचिव कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि कल 21 फरवरी को श्री वर्धमान जैन स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शाहपुरा के समाजजन हेमंत कोठारी के नेतृत्व में रैली निकालकर क्रमिक अनशन धरने पर बैठेंगे।

हस्त शिल्प मेले में कवि सम्मेलन ने मन मोहा

भरतपुर (निस)। जिला प्रशासन, उद्योग व वाणिज्य विभाग, लघु उद्योग भारती महिला ईकाई के द्वारा हाट कम्पनी बाग में चल रहे ब्रज उद्योग-हस्तशिल्प एवं स्वयं सिद्वा मेला में भरतपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ।

जिसमें कवि-कवित्रियों ने ओजस्वी, हास्य, करूणा, वीर रस में काव्य पाठ किया किया और हास्य चुटकुले, देशभक्ति, सामाजिक व होली के गीत सुना का श्रोताओं को भावविभोर कर उनका मन मोहा लिया तथा फाल्गुन के रसीया व गीत पर श्रोताओं को लोटपोट कर वाही-वाही हासिल की। कवि सम्मेलन की शुरूआत गणेश पूजन एवं मां सरस्वती वंदना से हुई। जिसकें मुख्य अतिथि भरतपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के अध्यक्ष कृष्ण मुरारी अठावाल एवं विशिष्ठ अतिथि जिला अठावाल महासभा के जिलाध्यक्ष व चैम्बर ऑफ कॉमर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतुल मित्तल सीए, सचिव राहुल बंसल, उपाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, लघु उद्योग भारती के चेयरमैन संजय चौधरी, महिला इकाई अध्यक्ष कविता गोयल, कोषाध्यक्ष सोनल गुप्ता, सचिव हरप्रीत कौर, उद्योगपति विष्णु गुप्ता सांतरूक वाले, महिला उद्योगपति मीरा गोयल, ओपन फिल्डस स्कूल के डायरेक्टर विभा गर्ग रहे।

भरतपुर के हाट कम्पनी बाग में चल रहे ब्रज उद्योग-हस्तशिल्प मेले में कवियों ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की।

जबकि अध्यक्षता उद्योग विभाग के महाप्रबन्धक चन्द्रमोहन गुप्ता ने की। कवि सम्मेलन में भरतपुर के सोमदत्त व्यास, धौलपुर के राजवीर सिंह क्रान्ति, हाथरस के सबरस मुरसानी, दिल्ली की कवित्री मीनाक्षी ठाकुर, आगरा की निभा चौधरी, आयुशा तिवारी, पूरन शर्मा, बाबू लाल डीगिया आदि ने काव्य पाठ, गीत, चुटकुले व फाल्गुन के गीत आदि की प्रस्तुतियां दी। भरतपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के सचिव राहुल बंसल ने बताया कि भरतपुर स्थित जिला प्रशासन, उद्योग व वाणिज्य विभाग, लघु उद्योग भारती महिला ईकाई के द्वारा 17 फरवरी से चल रहे ब्रज उद्योग-हस्तषिल्प एवं स्वयंसिद्वा मेला में भरतपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के द्वारा कवि सम्मेलन कराया गया।

जिसमें भरतपुर शहर सहित जिले के ठाामीण अंचल से भारी सख्यां में लोग कवि सम्मेलन सुनने आए। उद्योग विभाग के महाप्रबन्धक चन्द्रमोहन गुप्ता ने बताया कि 17 से 23 फरवरी तक ठाामीण हाट कम्पनी बाग पर ब्रज उद्योग-हस्तषिल्प एवं स्वयंसिद्वा मेला लग रहा है। जिसमें देश के कई राज्यों सहित भरतपुर, डीग, धौलपुर, अलवर आदि जिले के लघु उद्योग ईकाई, खादी, महिला स्वयं सहायता समूह आदि द्वारा स्वदेषी सामान निर्माण की दुकाने लगी हुई।

रूपनगढ़ को बजट में कुछ नहीं मिला

रूपनगढ । आम बजट 2025 को को लेकर रूपनगढ के ऐतिहासिक कस्बे में कई कयास लगाए जा रहे थे कई मांगे कस्बे की थी लेकिन एक भी मांग कस्बे की पूरी नही हुई जिससे जनता काफि नाराज सी नजर आ रही है गौरतलब है कि आम बजट आने से पहले स्थानीय नेता कह रहे थे कि रूपनगढ़ को पंचायत समिति ,नगर पालिका का दर्जा मिलेगा व अग्निशमन केंद्र भी बनेगा कस्बे के अस्पताल को जिला लेबल का अस्पताल घोषित किया जाएगा लेकिन कुछ भी नही हुआ, विडंबना है कि स्थानीय विधायक सुरेश सिंह रावत जो कि अभी जल संसाधन मंत्री भी है इनके होते हुए भी कस्बे को कुछ नही मिला व कस्बे का विकास नही हुआ। आज भी ऐतिहासिक कस्बा अस्पताल की गभीर समस्या से जुझ रहा है कई ऐसी मागे है जो कि कस्बे के लिए जरूरी है लेकिन इस कस्बे की कोई सुनने वाला कोई नही है। रही बात कृषि मंडी की व तो पूर्वोत्तर काठोस राज में ही हो गई थी जिसकी 40 बीघा जमीन भी अलॉट हो गई जिसका काम आज तकचालू नही हुआ किअगर इस 2025-2026,के बजट में रूपनगढ चिकित्सालय को 30 बेड या इससे ज्यादा का करके जिला लेबल का कर देते तो आज रूपनगढ कस्बे के 44 गाँव को चिकित्सा सुविधा और ज्यादा बहतर हो जाती।

जिला कलक्टर ने केवलादेव घना पक्षी विहार में किया ई-बाइकिंग सुविधा का शुभारंभ

भरतपुर (निस)। प्रदेश में दीर्घकालीन सतत विकास सुनिश्चित करने, विकास योजनाओं में ठाीन ठाोथ के सिद्धांत का समावेश करने तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ ही प्रदेश को हरित राजस्थान बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 में पेश के लिए गए पहले ग्रीन बजट की जिले में क्रियान्विती शुरू हो गई है। प्रदेश के पहले ग्रीन बजट की क्रियान्विती की कडी में गुरूवार को जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने देशी विदेशी सैलानियों के लिए भरतपुर के केवलादेव घना पक्षी विहार में ई-बाइकिंग और ई-साइकलिंग सुविधा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की मंशानुरूप ई-बाइकिंग और ई-साईकलिंग शुरूआत की गई है। राज्य बजट में भरतपुर को क्लीन एण्ड ठाीन इको सिटी में शामिल किया गया है। इसी कडी में यह सुविधा शुरू की गई है। इससे यहाँ आने वाले देशी विदेशी सैलानियों को भ्रमण में सुविधा मिलेगी। इस दौरान आयुक्त बीडीए प्रतीक जुईकर, डीएफओ मानस सिंह, उपखण्ड अधिकारी राजीव शर्मा, प्रशिक्षु आईएएस राहुल श्रीवास्तव, अंशुमान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भरतपुर में कलक्टर डॉ. अमित यादव ने ई-साइकलिंग की शुरुआत की।

- **प्रदेश के पहले ग्रीन बजट के क्रियान्वयन की दिशा में भरतपुर जिले ने बढ़ाया कदम**

राशिफल शुक्रवार 21 फरवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, अनुराधा नक्षत्र दिन 3:54 तक, व्याघात योग दिन 11:59 तक, कौलव करण दिन 11:58 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 3:54 तक है। आज जानकी जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:27 तक, लाभ-अमृत 8:27 से 11:16 तक, शुभ 12:40 से 2:05 तक, चर 4:54 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:02, सूर्यास्त 6:19

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

कर्क
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों से संबंधित तनाव बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी। शर्मा मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने दिल्ली गए थे। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्य अतिथि थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल ईंजन सरकार दिल्ली के विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगी। समारोह में शामिल हुईं दीया कुमारी ने कहा, भाजपा सरकार दिल्ली में सुशासन के नए मानक स्थापित करेगी, दिल्ली को स्वच्छ व सुंदर बनाएगी।

दिल्ली में नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व 6 मंत्रियों ने शपथ ली

शपथ ग्रहण के बाद मंत्रियों में विभागों का बंटवारा किया गया

- **शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा सहित कई वरिष्ठ केन्द्रीय मंत्री मौजूद थे।**
- **विभिन्न भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री व एन.डी.ए. घटक दलों के नेता भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।**

नयी दिल्ली, 20 फरवरी। छात्र राजनीति से मुख्य धारा की राजनीति में आयीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पुरानी कार्यकर्ता रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार की बागडोर संभाली। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने गुप्ता और उनके सहयोगी मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। गुप्ता शालीमार बाग से भाजपा की विधायक चुनी गयी हैं।

गुप्ता के बाद क्रमश: नयी दिल्ली विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हराकर विधायक बने प्रवेश साहिब सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली।

रामलीला मैदान में तीन मंच सजे थे। बांये मंच पर विभिन्न धर्मों के धर्म गुरु और कई प्रमुख संत विराजमान थे। बीच के मंच पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों को शपथ दिलाने की व्यवस्था की गयी थी और इस मंच पर प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मोदी मंत्रिमंडल में शामिल अन्य मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ये तीसरे नं. पर भाजपा और राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री उपस्थित थे।

शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत राष्ट्र गान से हुयी। इसके बाद दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेन्द्र कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय की अधिसूचना को पढ़ा, जिसमें रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री और अन्य छह विधायकों को मुख्यमंत्री नियुक्त करने की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से अनुमति दी गयी थी।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गुप्ता को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देते हुए लिखा, दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर रेखा गुप्ता जी को बधाई। वे जमीनी स्तर से उठकर आई हैं, कैंपस राजनीति, प्रदेश संगठन, नगर निगम प्रशासन में सक्रिय रहीं और अब विधायक तथा मुख्यमंत्री भी हैं। मुझे विश्वास है कि वे पूरी ताकत से दिल्ली के विकास के लिए काम करेंगी। उन्हें सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।

शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री व उनके 6 मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा हो गया।

मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता ने सामान्य प्रशासन, सेवाएं, वित्त, राजस्व, महिला एवं बाल कल्याण, भूमि एवं भवन, जनसंपर्क, सतर्कता एवं प्रशासनिक सुधार विभाग अपने पास रखे हैं।

प्रवेश वर्मा को लोक निर्माण विभाग, विधायी मामले, गुरुद्वारा चुनाव, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, जल, जैसे अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई। आशीष सूद को गृह, बिजली, शहरी विकास, शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। मनजिंदर सिंह सिरसा उद्योग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, वन एवं पर्यावरण और प्लानिंग डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी दी गई है। रविंद्र सिंह इंद्राज समाज कल्याण, एससी और एसटी कल्याण, सहकारिता विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कपिल मिश्रा को कानून एवं न्याय, श्रम एवं रोजगार, डवलपमेंट, कला एवं संस्कृति, भाषा और पर्यटन विभाग की जिम्मेदारी मिली। डॉ. पंकज कुमार सिंह- स्वास्थ्य, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की जिम्मेदारी मिली है। पंकज सिंह खुद पेशे से डॉक्टर हैं।

दिल्ली सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में गुरुवार को सीएम रेखा गुप्ता ने पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में कई बातों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, आज से पहले यह सीएम कार्यालय मीडिया के लिए नहीं खुला था। आज से यह सभी के लिए खुला रहेगा। सभी का स्वागत है।

उन्होंने कहा कि आज शपथग्रहण समारोह के बाद हमने सचिवालय के मुख्यमंत्री कार्यालय में पदभार संभाल लिया है। शाम सात बजे कैबिनेट पहली बैठक बुलाई गई है। इससे पहले शाम पांच बजे यमुना घाट पर जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो मिशन विकसित दिल्ली का है, उसे पूरा करने के लिए लगातार काम किया जाएगा। एक भी दिन व्यर्थ नहीं होगा। एक-एक वादे पूरे किए जाएंगे।

सूत्रों के मुताबिक, नई सरकार में रोहिणी से चौथी बार जीते वरिष्ठ भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता को विधानसभा स्पीकर और मुस्तफाबाद से विधायक मोहन सिंह बिष्ट को डिप्टी स्पीकर बनाया जा सकता है।

ऑनलाइन अश्लील कंटैंट व सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए बिल लाएगी सरकार

- **रणवीर अलाहबादिया के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया और ऑनलाइन अश्लील कंटैंट नियंत्रित करने के बारे में सरकार से जवाब मांगा है।**

नई दिल्ली, 20 फरवरी। रणवीर अलाहबादिया पर आरोप है कि उन्होंने समय रैना के शो ''इंडियाज़ गॉट टैलेंट'' में पेरेंट्स पर अश्लील कमेंट किए थे। इसे लेकर देश में अलग-अलग जगहों पर एफआईआर हुए और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार से यूट्यूब और सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लील सामग्री को लेकर जवाब मांगा है। सरकार ने प्रस्तावित डिजिटल इंडिया बिल पर काम को तेज कर दिया है।

सोशल मीडिया पर अश्लीलता रोकने के लिए केंद्र सरकार मौजूदा आईटी एक्ट की जगह डिजिटल इंडिया बिल लाने पर काम कर रही है। इस नए कानून में यूट्यूबर, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया यूजर्स को रेगुलेट करने के प्रावधान रहेंगे। ज्ञातव्य है कि इस बिल पर केंद्र करीब 15 महीने से काम कर रहा है।

रणवीर अलाहबादिया के केस के चलते सरकार डिजिटल इंडिया बिल की ओर वापसी कर रही है।

दिल्ली में भाजपा ने बुलाई एनडीए की बैठक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने बैठक में सहयोगी दलों के साथ भावी रणनीति पर चर्चा की

- **मीटिंग में तेलुगदेशम के मुखिया व आंध्र के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू, जद (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा व केन्द्रीय मंत्री लल्लन सिंह शामिल हुए।**
- **मीटिंग में भाजपा के वरिष्ठ मंत्रियों के अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए जिनमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रमुख थे।**

नयी दिल्ली, 20 फरवरी। राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा सरकार के गठन के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को शक्ति प्रदर्शन किया और इस कड़ी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के नेताओं के लिए भोज का आयोजन किया गया, जिसमें शासन की रणनीतियों, नीति समन्वय और राजग शासित राज्यों में आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर चर्चा की गयी।

इंपीरियल होटल में आयोजित इस भोज में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा समेत तमाम दिग्गज नेता शामिल हुए।इस बैठक को आगामी राजनीतिक रणनीतियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भाजपा इससे पहले भी सरकारों के गठन के मौके पर शक्ति प्रदर्शन करती रही है। हरियाणा और महाराष्ट्र में हुए शपथ ग्रहण समारोहों में भी राजग के तमाम नेता जुटे थे। अब दिल्ली में भी इसी तरह का राजनीतिक संदेश देने के लिए यह हाई-प्रोफाइल मीटिंग रखी गयी जिसमें राजग के प्रमुख नेता शामिल हुए। बैठक में अमित शाह, जे.पी. नड्डा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत इस बैठक में शामिल हुए।

घटक दलों ने भी मीटिंग में भाग लिया। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेता एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी बैठक में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) से राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने भी बैठक का शिरकत की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस भोज में शामिल होने वाले राजग के नेताओं ने शासन की रणनीतियों, नीति समन्वय और राजग शासित राज्यों में आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर चर्चा की।

सेना के लिए 1868 रफ टैरेन ट्रक खरीद को मंजूरी

- **इस पर 697.35 करोड़ रूपए की लागत आएगी।**

नयी दिल्ली, 20 फरवरी। रक्षा मंत्रालय ने सेना, वायुसेना और नौसेना के लिए 697.35 करोड़ रुपये की लागत से 1868 रफ टैरेन फोर्क लिफ्ट ट्रक की खरीद के लिए एसीई लिमिटेड और जेसीबी इंडिया लिमिटेड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने गुरूवार को बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किये गये। रफ टैरेन फोर्क लिफ्ट ट्रक एक महत्वपूर्ण उपकरण है जिसका इस्तेमाल सेनाओं में भारी मात्रा में रसद व सैन्य सामानों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए किया जाता है। इससे सेना, वायुसेना और नौसेना की परिचालन प्रभावशीलता बढ़ेगी। यह खरीद देश से ही होने के कारण इससे राष्ट्रीय रक्षा उपकरण विनिर्माण बढ़ेगा। इस परियोजना में घटकों के उत्पादन के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र को प्रोत्साहित करके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। यह खरीद भारत के रक्षा बुनियादी ढ ांचे के आधुनिकीकरण और स्वदेशी उद्योगों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन के लिए रेल डिविजन ने नए नियम घोषित किए

- **8 से 16 नम्बर तक के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन के आगमन के लिए आर.पी.एफ. से अनुमति लेनी होगी।**
- **नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ के बाद यह फैसला लिया गया है।**

नई दिल्ली, 20 फरवरी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर आठ से 16 तक किसी भी ट्रेन के आगमन से पहले अधिकारियों को अब आरपीएफ से परमिशन लेना होगा। दिल्ली रेल डिविजन ने गुरुवार को इस नए नियम की घोषणा की। यह फैसला 15 फरवरी को प्लेटफॉर्म संख्या 14 के पास सीढ़ी पर हुई भगदड़ जैसी घटना न हो सके, इसके लिए लिया गया है। आम तौर पर आठ से 16 तक के प्लेटफॉर्म पर प्रयागराज, पटना, कानपुर, लखनऊ, हावड़ा आदि पूर्वी क्षेत्रों से आने वाली या वहां से जाने वाली सभी ट्रेन ठहरती हैं तथा महाकुंभ के कारण इन सभी ट्रेन में यात्रियों की बहुत भीड़ होती है।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली डिविजन की तरफ से 19 फरवरी को जारी किए गए एक सर्कुलर में स्टेशन अधिकारियों को एक नई प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश दिया गया है, जिसके तहत आरपीएफ से मंजूरी मिलने के बाद ही ट्रेन को इच्छित प्लेटफॉर्म, यानी संख्या आठ से 16 पर ठहराया जाएगा। सर्कुलर के मुताबिक, स्टेशन अधिकारी पावर केबिन के आरपीएफ कर्मियों को ट्रेन के आगमन के बारे में 15 मिनट पहले सूचना देंगे और उन्हें उस प्लेटफॉर्म नंबर की भी जानकारी देंगे, जिस पर ट्रेन पहुंचने वाली है। आरपीएफ कर्मचारी स्टेशन और जिस प्लेटफॉर्म पर ट्रेन पहुंचने वाली है, वहां भीड़ की स्थिति के बारे में सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष और फुट ओवर ब्रिज/प्लेटफॉर्म पर तैनात आरपीएफ कर्मियों के साथ को-ऑर्डिनेट करेंगे, फिर, मंजूरी मिलने के बाद, पावर केबिन के आरपीएफ कर्मी इच्छित प्लेटफॉर्म पर विशेष ट्रेन को ठहराने/आगमन की मंजूरी देंगे।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले सदन में जवाब नहीं दिया। जिसके चलते राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर नेता प्रतिपक्ष का संबोधन नहीं हो सका।

नेता प्रतिपक्ष की बात पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई तो विपक्ष के सदस्य भी खड़े होकर बोलने लगे। दोनों पक्षों में नोक-झोंक के बीच स्पीकर वासुदेव देवनानी ने बीच-बचाव किया। इस बीच नेता प्रतिपक्ष ने एक मंत्री द्वारा सदन में तख्ती लेकर आने पर आपत्ति जताई तो फिर हंगामा होने लगा। नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा कि सरकार किरोडी लाल मीणा का इस्तीफा स्वीकार क्यों नहीं कर रही है, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

'संगम के जल पर केन्द्र व राज्य सरकार के आंकड़े विरोधाभासी'

- **सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, अब देखना है कि क्या यूपी सरकार केन्द्र सरकार के संगम जल प्रदूषण के आंकड़े को स्वीकार करेगी या उसे सनातन विरोधी करार देगी।**

लखनऊ, 20 फरवरी। महाकुंभ के दौरान संगम के जल में प्रदूषण की मात्रा पर समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संगम के जल को लेकर आंकड़े अलग-अलग हैं।

उन्होने कहा कि दिल्ली वालों के आंकड़े यूपी वाले नहीं स्वीकार कर रहे हैं। अब देखना है यूपी का नया डेटा दिल्ली स्वीकार करती है या नहीं। यूपी सरकार दिल्ली वालों के आंकड़ों को नहीं मान रही है।

अखिलेश ने कहा केन्द्र सरकार कह रही है कि संगम का पानी स्नान करने लायक नहीं है, तो मान कर चलें कि लखनऊ वाले दिल्ली वालों को सनातनी नहीं मानेंगे। अब क्या लखनऊ वाले कहेंगे कि दिल्ली वाले सनातनी नहीं है। मैं तो मांग करूंगा कि भाजपा के नेताओं के घर संगम का पानी टंकी भर कर पहुंचाया जाय।

सोनिया गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि, भर्ती होने की वजह और समय अभी सामने नहीं आया है। दिसंबर 2024 में सोनिया गांधी 78 साल की हो चुकी हैं।

सूत्रों के मुताबिक उन्हें रूटीन चेकअप के लिए लाया गया था। इससे पहले सितंबर, 2023 में हल्के बुखार के बाद उन्हें सर गंगा राम अस्पताल में ही भर्ती कराया गया था।

यूक्रेन युद्ध का ''अन्त'' क्या कोरिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यूक्रेन की संप्रभुता से समझौता कर सकता है और पुतिन को भविष्य में आक्रामकता के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। विदेश नीति विशेषज्ञों का कहना है कि कोरिया स्टाइल का ''फ्रोज़न कान्फ्लिक्ट'' यथार्थवादी परिणाम हो सकता है, क्योंकि इसमें दोनों पक्षों की तरफ से अधिक रियायतों की आवश्यकता नहीं होती। कोरिया शैली का ''फ्रोज़न कॉन्फ्लिक्ट'' एक लंबा सैन्य गतिरोध होता है, जहां बड़े पैमाने पर सक्रिय युद्ध समाप्त हो जाता है, लेकिन कोई औपचारिक शांति संधि नहीं होती है, जिससे स्थिति अनसुलझी रहती है और समय-समय पर तनाव पैदा होता रहता है। यह शब्द कोरिया युद्ध (1950-1953) के बाद की कोरिया प्रायद्वीप की स्थिति से लिया गया है। जहाँ, युद्धविराम से युद्ध की समप्ति हुई, लेकिन, किसी औपचारिक शांति संधि पर हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। जिसका मतलब है कि उत्तर और दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से अब भी युद्धरत हैं।

इस तरह की स्थिति कैसी होगी? यह कुछ इस तरह हो सकती है।

प्रथम, यूक्रेन और रूस एक दीर्घकालिक युद्धविराम पर सहमत होते हैं, जिसमें रूसी-आधिकारिक क्षेत्रों और शेष यूक्रेन के बीच एक सशस्त्र सीमा होगी।

दूसरा, यूक्रेन अपनी संप्रभुता बनाए रखे लेकिन, अधिग्रहित क्षेत्रों पर प्रभावी नियंत्रण खो दे।

तीसरा, युद्ध आधिकारिक रूप से समाप्त नहीं हो, लेकिन शत्रुता रुक जाए, जिससे पुनर्निर्माण के प्रयास हो सकें।

चौथा, अमेरिकी सैन्य सहायता में कमी आ जाए, और मॉस्को और कीव के बीच कूटनीतिक चैनल खुल जाएं।

इनका वैश्विक प्रभाव यह होगा कि कोई बड़ा क्षेत्रीय समझौता किए बिना ट्रंप सक्रिय लड़ाई समाप्त करने का श्रेय ले सकते हैं। इसके अलावा अमेरिकी रक्षा खर्च में कमी आएगी, जिससे ट्रंप को घरेलू नीतियों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा, और पुतिन नाटो के साथ ''फुल स्केल वॉर'' से बचते हुए, यूक्रेन पर दबाव बनाए रखेंगे।

इस तरह के परिणाम का विपरीत पक्ष यह होगा कि यूक्रेन विभाजित रहेगा, दीर्घकालिक अस्थिरता बनी रहेगी, रूस जब चाहे संघर्ष को फिर से शुरू कर सकता है, और नाटो हाई अलर्ट पर रहेगा, क्योंकि भविष्य में रूस की आक्रामकता का खतरा बना रहेगा।

हाईकोर्ट जज के खिलाफ लोकपाल की जांच पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

- **सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल के इस आदेश को परेशान करने वाला बताया।**

नयी दिल्ली,20 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने लोकपाल के उस आदेश पर गुरुवार को रोक लगा दी जिसमें कहा गया है कि उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत के मामले की जांच उसके (लोकपाल) अधिकार क्षेत्र में आता है। न्यायमूर्ति बी आर गवई, सूर्य कांत और अभय एस ओका की पीठ ने रोक लगाते हुए लोकपाल के इस आदेश को बहुत ही परेशान करने वाला बताया और कहा कि वह इस संबंध में कानून बनाएगी, क्योंकि सभी न्यायाधीशों की नियुक्ति संविधान के तहत ही होती है। पीठ ने शिकायतकर्ता को शिकायत की विषय-वस्तु या न्यायाधीश का नाम उजागर न करने का भी आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और कहा कि वह होली की छुट्टी के बाद इस पर विचार करेगी। उच्च न्यायालय के एक वर्तमान न्यायाधीश और एक अतिरिक्त न्यायाधीश के खिलाफ दायर भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच के लिए लोकपाल की ओर से भारत के मुख्य न्यायाधीश से मार्गदर्शन मांगने पर शीर्ष अदालत ने स्वत: संज्ञान मामला दर्ज कर सुनवाई की।न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली लोकपाल पीठ ने 27 जनवरी 2025 के आपने आदेश में कहा था कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करना लोकपाल के अधिकार क्षेत्र के अधीन होंगे।

एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी

मुंबई, 20 फरवरी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। गोरेगांव पुलिस को इस बारे में एक अज्ञात शख्स का ईमेल मिला है, जिसमें एकनाथ शिंदे की गाड़ी को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।मंत्रालय और जेजे मार्ग पुलिस स्टेशन में भी इसी तरह का धमकी भरा मेल आया है।पुलिस धमकी भरा ईमेल भेजने वाले की तलाश कर रही है।

- **गोरे गाँव पुलिस को अज्ञात व्यक्ति ने ई-मेल भेज कर धमकी दी है।**

इस समय फिलहाल एकनाथ शिंदे दिल्ली के दौरे पर हैं। वे रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद एनडीए नेताओं के साथ बैठक के लिए निकल गए। दिल्ली में आज रेखा गुप्ता ने नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है।

जौनपुर में एक ही सड़क पर एक के बाद एक दो हादसे, 9 की मौत 40 घायल

दोनों हादसों में क्षतिग्रस्त गाड़ियाँ अयोध्या जा रही थीं

- **पहला हादसा गुरुवार अल सुबह हुआ, जिसमें सूमो गाड़ी की एक अन्य वाहन से भिडंत हो गई थी। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई।**
- **पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य संभाला, पुलिस बचाव कार्य कर भी नहीं पाई थी कि तथी एक और हादसा हो गया और तीर्थ यात्रियों की बस ट्रेलर से टकरा गई।**

जौनपुर, 20 फरवरी। यूपी के जौनपुर जिले में बड़ी बड़ी सड़क दुर्घटना हुई है। जिले के बदलापुर थानांतर्गत सरोखनपुर गांव के पास दो अलग दुर्घटनाओं में अयोध्या जा रही गाड़ियां दुर्घटना ग्रस्त हो गई। इसमें9तीर्थयात्रियों की जान चली गई जबकि 40 लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही डीएम-एसएसपी सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार, महाकुंभ स्नान के बाद दो वाहन जौनपुर में सड़क हादसे का शिकार हो गये। इस हादसे में दोनों वाहनों में सवार नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई है।

लगभग 40 लोग घायल भी हुए हैं। घायलों को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि झारखंड नम्बर की टाटा सूमो श्रद्धालुओं को लेकर वाराणसी से अयोध्या की ओर जा रही थी। गुरूवार तड़के जैसे ही सरोखनपुर पहुंची तो एक वाहन से जोरदार भिड़ंत हो गई। सूमो में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिली तो मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से घायलों को अस्पताल भेजा। सूमो में एक बच्चा, एक पुरुष और 3 महिला समेत 8 लोग सवार थे। इनमें से पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए जिनका इलाज चल रहा है। सूमो सवार सभी झारखंड के रहने वाले थे।

सूमो के हादसे का बचाव कार्य करने के बाद अभी प्रशासनिक टीम सामान्य हो भी नहीं पाई थी कि लगभग आधे घंटे बाद घटनास्थल से सौ मीटर दूर श्रद्धालुओं से भरी बस हाइवे पर खड़े ट्रेलर में पीछे से भिड़ गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 40 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बस में 42 लोग सवार थे।

इनमें से दो पुरुष और दो महिलाओं की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। इनमें से 21 लोगों को गंभीर चोटे आई हैं। शेष 11 लोग मामूली घायल हैं। बस सवार दिल्ली के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

राज्य सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पक्ष बताने के लिए एक दिन का समय दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि भर्ती रद्द करने के संबंध में 4 महीने में निर्णय कर लिया जाएगा। इस दौरान किसी को फील्ड पोस्टिंग नहीं दी जाएगी और दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही अतिरिक्त महाधिवक्ता ने अदालत से याचिका को निस्तारित करने की गुहार की। इस पर अदालत ने कहा कि वे दो-तीन माह का समय ले लें, लेकिन याचिका निस्तारित नहीं की जाएगी और इसे मेरिट पर ही तय किया जाएगा।

इस दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने भी अदालत से कहा कि राज्य सरकार को आगे समय नहीं दिया जाए और याचिका का निस्तारण अभी मेरिट पर कर दिया जाए। इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा कि वे भर्ती को लेकर तीन साल तक तो कोर्ट आए नहीं, अब उन्हें किस बात की जल्दी है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार से निर्देश प्राप्त करने के लिए मामले की सुनवाई 20 मिनट के लिए टाल दी। वहीं बाद में अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि उनका सक्षम अधिकारी से संपर्क नहीं हुआ है। इसलिए उन्हें समय दिया जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी है। गौरतलब है कि गत सुनवाई पर अतिरिक्त महाधिवक्ता ने अदालत को मामले में उच्च स्तर पर विचार-विमर्श होने की जानकारी देकर मामले की सुनवाई बुधवार के बजाए गुरुवार को करने की गुहार की थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

दुष्कर्म के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग, कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन

अजमेर, (कासं)। राजस्थान के ब्यावर जिले के बिजयनगर में एक विशेष समुदाय के युवकों द्वारा स्कूली छात्राओं के साथ यौन शोषण तथा धर्मातांतरण का प्रयास के विरोध में आरोपियो के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर बड़ी संख्या में एबीवीपी अजमेर महानगर के कार्यकर्ताओं द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन कर कलेक्टर को महानगर मंत्री राजेंद्र कालश व चंचल तेजावत के नेतृत्व में ज्ञापन सौपा । विरोध प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी की छात्राए कलेक्ट्रेट परिसर में घुसने का प्रयास किया, इस दौरान पुलिस व छात्राओ के बीच धक्का-मुक्की हो गई।

ब्यावर जिले के बिजयनगर में छात्राओं से दुष्कर्म करने के आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

बिजयनगर में स्कूल छात्राओं से दुष्कर्म के मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में छात्राओं ने गुरूवार कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। छात्राओं ने प्रदर्शन कर अतिरिक्त जिला कलेक्ट्रर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन दिया। एबीवीपी के महानगर मंत्री राजेंद्र कालस ने बताया अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद 1949 से विद्यार्थी एवं समाज के मध्य में कार्यरत संगठन है। इसके तहत अजमेर जिले के बिजयनगर में जिहादियों की ओर से नाबालिग स्कूल छात्राओं के शोषण के अत्यंत दुखद घटना पर रोष प्रकट करती है।

यह अत्यंत शर्मनाक है कि नाबालिग बालिकाओं को ब्लैकमेल कर उनके साथ यौन शोषण हुआ और उन्हें जबरन धर्मांतरित करने का प्रयास हुआ। इस मामले में आरोपियों पर कठोर कार्रवाई हो। एबीवीपी इस दुखद घटना में सम्मिलित सभी आरोपियों पर शीघ्र कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग करती है। नाबालिग बालिकाओं का जीवन बर्बाद करने के ऐसे प्रयासों की पुनरावृत्ति न हो, इसलिए प्रशासन के साथ समाज को भी सजग रहना होगा। इस मौके पर प्रदेश छात्रा सहप्रमुख चंचल तेजावत, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य खुशाल प्रजापति, महानगर सहमंत्री अमृत चौधरी, कृष्णा ठाकुर, लक्ष्यराज सैनी, अदिति गाबा, इकाई अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह पिपरोली, विनीत धानका, कुमकुम सेन, रोहित रावत, इकाई सचिव जयश्री महावर, जसवंत पवाँर, पुष्पेंद्र सिंह, सुखपाल गुर्जर, पीयूष शर्मा, मोहित गहलोत, सागर रावत, कालू योगी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एडीजे ने किया प्रसंज्ञान-बिजयनगर के ब्लैकमेल प्रकरण में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव महेंद्र कुमार ढाबी अपर जिला न्यायाधीश के द्वारा प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रसंज्ञान लिया गया, जिसके क्रम में प्राधिकरण द्वारा बाल कल्याण समिति को निर्देशित कर महिला बाल मित्र एवं उसके सहयोग के लिए पुरुष बाल मित्र को नियुक्त करवाया गया। उक्त क्रम में प्राधिकरण के निर्देश पर बाल मित्रों ने पीड़ित परिवार से संपर्क कर उनको विधिक सहयता प्रदान की एवं पीड़ित प्रतिकर योजना की जानकारी देते हुए प्रक्रिया से अवगत करवाया प्राधिकरण सचिव ने पुलिस अधीक्षक अजमेर सहित पुलिस अधीक्षक ब्यावर व संबंधित थानाधिकारी को विधिक सहायता प्रदान करने हेतु व आवश्यक सहयोग प्रदान करने हेतु निर्देशित किया प्राधिकरण सचिव द्वारा अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति को भी महिला पैरालीगल वालेंटियर नियुक्त करने हेतु निर्देशित किया।

पहली बार अभ्यर्थियों का बायोमैट्रिक से होगा वेरिफिकेशन

बीकानेर। रीट पात्रता परीक्षा 27-28 फरवरी को आयोजित की जाएगी। परीक्षा में पहली बार परीक्षार्थियों की पहचान करने एवं फर्जी अभ्यर्थियों की पहचान करने के लिए हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर एवं बायोमीट्रिक तथा फेस रेकग्निशन जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। रीट परीक्षा को लेकर मुख्य सचिव सुधांशु पंत की अध्यक्षता मे सचिवालय में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ इस संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में परीक्षा की शुचिता, पेपर और ओएमआर शीट की सुरक्षा एवं गोपनीयता, कानून व्यवस्था, प्रश्न पत्रों के सुरक्षित परिवहन, परीक्षार्थियों की सुविधाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। मुख्य सचिव पंत ने निर्देश दिए कि जिस प्रकार चुनाव आयोग निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक बिन्दु के लिए एसओपी जारी कर उसकी निर्धारित समय पर शत-प्रतिशत और गम्भीरता से पालना सुनिश्चित करवाता है, उसी प्रकार रीट परीक्षा में भी प्रत्येक बिन्दु की एसओपी जारी की गई है।

महामण्डलेश्वर हंसराम अध्यक्ष नियुक्त

भीलवाड़ा। भारत साधु समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की एक बैठक स्थानीय हरी शेवा उदासीन आश्रम, सनातन मंदिर में सम्पन्न हुई। जिसमें मुख्य रूप से साधु समाज एवं धर्मशास्त्र की मान्यता व मर्यादा की रक्षा, सनातन धर्म, शिक्षा, संस्कार, सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों सहित विविध मुद्दो पर वार्ता, चिन्तन व चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य पाद द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य श्री स्वामी सदानन्द सरस्वती जी महाराज व महामंत्री स्वामी केशवानन्द महाराज के निर्देशानुसार यह बैठक भीलवाड़ा आश्रम में सम्पादित हुई। इस बैठक में भारत साधु समाज की सहयोगी समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णसिंह दहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किशन सिंह भदौरिया, प्रबन्धक मंत्री यश कुमार दहिया, सोशल मीडिया प्रभारी अरिदमन सिंह सम्मिलित हुए। बैठक में राजस्थान प्रान्त के लिए अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन एवं उपाध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। हाल ही में महाकुम्भ के अवसर पर उपस्थित संतो-महापुरूषो, पदाधिकारियों के द्वारा कार्यकारिणी विस्तार व नियुक्ति पर सैद्धान्तिक सहमति भी हुई। राजस्थान प्रान्त के लिए महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन एवं महामण्डलेश्वर स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती की नियुक्ति पर सर्व संत समाज व श्रद्धालुओं में हर्ष एवं खुशी की लहर छा गई। भारत साधु समाज राजस्थान के नवनियुक्त अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने बताया कि अतिशीघ्र राजस्थान कार्यकारिणी का विस्तार किया जायेगा एवं एक वृहद स्तर पर विविध मुद्दो पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन भी प्रस्तावित है। उपाध्यक्ष मेवाड़ महामण्डलेश्वर स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती ने बताया कि महाकुम्भ पर जो दृश्य परिलक्षित हुआ है, वह निश्चित रूप से सनातन धर्म के लिए सकारात्मकता लिये हुए है। उन्होंने उद्धेश्यो की पूर्ति में हर संभव कार्य करते हुए मेवाड़ व राजस्थान का जो इतिहास है, उसी अनुरूप प्रसिद्धी दिलाने की भी बात कही। इस अवसर पर महंत हनुमानराम उदासीन पुष्कर, संत राजाराम, संत गोविन्दराम, ब्रह्मचारी सिद्धार्थ, कुणाल, मिहिर सहित हरी शेवा संस्थान के ट्रस्टी, पदाधिकारी व हंसगंगा हरि शेवा भक्त मण्डल के श्रद्धालुगण सम्मिलित हुए।

राज्यपाल ने भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय परिसर में 61.75 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया

अलवर । राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे एवं केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने गुरूवार को अलवर के हल्दीना स्थित राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय परिसर में 61.75 करोड रूपये की लागत के द्वितीय चरण के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा संविधान पार्क का अवलोकन किया।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने शिलान्यास कार्यक्रम के उद्बोधन में महाराजा भर्तृहरि को नमन कर विश्वास जताते हुए कहा कि उनकी तपोभूमि पर उनके नाम से 2012 में स्थापित यह विश्वविद्यालय भर्तृहरि के आदर्शों को आत्मसात करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ देश-विदेश में ज्ञान का एक बड़ा केंद्र बने। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में 61.75 करोड रूपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों से विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकेंगी तथा विश्वविद्यालय अपने चहुंमुखी विकास की ओर अठासर होगा। उन्होंने महाराजा भर्तृहरि को स्मरण करते हुए कहा कि हमारे देश के महान विभूतियों में से एक हैं, उनके द्वारा लिखित नीति शतक, श्रृंगार शतक और वैराग्य शतक की भावाभिव्यक्ति इतनी सरल, मनोरम, मधुर, रसपूर्ण और प्रवाहमय भाषा में है कि पढ ने वाले के हृदय और मन दोनों को प्रभावित करती है।

राज्यपाल बागडे ने प्राचीन गुरुकुलों की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन गुरूकुलों में विद्यार्थियों की बौद्धिक व शारीरिक क्षमता बढ़ाने के साथ श्रेष्ठ नागरिक के रूप में दीक्षित किया जाता था। उन्होनें कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय परम्परा व विद्यार्थी के अनुकूल है, विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के आलोक में अपने पाठ्यक्रमों को समयानुकूल, उपयोगी और अधतन करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे, कौशल उन्मुख ऐसे पाठ्यक्रमों को अधिकाधिक प्रारंभ किया जाना चाहिए जिनका लाभ विद्यार्थियों के साथ-साथ देश और समाज को भी मिले। उन्होंने शिक्षा में किताबी ज्ञान के अतिरिक्त बहुआयामी शिक्षा पर बल दिया, जिससे विद्यार्थी प्रतिभाशाली बन सके। उन्होंने बेटियों से कहा कि निडर और बहादुर बनें। उन्होंने कहा कि अन्याय जहां पर हो वहां सबको मजबूती से उसका विरोध कर सामाजिक मूल्यों को मजबूत करना चाहिए। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे से सार्वजनिक जीवन, पवित्राता, नैतिक मूल्यों व नए लोगों को जीवन में आगे बढ ाने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल श्री बागडे ने अपने अंतर्गत आने वाले विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा है कि मेरा स्वागत करने आना तो फूल-माला नहीं शोध की पुस्तक लेकर आना यह इनके सादगीपूर्ण जीवन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमारा इस विश्वविद्यालय को एकेडमिक स्टेंडर्ड में खडा करना है। उन्होंने महाराजा भर्तृहरि के जीवन का संक्षिप्त वर्णन करते हुए कहा कि अलवर राजा भर्तृहरि की तपोभूमि है।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने अलवर में निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया।

अलवर में आकर उन्होंने तीन पुस्तकें नीति शतक, श्रृंगार शतक व वैराग्य शतक की रचना की जो जीवन में शासन, जीवन के आकर्षण व जीवन के सभी कार्य करके असली परमार्थ को पाने के लिए प्रेरित करती है। ये पुस्तकें भारत के मूल्यों को आगे बढ ाने का काम करती है। यादव ने कहा कि विश्विद्यालय परिसर में संविधान पार्क बनाया है जो बाबा साहेब को समर्पित है तथा यहां बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा विद्यार्थियों को संविधान के प्रति अपनी कृतज्ञता की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि हल्दीना क्षेत्रा में बालिका सैनिक स्कूल बनाने की मांग वर्षों से चली आ रही थी इस पर मुख्यमंत्रा को अवगत कराने पर उन्होंने हाल ही में पेश किए बजट में बालिका सैनिक स्कूल बनाए जाने की घोषणा की है इससे क्षेत्रा की बालिकाओं को सेना में जाने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय व लोकल रोड कनेक्टिविटी को बढाने के लिए सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।

नदबई डेरा मार्ग पर अनियंत्रित होकर पलटी बस

नदबई (निस)। डहरा सड़क मार्ग पर बुधवार रात एक निजी बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खेत में जा पलटी। घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही डहरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की।

डहरा चौकी के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) एदल सिंह ने बताया कि बुधवार रात को नदबई की ओर जा रही एक निजी बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन वहां बस चालक नहीं मिला। पुलिस जांच में पता चला कि, यह बस अटलबंद थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। आशंका जताई जा रही है कि बस को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चुराकर ले जाया जा रहा था और नियंत्रण खोने के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि, इस बारे में विस्तृत जांच जारी है।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना संख्या - 11/2024-25

विश्वविद्यालय द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक 16557 दिनांक 19.02.2025 के तहत निर्माण कार्य हेतु निविदा जारी की गई है, जिसकी एनआईबी कोड GUS2425A0045 एवं यूबीएन कोड GSU2425WSOB00053 है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in एवं स्टेट प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/12001 सम्पदा अधिकारी

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, झालावाड (राज0)

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक (मुख्यालय), गढ़ परिसर विलावरी गेट के पास, झालावाड

E-Mail: adpcsmsajhalawar@gmail.com

क्रमांक :- अजिपस /समसा/झाला/ पीएमश्री/2024-25/2972 दिनांक :- 19/02/2025

कार्यालय आदेश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्थानीय कार्यालय द्वारा जारी की गई निविदा सूचना संख्या –07/2025 दिनांक 13.02.2025 पीएम श्री विद्यालयों में मानव संसाधन की सेवाओं का सहयोगी स्टाफ के रुप में उपपान को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

राज.संवाद/सी/24/12016 अति. जिला परियोजना समन्वयक

OFFICE OF THE PRINCIPAL, RNT MEDICAL COLLEGE & CONTROLLER ASSOCIATED GROUP OF HOSPITALS, UDAIPUR (RAJ.)

No. RNT/Pur-I/F-16/(e-Tendering Proc)/2024-25/808 Dated-07.02.2025

Notice Inviting Bid No. 21/2024-25(e-Tender)

Bids for Medical Equipments are invited from interested bidders upto Date-24.02.2025 Time-10.30 AM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http:sppp.raj.nic.in) of the state. UBN- MCU2425GLOB00203, MCU2425GLOB00204, MCU2425GLOB00205, MCU2425GLOB00206, MCU2425GLOB00207, MCU2425GLOB00208, MCU2425GLOB00209, MCU2425GLOB00210, MCU2425GLOB00211, MCU2425GLOB00212, MCU2425GLOB00213, MCU2425GLOB00214, MCU2425GLOB00215, MCU2425GLOB00216, MCU2425GLOB00217, MCU2425GLOB00218, MCU2425GLOB00219

(Dr. Vipin Mathur)
DIPR/C/1992/2025 PRINCIPAL & CONTROLLER

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खंड राजसमन्द

Phone: 02952-223136 E-Mail: phedrajd@gmail.com

क्रमांक- अअ/राज/निविदा/2024-25/2222 दिनांक-11.02.2025

निविदा सूचना संख्या 65-69/2024-25

NIB NO. PHE2425A4466

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खंड के अधिन निम्नलिखित कार्यो के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों के निर्धारित प्रपत्र में खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धी विवरण www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है। निविदा निम्नानुसार निर्धारित दिनांक को इस कार्यालय द्वारा बेची जाकर दोपहर 02.30 बजे तक इस कार्यालय में प्राप्त कर निर्धारित दिनांक उपस्थित निविदादाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष 03.00 बजे खोली जावेगी। धरोहर राशि का ई-चालान 8443-00-108-00-00 हेड में जमा कर संलग्न करना होगा तथा DDO Code 11243 अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग खंड राजसमंद के नाम ई-चालान मद 0075-00-800-52-01 में निविदा शुल्क जमा कराकर निविदा प्रपत्र SPPP पोर्टल से प्राप्त किया जा सकता है उपरोक्त के अभाव में निविदा अमान्य होगी।

UBN NO. PHE2425WSRC09595, PHE2425WSRC09603, PHE2425WSRC09610, PHE2425WSRC09598, PHE2425WSRC09605

अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/2021/2025 जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खंड राजसमन्द

कार्यालय नगर परिषद चित्तौड़गढ

क्रमांक/भू.उ.प./2024-25/9228-30 दिनांक :- 18.02.2025

उजरदारी सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकों द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम 2010 के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत कर उनके नाम के आगे अंकित भूखण्ड का आवासीय प्रयोजनार्थ से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ भूउपयोग परिवर्तन चाहा गया है। इस बाबत् किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ती हो तों इस उजरदारी प्रकाशन के 15 दिवस में अपनी आपत्ती मय दस्तावेज एवं सबूत के अधोहस्ताक्षकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद कोई भी आपत्ती काबिले समायत नही होगी एवं भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

क्र. सं.	नाम आवेदक	भूखण्ड संख्या, साईज व स्थान	चाहा गया भू-उपयोग परिवर्तन
1	श्री राकेश शर्मा पिता श्री हनुमान प्रसाद शर्मा निवासी भीलवाडा	भूखण्ड संख्या NIL साईज 3425.51 स्थान निम्बाहेडा चित्तौड़गढ़ मार्ग, रेल्वे स्टेशन के पास, चित्तौडगढ	आवासीय प्रयोजनार्थ से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ
2	श्री राकेश शर्मा पिता श्री हनुमान प्रसाद शर्मा निवासी भीलवाडा	भूखण्ड संख्या NIL साईज 2615.99 स्थान निम्बाहेडा चित्तौड़गढ़ मार्ग, रेल्वे स्टेशन के पास, चित्तौडगढ	आवासीय प्रयोजनार्थ से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ
3	श्री राकेश शर्मा पिता श्री हनुमान प्रसाद शर्मा निवासी भीलवाडा	भूखण्ड संख्या NIL साईज 2606.50 स्थान निम्बाहेडा चित्तौड़गढ़ मार्ग, रेल्वे स्टेशन के पास, चित्तौडगढ	आवासीय प्रयोजनार्थ से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ

Raj.samwad/C/24/11990 आयुक्त

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक : T.W.S./2025-26/330 दिनांक : 18.02.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या /2025-26 ::

नगर निगम, अजमेर की ओर से अजमेर नगर निगम एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से ट्राम्बे शाखा पर संचालित वाहनों का रख-रखाव हेतु वार्षिक दर अनुबंध के लिए ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है जिसमें अनुमानित व्यय 18,50,000/- है जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी।

महत्वपूर्ण दिनांको का विवरण

विवरण	दिनांक/समय
ऑन लाईन निविदा फॉर्म प्रारम्भ होने की दिनांक व समय	21.02.2025 को प्रातः 11:00 बजे से
ऑन लाईन निविदा फॉर्म समाप्त होने की दिनांक व समय	03.03.2025 को सांय 06:00 बजे तक
ऑन लाईन तकनीकी निविदा खोलने की तारीख	04.03.2025 को प्रातः 11:00 बजे

Nib Code :- ANN2425A0196
UBN No. :- ANN2425SLOB00321

उपायुक्त
राज.संवाद/सी/24/12032 नगर निगम अजमेर

संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले बदमाशों पर होगी कार्रवाई

कोटा, (निसं)। गत दिनों 10 फरवरी को मधुबनी रेलवे स्टेशन पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा ट्रेन को नुकसाल पहुंचाने वालों पर कार्रवाई की जायेगी। बदमाशों ने ट्रेन संख्या 12561 स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस (जयनगर-नई दिल्ली) की एसी कोच की 73 कांच की खिड़कियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे स्टेशन पर अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। इस कृत्य के बाद, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), पूर्व मध्य रेलवे ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले अपराधियों की पहचान के लिए आरपीएफ की एक विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान, तकनीकी साक्ष्यों और विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर एक नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया और खेद व्यक्त किया। अन्य दोषियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शादी समारोह दौरान दुल्हन के भाई के बैग से डेढ़ लाख रूपए पार

दुल्हन के भाई ने मामला कराया दर्ज

नदबई (निस)। थाना क्षेत्र के एक निजी मैरिज होम में शादी समारोह के दौरान दुल्हन के भाई के बैग से 1 लाख 50 हजार रुपये चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित अजवेन्द्र सिंह पुत्र शिब्बोराम जाटव निवासी हरनेरा ने गुरुवार को नदबई थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार की रात को उसकी बहन की शादी थी, जिसके आयोजन में पूरा परिवार व्यस्त था।

बारात के स्वागत की तैयारियों के बीच पीड़ित अपने हाथ में एक छोटा बैग लेकर घूम रहा था, जिसमें 1.50 लाख रुपये नगद रखे हुए थे।

सूट-बूट पहने दो संदिग्धों ने दिया वारदात को अंजाम : पीड़ित के मुताबिक, जब बारात दरवाजे पर पहुंची, तो वह अपने परिवार के साथ स्वागत के लिए आगे बढ़ा।

इसी दौरान उसने देखा कि दरवाजे पर सूट-बूट पहने दो अज्ञात व्यक्ति खड़े थे। जैसे ही वह आगे बढ़ा, उनमें से एक व्यक्ति ने उसे हल्का सा धक्का दिया, जिससे वह संतुलन खो बैठा।

इस दौरान किसी ने उसके हाथ में टंगे बैग की चेन खोलकर उसमें रखे 1.50 लाख रुपये निकाल लिए घटना के तुरंत बाद जब पीड़ित को बैग से पैसे गायब होने का अहसास हुआ, तो उसने वहां मौजूद लोगों की मदद से इधर-उधर तलाश की, लेकिन संदिग्धों का कोई सुराग नहीं लगा। शादी की भीड़ और व्यस्तता का फायदा उठाकर चोर आसानी से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोशन हत्याकांड में शामिल कातिलों को गिरफ्तार करने की मांग

मदनगंज-किशनगढ, (निस)। बोराडा थाना अन्तर्गत गांव पांडरवाडा के पास झाड़ियों में अज्ञात बदमाशो द्वारा एक युवती का गला रेतकर नृशंस हत्या किये जाने की वारदात को लेकर आक्रोशित परिजनों सहित ग्रामीणों ने

- वार्ता में 24 घंटे बाद बिटिया रोशन के शव की सुपुर्दगी लेने पर बनी सहमति
- कातिल 20 वर्षीय युवती का गला रेतकर फरार हुए

युवती की हत्या के बाद ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक शव की सुपुर्दगी लेने साफ इंकार कर दिया, बाद में सहमति बनने पर शव लेने पर राजी हुए परिजन व ग्रामीण।

शव की सुपुर्दगी लेने साफ इंकार कर दिया। विधायक डॉ. विकास चौधरी ने रोशन बैरवा हत्याकांड को लेकर कहा की बैरवा समाज की बिटिया रोशन का गला रेतकर हत्या कर दी गई। गुनाहगारों को गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाये। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने वारदात के दिन बोराडा थाना में समझाईस कर ग्रामीणों को उचित कार्यवाही के लिये आश्वस्त किया था, किंतु अपराधियों के गिरफ्तार नहीं होने पर दूसरे दिन गुरुवार को सुबह सैकड़ों लोग शव के साथ राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल किशनगढ़ में एकत्रित हो गये और कातिलों को गिरफ्तार करने के साथ 50 लाख रूपये बतौर मुआवजा दिलाने की मांग पर अड़ गये। कई दौर की वार्ता हुई, पर सार्थक परिणाम सामने नहीं आ सके। राजकीय अस्पताल किशनगढ में मौजूद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (आईपीएस) अभिषेक, अंराई उपखण्ड अधिकारी दीप शिखा, किशनगढ उपखण्ड अधिकारी निशा सहारण, पूर्व विधायक सुरेश टाक, ब्लॉक अध्यक्ष मोहित खंडेलवाल, कानाराम चोटिया की मौजूदगी में प्रशासन द्वारा जल्द से जल्द कातिलों को गिरफ्तार करने के अलावा अन्य उचित मांगो के संदर्भ में कार्यवाही करने के लिये आश्वस्त किये जाने पर वारदात के करीब 24 घंटे बाद शव की सुपुर्दगी लेने पर सहमति बन पाई। दरअसल दो दिन पहले बुधवार को गांव पांडरवाड़ा निवासी रोशन बैरवा (20) पुत्री छोटूलाल बैरवा घर से खेत की रखवाली के लिये रवाना हुई थी। लांबा हरिसिंह मार्ग पर खेत के पास अज्ञात कातिल बिटिया रोशन का गला रेतकर फरार हो गया। सांय करीब 5 बजे झाडियों में रक्तरंजित शव पड़ा हुआ नजर आने पर तत्काल बोराडा थाना पुलिस को संगीन वारदात के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

200 किलोमीटर जाकर लिया नेत्रदान

कोटा, (निसं)। संभाग स्तर पर नैत्रदान-अंगदान-देहदान के लिये विगत 11 वर्षों से कार्य कर रही संस्था शाईन इंडिया फाउंडेशन और बीबीजे चैप्टर के सहयोग से पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले कस्बा चौमेला से पांचवा नेत्रदान प्राप्त किया। संस्था के रामगंजमंडी शाखा के ज्योति-मित्र संजय विजावत ने बताया कि, उनके मौसाजी चौमेला निवासी केसरीमल जैन का आकस्मिक निधन हुआ हैं। बेटे कमल ने 2 वर्ष पूर्व अपनी मां धापू बाई के नेत्रदान की तरह अपने पिता के नेत्रदान की इच्छा जताई हैं। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में चौमेला के आसपास के क्षेत्र में एक भी आई बैंक न होने के कारण जब भी कोई परिवार अपने दिवंगत के नेत्रदान करवाने के लिये शाईन इंडिया फाउंडेशन को संपर्क करता हैं, तो कोटा से ही टीम जाकर नेत्रदान संपन्न करवाती हैं। संजय की सूचना पर कोटा से डॉ.कुलवंत गौड़, सहयोगी धीरज शर्मा के साथ नेत्र संकलन वाहिनी ज्योति रथ लेकर 200 किलोमीटर दूर समीप के राज्य मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के चौमेला कस्बे के लिए रवाना हुऐं।

जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने एक ही दिन में सुनीं 138 परिवेदनाएं

संबंधित अधिकारियों को परिवेदनाओं के समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के दिये निर्देश

जयपुर। किसी की रुकी हुई पेंशन शुरू हो गई, तो किसी को नि:शुल्क इलाज के रूप में मिली संजीवनी, किसी के बेहतर भविष्य के सपने को मिला छात्रवृत्ति का संबल तो किसी को मिला पालनहार योजना का सहारा। कुछ ऐसा ही नजारा था गुरुवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार का।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना एवं जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए गुरुवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन हुआ। जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा की मौजूदगी में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने राजस्व प्रकरणों से जुड़े 54 परिवादों सहित 138 फरियादियों के परिवाद सुने, जिनमें से कई प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। अन्य प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए कलक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिएजिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन हुआ।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन के अभाव अभियोगों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर संवेदनशील हैं। माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल ने पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन को नियमित जनसुनवाई के निर्देश दिये हैं।

जनसुनवाई में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मूंड सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

विद्युत निगमों में तकनीशियन के आवेदन आज से

जयपुर। राज्य के 2 विद्युत निगमों में तकनीशियन-(आईटीआई)/ऑपरेटर-(आईटीआई)/प्लान्ट अटेन्डेन्ट-(आईटीआई) के 216 पदों के लिए योग्य अभ्यर्थी ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से 21 फरवरी से 20 मार्च तक आवेदन कर सकते है। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के 150 और जयपुर विद्युत वितरण निगम के 66 पदों पर सीधी भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 फरवरी से प्रारम्भ करते हुए लिंक सक्रिय कर दिये जायेंगें।

प्रथम चरण में राज्य के पांचों विद्युत निगमों में अभियन्ता संवर्ग के 271 पदों पर सीधी भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 30 जनवरी से प्रारम्भ की गई थी, जिसकी अंतिम तिथि 20 फरवरी है। इसमें कनिष्ठ अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल) के 228, कनिष्ठ अभियन्ता (मैकेनिकल) के 25, कनिष्ठ अभियन्ता (सी एण्ड आई/कम्युनिकेशन) के 11, कनिष्ठ अभियन्ता (फायर एण्ड सेफ्टी) के 2 एवं कनिष्ठ रसायनज्ञ के 5 पद शामिल है। निगम ने यह स्पष्ट किया है कि ऑनलाईन आवेदन भरने की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है और आवेदन करने की अंतिम तिथि को आगे नहीं बढ़ाया जावेगा।

बजट पर 5 दिन होगी बहस, 27 को दिया कुमारी देगी जवाब

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में बुधवार को पेश किए गए सरकार के बजट पर गुरुवार को विधानसभा में शून्य काल के बाद सत्ता और प्रतिपक्ष की वाद विवाद बहस शुरू हो गई है। राजस्थान विधानसभा में 5 दिन तक करीब 20 घंटे बजट को लेकर वाद विवाद होगा। जिसमें सत्ता और प्रतिपक्ष के विधायक अपनी बात रखेंगे। इसके बाद बजट पारित होने से पहले वित्त मंत्री दिया कुमारी बजट बहस अपना रिप्लाई देगी।

अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजनीतिक दलों को बहस के लिए समय का बंटवारा किया। बजट बहस में भाजपा को 11 घंटे 54 मिनट, कांग्रेस को 6 घंटे 36 मिनट, भारत आदिवासी पार्टी को 24 मिनट, बसपा को 12 मिनट, निर्दलीय विधायकों को 48 मिनट और राष्ट्रीय लोकदल को 6 मिनट का समय दिया गया है।

किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त उन्नत बीज उपलब्ध कराना ही बीज निगम का प्रमुख उद्देश्य : राजन विशाल

जयपुर। राजस्थाान राज्य बीज निगम के अध्यक्ष एवं शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने कहा कि प्रदेश में अच्छी पैदावार के लिए उच्च गुणवत्ता एवं उन्नत किस्म का बीज जरूरी है। निगम इसके लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, जिससे फसलों की उपज के साथ-साथ किसानों की आय में भी वृद्धि हो रही है।

विशाल ने बताया कि राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक मण्डल द्वारा निगम की इक्विटी शेयर पूंजी पर वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 10 प्रतिशत से घोषित लाभांश का 63 लाख 30 हजार रूपये राज्य सरकार को दिये जा रहे हैं। इसके अलावा निगम द्वारा राज्य सरकार को 2022-23 तक के लाभांश में से लगभग 12 करोड़ 66 लाख रूपये का भुगतान किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि राजस्थाान स्टेट सीड्स कॉरपोरेशन ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 23405.01 लाख रूपये का सकल कारोबार किया है तथा टैक्स कटौती के बाद निगम को 1606.49 लाख रूपये का लाभ हुआ है।

वर्तमान में निगम की अंश पूंजी में राज्य सरकार का हिस्सा 6 करोड़ 33 लाख रूपये है। वर्तमान में निगम की 22 इकाईयां व 5 विस्तार केन्द्र है, जिनकी कुल विधायन क्षमता 12 लाख 584 क्विंटल प्रतिवर्ष एवं कुल भण्ड़ारण क्षमता 10 लाख 21 हजार क्विंटल है। बीजों के उत्पादन एवं विपणन को बढ़ावा देने हेतु सुल्तानपुर एवं गुढ़ामालानी में बीज विधायन संयंत्र स्थापित किये गये हैं।

महाकुंभ में एकजुटता की भावना जोड़ रहा नेस्ले इंडिया

मुंबई। नेस्ले इंडिया आकर्षक ऑन-ग्राउंड गतिविधियों के माध्यम से महाकुंभ 2025 में गर्मजोशी, आराम और समुदाय की भावना जोड़ रहा है। मैगी और किटकैट जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ, कंपनी का लक्ष्य दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के बीच एकजुटता, आराम और आनंद के क्षण प्रदान करते हुए आगंतुकों के अनुभव को और अधिक खास बनाना है।

इन गतिविधियों के केंद्र में है मैगी का "2 मिनट अपनों के लिए" अभियान, जो लोगों को एक साथ लाने में मैगी की भूमिका को उजागर कर रहा है। मैगी ने स्पेशल ज़ोन बनाए हैं, जहाँ आगंतुक गरमागरम मैगी का आनंद उठा सकते हैं और अपने "मैगी पलों" को कैद कर सकते हैं। इन जोन में अलाव के लिए निर्धारित जगह होंगे, ताकि ठंडी सुबह और शाम के दौरान आगंतुकों को आराम मिल सके।

देर रात रेस्ट्रोबार खुलने पर कार्यवाही कर 9 जने गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा शहर में संचालित क्लब/रेस्ट्रोबार/पब आदि को नियत समय पर बन्द करने के आदेश जारी किये हुये हैं। आदेशों की पालना में आई.पी.एस. अमित कुमार के निर्देशन में देर रात को आम्रपाली मार्ग पर ओसिटो रेस्ट्रोबार देर रात्रि खुलने व कुछ लोगो द्वारा हा हुल्लड करने व देर रात पार्टी व शोर शराबा करने की सूचना पर पुलिस थाना वैशाली नगर जयपुर द्वारा 9 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था।

- रेस्ट्रोबार संचालक के विरूद्ध कार्यवाही जिसमें 1 वर्ष के कारावास का प्रावधान
- रेस्ट्रो बार के लाईसेन्स को निरस्त करने के लिये आबकारी विभाग को अनुशंसा

पुलिस आयुक्त जयपुर के आदेशो की अवज्ञा करने पर ओसिटो रेस्ट्रोबार के संचालक के विरूद्ध विधिक कार्यवाही हेतु इस्तगासा अन्तर्गत तैयार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। ओसिटो रेस्ट्रोबार के संचालक द्वारा रेस्टो बार संचालन हेतु आबकारी विभाग के नियम व शर्तों का उल्लंघन किय गया है।

गलताजी में विकसित हो रहीं अत्याधुनिक सुविधाएं

सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगवाए जा रहे सीसीटीवी कैमरे

जयपुर। जिला प्रशासन द्वारा मंदिर ठिकाना गलताजी के विकास लिए अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। गलता मंदिर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं चुस्त-दुरुस्त करने के लिये जिला प्रशासन ने गलता मंदिर परिसर एवं घाट के बालाजी पर 15 नाइट वीजन तकनीक से लैस सीसीटीवी कैमरे लगवाए जा रहे हैं।

कैमरों के द्वारा अब जिला प्रशासन द्वारा वहां होने वाली सम्पूर्ण गतिविधियों पर अपनी नजर रख सकेगा। नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार जयपुर ने बताया कि गलता तीर्थ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिये तथा मंदिर की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं की निगरानी के लिये पूरे परिसर एवं घाट के बालाजी मंदिर को सीसीटीवी से युक्त किया जा रहा है। कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाकर पूरे परिसर की निगरानी सुनिश्चित की जायेगी।

पहले दिन जाने मांड गायकी के गुर

जयपुर। जवाहर कला केंद्र की ओर से आयोजित मांड गायन कार्यशाला का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को राजस्थान की पारंपरिक लोक संगीत विधा मांड गायकी की बारीकियां सिखाई जा रही है। यह 15 दिवसीय मांड गायन कार्यशाला 6 मार्च तक पारिजात-2 दीर्घा में सायं 3 बजे से 5 बजे तक जारी रहेगी साथ ही कार्यशाला के आखिरी दिन पर सभी प्रतिभागी मांड गायन की प्रस्तुति देंगे।

कार्यशाला के पहले दिन पद्मश्री अलंकृत उस्ताद डॉ. अली मोहम्मद और उस्ताद डॉ. गनी मोहम्मद ने प्रतिभागियों को मांड गायकी के महत्व और इसकी विशिष्टताओं से अवगत कराया। उन्होंने प्रत्येक प्रतिभागी को सुनते हुए गायकी के मूल तत्वों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला की शुरुआत मांड गीतों के कुछ अंशों से की गई, जिससे प्रतिभागियों को इसकी मूल भावना और स्वर संरचना को समझने का अवसर मिला।

जवाहर कला केंद्र की ओर से आयोजित मांड गायन कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

इस कार्यशाला में 30 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिन्हें उस्तादों के सानिध्य में राजस्थान की इस अमूल्य संगीत धरोहर को सीखने का अवसर मिल रहा है। जाहिर है जेकेके का मुख्य उद्देश्य राजस्थानी कला को बढ़ावा देना है, और इसी के तहत यह आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जवाहर कला केंद्र की अतिरिक्त महानिदेशक अलका मीणा और वरिष्ठ लेखाधिकारी बिंदु भाभोरिया, अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

संगरिया पुलिस का कारनामा इसकी टोपी, उसके सर!

पुलिस ने डोडा चूरा पोस्त रामू बावरी का मानते हुए उसके घर पर दबिश देकर करीब 30 लाख 30 हजार रुपए नकदी, तीन कारें जब्त की : महावीर प्रसाद

जयपुर। आमतौर पर देखा गया है कि पुलिस मुख्य व प्रभावशाली अपराधी को बचाने के लिए मामले को कुछ नया ही रूप दे देती है। ऐसा ही मामला प्रदेश के हनुमानगढ़ जिले के संगरिया पुलिस थाने का सामने आया है।

इस संबंध में पिंकसिटी प्रेस क्लब, जयपुर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में महावीर प्रसाद मेघवाल ने फफकते हुए मीडिया को बताया कि 27 मार्च-2024 को संगरिया पुलिस के थानाधिकारी धर्मपाल सिंह व डीएसटी टीम, हनुमानगढ़ ने सीओ करण सिंह बराड़ के नेतृत्व में गांव हरिपुरा की ढाणी 3 डीएनजी रोही में तड़के करीब साढे चार बजे हरचंद सिंह व इंद्रजीत सिंह की ढाणियों में छापा मारकर 6 क्विंटल 30 किलो डोडा चूरा पोस्त बरामद किया। इसके बाद पुलिस ने जांच में उक्त डोडा चूरा पोस्त रामू बावरी का मानते हुए उसके घर पर दबिश देकर करीब 30 लाख 30 हजार रुपए नकदी, तीन कारें जब्त की। इनमें से एक कार चोरी की होना संदेह था। पुलिस ने आरोपी रामू बावरी को घटनास्थल से फरार होना बताकर उससे सांठगांठ करके अब डोरा चूरा पोस्त की बरामदगी किसी अन्य स्थान से होना बताकर अदम एफआर लगा रही है।

- 'पुलिस ने आरोपी रामू बावरी से सांठगांठ करके अब डोरा चूरा पोस्त की बरामदगी किसी अन्य स्थान से होना बताकर अदम एफआर लगा रही है'

पिंकसिटी प्रेस क्लब, जयपुर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में महावीर प्रसाद मेघवाल ने पत्रकारों को अपनी व्यथा सुनाई।

आरोप है कि पुलिस महावीर प्रसाद को एनडीपीएस के मामले में फंसाने के लिए मुख्य स्थान की बजाय करीब छह किलोमीटर दूर चक 4 एचआरपी में उसके खेत में से पोस्त बरामदगी दिखा रही है। इस संबंध में पीड़ित ने ऑल इंडिया एससी/एसटी/ओबीसी एंड माइन्योरटी ब्रदरहुड कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसविंद्र सिंह धालीवाल, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष रामेश्वर चावरिया, ऑल इंडिया मजहबी सिक्ख वैलफेयर सोसाइटी राजनैतिक विंग राजस्थान के महासचिव मंदीप सिंह नाहर के साथ पुलिस महानिदेशक यूआर साहू, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से मुलाकात मामले की उच्चस्तरीय जांच करवाकर न्याय दिलाने का आग्रह किया है।

शिकायत कर्ता को अपनी शिकायत वापस लेना पड़ा भारी

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय को करने वाले शिकायतकर्ता द्वारा अपनी शिकायत वापस ले लेने पर शिकायत कर्ता के ही खिलाफ राज कार्य में बाधा डालने की रिपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज कराने और पूरे मामले की जांच करने के निर्देश दिए है।

- मंत्री ने शिकायत कर्ता के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए

प्रकरण में प्राप्त जानकारी के अनुसार उप सचिव (एस एल),मुख्यमंत्री,मुख्यमंत्री कार्यालय राजस्थान सरकार को 17 फरवरी 2024 को रामलाल माली (वार्ड पंच नंबर 2) पुत्र भूराराम माली निवासी ग्राम खडात, तहसील आबू रोड, जिला सिरोही ने ग्राम पंचायत खडात के वर्तमान सरपंच एवं ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ शिकायत की थी कि उक्त दोनों द्वारा अपने पद का दुरुपयोग कर सरकारी राशि का दुरुपयोग कर सरकारी राजकोष को हानि पहुंचाई है। जिसकी जांच की जाए।

इस क्रम में उक्त शिकायत की जांच हेतु संभागीय आयुक्त पाली को पत्र लिखा गया। जिस पर संभागीय आयुक्त ने जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपी है जिसमें कहा गया है कि अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने 21 मई 2024 को जांच हेतु मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला सिरोही को निर्देशित किया।जिसके बाद शिकायतकर्ता रामलाल पुत्र भूराराम माली द्वारा 50 रूपये के नॉन ज्यूडिशियल पेपर (नोटरी पब्लिक सत्यापित) है, द्वारा शिकायत को वापस लिए जाकर प्रकरण में कोई जांच नहीं करवाने बाबत शपथ पत्र मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद,सिरोही को प्रस्तुत किया। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त पाली की रिपोर्ट पर संभागीय आयुक्त पाली ने चूंकि उक्त प्रकरण में शिकायतकर्ता रामलाल माली ने शपथ पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण में कोई जांच नहीं करवाने एवं उक्त शिकायत को वापस लेने बाबत शपथ पत्र जांच कमेटी को प्रस्तुत किया है।अत: संभाग की आयुक्त पाली ने भी उक्त प्रकरण में कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है बाबत रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी।इस आधार पर संभागीय आयुक्त पाली से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर सरपंच एवं ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत खडात, पंचायत समिति आबू रोड,जिला सिरोही के विरुद्ध विचाराधीन जांच प्रकरण को समाप्त कर पत्रावली दाखिले दफ्तर करने की कार्रवाई को प्रस्तावित करते हुए मंत्रालय ने पत्रावली मंत्री मदन दिलावर की समक्ष प्रस्तुत की।

पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने मामले को संदेहास्पद मानते हुए पूरी जांच करने तथा शिकायतकर्ता के खिलाफ राज कार्य में बाधा डालने की रिपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

सार-समाचार

भजनलाल सरकार का यह ग्रीन थीम बजट था : रोहित जैन

जयपुर। रोहित कुमार जैन ने कहा कि राजस्थान की वित्त मंत्री दिया कुमारी ने भजनलाल सरकार का दूसरा पूर्ण बजट पेश किया। इस बजट में वित्त मंत्री ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की घोषणा की। भजनलाल सरकार का यह बजट "ग्रीन थीम बजट" था, जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रामीण विकास एवं आधारभूत संरचना विकास पर फोकस था। उन्होंने कहा कि इस बजट में वित्त मंत्री के द्वारा समाज के सभी वर्गों का समुचित ध्यान रखा गया। इस बजट में महिलाओं, किसानों, भूमिहीन श्रमिकों, युवाओं एवं बुजुर्गों के लिए कई बड़ी घोषणाएं की गई। इस बजट में राजस्थान सरकार ने भांकरोटा अग्निकांड से सबक लेते हुए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं दुर्घटना के बाद पर्याप्त व्यवस्था के लिए जयपुर-देहली, जयपुर-कोटा, जयपुर-आगरा हाइवे पर जीरो एक्सीडेंट जोन, नेशनल हाइवेज पर 50 ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधार, 20 ट्रॉमा सेंटर का सुदृढ़ीकरण एवं 25 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की घोषणा करके राजस्थान में रोड दुर्घटनाओं और इनमें होने वाली मृत्युओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाई है।

आयुष व होम्योपैथी के लिए बजट में कुछ भी नहीं : राजीव सक्सैना

जयपुर। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर, जयपुर के वरिष्ठ होम्योपैथ व आचार्य प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने वर्तमान सरकार के दूसरे राज्य बजट के बारे में कहा व विचार साझा किए, की वृद्धों के लिए मुफ्त हवाई यात्रा, नारी सशक्तिकरण के लिए, किसानों, आमजन, युवाओं, विधार्थीयों के लिए हर बार की तरह नयी घोषणाएं? पिछली बार की तरह इस बार भी नयी नोकरीयां देने के लिए कहा है, संभवत: पूरी हो पायेंगी क्या? अच्छी बात है कि विधवाओं व वृद्ध, जरूरतमंदों की पेंशन मे बढोत्तरी की। तथापि दवाईयां सस्ती की व वरिष्ठ नागरिकों को घर पहुंचाने की कोशिश का स्वागत है मगर हर बार की तरह ना केंद्रीय व ना ही राज्य के बजट में इस बार भी होम्योपैथिक व आयुष चिकित्सकों की नयी भर्ती व नयी डिस्पेंसरीयां खोलना व बजट का कोई प्रावधान व एलान नहीं किया व निराश किया।

समृद्ध राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने वाला बजट : आमेरा

जयपुर। ऑल राजस्थान कोआपरेटिव बैंक एम्प्लाईज यूनियन व ऑफ़िसर्स एसोसिएशन के महासचिव, सहकारी साख समितिया एम्प्लाईज यूनियन के अध्यक्ष राज्य के सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने प्रदेश के मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा, उप-मुख्यमंत्री वित्त मंत्री दिया कुमारी व सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक को राज्य की कृषि, किसान, सहकारिता, स्वास्थ्य, पर्यटन, युवा कल्याण, आधार भूँत ढाँचे, परिवहन, उद्योग सहित सभी क्षेत्रों के विकास व कर्मचारी कल्याण के विकास की घोषणाओं के बजट का स्वागत करते हुए बधाई दी है। बजट समृद्ध राजस्थान की परिकल्पना को साकार बनाने वाला विकासनमुखी का बजट है।

जन आंकाक्षाओं के अनुरूप है राजस्थान का बजट : दिलावर

जयपुर। संस्कृत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राजस्थान बजट 2025-26 को जन आकांक्षाओं के अनुरूप बताते हुए कहा कि यह बजट संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और नवाचार को बढ़ावा देने वाला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा प्रस्तुत बजट की सराहना करते हुए कहा कि इसमें संस्कृत शिक्षा के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास होंगा लम्बे समय चली आ रही संस्कृत शिक्षा के सभी प्रवेशिका विद्यालय को सामान्य शिक्षा की तरह वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में क्रमोन्नत किया गया है। इससे संस्कृत शिक्षा के छात्रों को अब उच्च अध्ययन के लिये शिक्षा उन्हें वही मिल सकेगी संस्कृत शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। संस्कृत शिक्षा मंत्री ने बजट को संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में जनहितकारी और शिक्षा में विकास के नए द्वार खोलने वाला बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि सभी को सहज शिक्षा उपलब्ध हो सके। यह बजट इसी अवधारणा को मजबूती प्रदान करता है। राज्य सरकार प्रदेश में संस्कृत शिक्षा क्षेत्र की मजबूती के लिए लगातार कार्य कर रही है, जिसका प्रतिबिंब इस बजट में दिखने को मिला है संस्कृत शिक्षा की मजबूती के लिए इस बजट में किए प्रावधानों से भविष्य में सकारात्मक प्रभाव दिखाई देंगे।

प्रदेश में मजबूत होंगी हवाई सेवाएं, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : दक

जयपुर। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य बजट 2025-26 में की गई घोषणाओं से प्रदेश का नागरिक उड्डयन क्षेत्र मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं के मूर्त रूप लेने से राज्य में हवाई सेवाओं की मजबूती के साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। दक ने कहा कि बजट में केन्द्र सरकार की उड़ान योजना के तहत महत्वपूर्ण स्थानों को हवाई सेवा से जोड़ा जाना प्रस्तावित किया गया है। इससे प्रदेश के गंतव्य स्थलों तक सैलानियों की आसान पहुंच होगी, जिससे अधिक संख्या में पर्यटक राज्य का रुख करेंगे। इसी प्रकार, कोटा एयरपोर्ट के निकट एयरो सिटी बनाने, प्रतापगढ़, झालावाड़ एवं झुंझुनूं में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन तथा माउंट आबू में एयरो स्पोर्ट्स एक्टिविटीज शुरू किए जाने का लाभ भी आगामी समय में प्रदेश को मिलेगा। नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि बजट में हमीरगढ़-भीलवाड़ा, झुंझुनूं, तलवाड़ा-बांसवाड़ा, परिहारा-चूरू, कुम्हेर-डीग, प्रतापगढ़, नून-जालोर, फलोदी, सिरोही, चकचैनपुरा-सवाई माधोपुर, कोलाना-झालावाड़, तारपुरा-सीकर और विश्नोदा-धौलपुर सहित 29 हवाई पट्टियों की मरम्मत, रखरखाव एवं उन्नयन कर चरणबद्ध रूप से बड़े हवाई जहाज उतरने के योग्य बनाये जाने की घोषणा की गई है। इससे प्रदेश में आमजन को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध हो पाएगी।

ग्रीन थीम बजट राजस्थान के लिये विकासोन्मुखी : गोतोड़

जयपुर। भाजपा नेता मनोज सिंह गोतोड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने राज्य बजट में "ग्रीन बजट" पेश करके राजस्थान को विकास के पथ पर अग्रसर किया है। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने बजट में महिला, युवा, किसान, बुजुर्गों सहित आमजन के हित में लिये गये जनहित के निर्णय रखें। राइजिंग राजस्थान की सफलता के बाद यह पहला ग्रीन थीम बजट है, जो रिन्यूएबल एनर्जी, रूरल डेवलपमेंट और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर केंद्रित है।राजस्थान में 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनाना, 2 लाख घरों को पेयजल कनेक्शन देना, 1 साल में 1.25 लाख से ज्यादा सरकारी व प्राइवेट भर्तियां निकालना, ट्रैफिक कम करने के लिए 15 शहरों में रिंग रोड बनाना, हर महीने 150 यूनिट बिजली फ्री देना, 1000 नई बसें खरीदना, सड़क ठीक कराने के लिए हर विधानसभा को 10 करोड़ रुपये देना, मां कोष गठित करके दूसरे राज्यों में फ्री इलाज देना, गरीबों को आंखों की जांच के बाद फ्री चश्मा देने का कदम सराहनीय है।

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद 25 फरवरी का आंदोलन स्थगित

जयपुर। मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से बुधवार को नरेश मीणा के पिता कल्याण सिंह मीणा व माता प्रेम बाई और प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। इस मुलाकात में टोंक के देवली-उनियारा के समरावता गांव में हुए घटनाक्रम के बारे में प्रतिनिधि मण्डल ने मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद नरेश मीणा के पिता कल्याण सिंह मीणा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुलाकात सकारात्मक रही और उनकी पूरी बात सुनी गई। समरावता प्रकरण को लेकर आगामी 25 फरवरी को विधानसभा के बाहर किया जाने वाला आंदोलन स्थगित किया है।

ARBiT
it happens here...

International Mother Language Day

It's hard to imagine the challenges faced by students who have been ordered to learn in a foreign language, as without linguistic inclusion, there is no equal access to education. Current International Mother Language Day events include multicultural festivals, which promote hearing of all voices, and display social cohesion, cultural awareness, and tolerance. The unique nuances and subtleties of linguistic communication, which connect individuals to culture and personal identity, are valued and encouraged.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
21 February 2025
A-B

#HEALTH

Could dancing 20 minutes daily in your kitchen be enough to meet fitness goals?

WHO recommends adults should do 150-300 minutes of moderate or 75-150 minutes of vigorous activity per week. Many relate this to jogging, going to the gym, swimming, or other physical activity. But the study found dancing is just as effective.

Do you struggle with going to the gym religiously? Are you looking for an easier way to hit your weekly fitness goals? Well, you could reach your exercise goals by just dancing. According to a new study conducted by scientists from Northeastern University in Boston, Massachusetts, dancing in your kitchen for 20 minutes every morning could be enough to make you fit.

Dancing as effective as other exercise forms

As per current guidelines suggested by NHS (National Health Service), adults should complete 150 minutes of moderate to vigorous-intensity exercise per week. Meanwhile, WHO recommends that adults should do 150-300 minutes of moderate or 75-150 minutes of vigorous activity per week. Many relate this to jogging, going to the gym, swimming, or other physical activity. But the study found dancing is just as effective.

The study

The researchers recruited 48 participants aged 18 to 83 years. They investigated how much time you would need to spend casually dancing to constitute 'moderate' exercise. Their experience ranged from none to 56 years of dance training. They were asked to participate in five-minute bursts of dancing, with and without music.

The participants' oxygen intake and heart rate were measured by the scientists to determine the intensity of the exercise during the sessions. The data showed that all participants reached at least a moderate physical activity level while dancing.

As per the study author, Dr. Aston McCullough, from Northeastern, "The main idea was to understand whether the intensity that people would receive from dancing freely on their own be enough to be a health-enhancing physical activity. And the answer was 'yes.' All adults were able to reach a health-enhancing level of activity without being told what intensity to dance at." He told the American Association for the Advancement of Science (AAAS) conference, "They just put on their own music and danced around, and even when they didn't have music on, they were still reaching that level. The main idea for us is that dance is a really accessible form of physical activity that people can do, even in their homes." "Most people think of dance as something that is light and really easy, but really if you just tell someone to 'have a dance,' they're going to get to that level of intensity that you would ask them to do, if you were a personal trainer," Dr. McCullough concluded.

Why is everyone talking of Hydrogen?

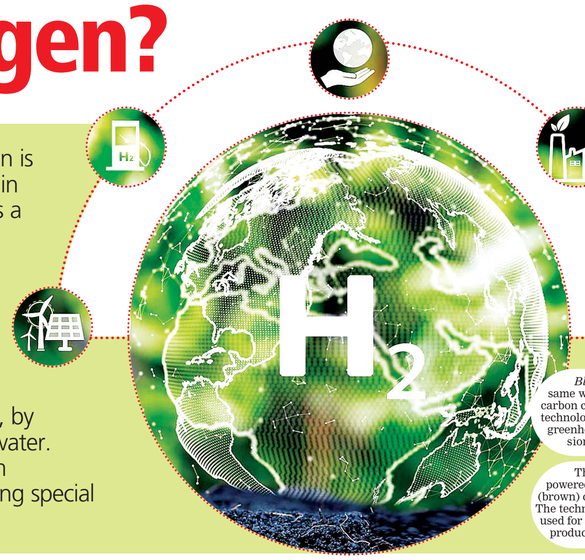

The other big advantage of Hydrogen is that, unlike fossil fuels, it is available in plenty, all across the world, since it is a component of water and can be extracted from ocean water. This extraction is fairly straightforward and has been known for quite some time. It is called Electrolysis and basically consists of splitting the water molecule into its components, Hydrogen and Oxygen, by passing an electric current through water. Hydrogen can also be extracted from hydrocarbons such as fossil fuels, using special chemical and physical processes.

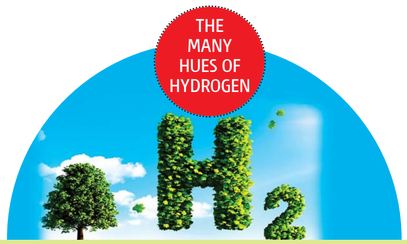

In our schools' science class, we had been taught that Hydrogen is a colourless and odourless gas. Then, what is all this Green Hydrogen about? The classification of Hydrogen by colour refers to the process by which it is produced, the raw material used and the Carbon footprint of the process. The following are the most common Hydrogen colors and what they refer to.

This simply refers to naturally occurring H2. **White**

This is a form of H2 produced through water electrolysis, powered by renewable energy such as wind or solar. No greenhouse gas emissions are produced when making *green hydrogen*. **Green**

Grey hydrogen is made using virtually any fossil fuel except coal (see brown/black below). It uses Steam Methane Reforming (SMR) and can produce a substantial amount of carbon dioxide and other greenhouse gases. **Grey**

Blue hydrogen is made in the same way as grey, only it uses carbon capture and storage technology to take most of the greenhouse gas from the emissions and store it underground. **Blue**

This hydrogen color refers to thermal splitting of methane using methane pyrolysis. This method removes carbon in the form of a solid, instead of a gas, and remains an experimental method of H2 production. **Turquoise**

This H2 is made using methods powered by bituminous (black) or lignite (brown) coal. The technique used for H2 production is called coal gasification. **Black or Brown**

N.N. Sachitanand
Senior Journalist

The winds of climate change triggered by the combustion of fossil fuels have brought in their wake a slew of investments in alternate sources of energy across the world in the last five decades. Wind, solar, nuclear, subterranean heat, ocean waves and the good old hydro have all received attention and capital. On the horizon is nuclear fusion, though, that is still a faraway goal.

However, during the last decade, one source of alternate energy, that has garnered investment attention of both governments and private enterprise, is Hydrogen, the primordial element from which all other matter has subsequently arisen.

Why *Hydrogen*, one might ask? Because, it has a much higher energy to weight ratio as compared to fossil fuels. When combusted to generate energy, the waste product is non-polluting water. Fossil fuels, on the other hand, are mainly made up of Hydrogen and Carbon, and when combusted, generate oxides of Carbon as waste, which pollute the atmosphere and end up causing climate change.

The other big advantage of Hydrogen is that, unlike fossil fuels, it is available in plenty, all across the world, since it is a component of water and can be extracted from ocean water. This extraction is fairly straightforward and has been known for quite some time.

It is called Electrolysis and basically consists of splitting the water molecule into its components, Hydrogen and Oxygen, by passing an electric current through water. Hydrogen can also be extracted from hydrocarbons such as fossil fuels, using special chemical and physical processes.

Currently, of the world Hydrogen production capacity of 97 million tonnes per annum (MTPA), hardly 1% is Green Hydrogen. However, both China and the EU nations are ramping up Green Hydrogen capacity and the International Energy Agency expects that by 2030, production capacity of Green Hydrogen will reach 49 MTPA. India has a modest target of reaching 5 MTPA by 2030. Unfortunately, against the advantages of Hydrogen as an energy source, there are a number of problematic issues as to its commercial deployment. First of all, the extraction processes themselves are energy intensive, rendering the extracted Hydrogen expensive. For example, Hydrogen from electrolysis can cost anywhere from 6 to 17 times that of gasoline on an energy equivalent basis.

One of the reasons why fossil fuels are preferred for transport applications is their high energy density (heating value per unit volume) at room temperature and pressure. Hydrogen, on the other hand, has the lowest energy density of any fuel. It needs to be compressed by a factor of 3 to compete with natural gas, a factor of 8 to compete with propane and a factor of 2800 to compete with gasoline.

Naturally, all this compression needs energy and adds to its cost. Therefore, even if one were to consider that the combustion efficiency of Hydrogen in an internal combustion engine is 40 per cent higher than gasoline, the compression costs involved are still too prohibitive.

Then, there is the question of cost of commercial transport of Hydrogen. Since it is a very rarefied gas at room temperature and pressure, for transport of meaningful quantities of the fuel, the gas volume will have to be drastically reduced by compression and even liquefaction.

This will consume tremendous amounts of energy. If the storage is in liquid form, very expensive special cryogenic containers are needed since liquid hydrogen turns into gas at minus 252 degrees Celsius. All this will, of course, reduce the cost advantage of higher combustion efficiency of hydrogen.

There has been some research interest in the past two decades on developing materials that can absorb large amounts of hydrogen at room temperature and pressure, and release it for use when needed, with the application of some heat.

Materials under investigation in this area are Metal Hydrides and Metal Organic Frameworks. However, there is still a long way to go to reach a minimum Hydrogen absorption level of 8.5 per cent of the weight of the absorbing material to make this tactic viable.

Currently, the cost of producing Hydrogen varies from $2 to $8 per kg., depending on the raw material, process, scale of production and government subsidy. To this must be added storage and distribution costs to the ultimate user in order to evaluate the competitiveness of the gas vis-à-vis conventional fuels.

According to some estimates, unless Hydrogen production costs hit below $1 per kg, the gas will not be a competitive fuel as far as transport is concerned. At present, when it comes to the mobility sector, electric traction is superior in terms of cost-benefit ratio when non-polluting energy sources are compared. Experts in the field reckon that, considering the significant advances in electric battery technology, it may not be before 2050 that Hydrogen, as a mobility fuel, becomes economically advantageous, taking into account cost of dealing with spent batteries.

Another area of worry about using Hydrogen is safety. Because the gas is very volatile, of extremely low density and highly inflammable, it can easily escape from containment and cause serious fire accidents.

Keeping it inside tanks and piping requires precision engineering, high-technology seals, perfect assembly, and constant maintenance. Checking all of the things, which might loosen and cause leaks, will require partial disassembly of vehicles, adding to already high maintenance costs.

#SAVE EARTH

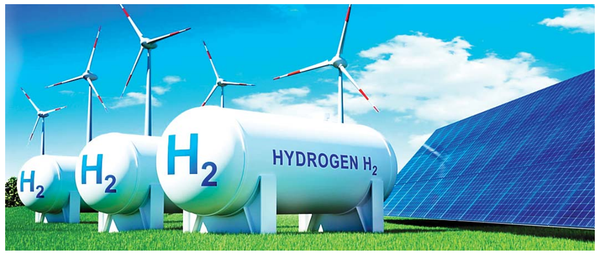

South Korea took the lead in using Hydrogen as mobility fuel, backed by government funding under a Hydrogen Economy Roadmap, formulated in 2018, which had set ambitious targets, including 6.2 million Hydrogen fuelled vehicles and 1,200 refuelling stations by 2040. According to an analysis by Bloomberg in December last year, none of the targets have been remotely close to being met.

To make matters worse, there have been several explosions and fire accidents in the last five years due to hydrogen leaks in vehicles as well as refuelling stations. In a recent re-inspection of Hydrogen fuelled cars in that country, 1,463 out of 9,482 were found to have Hydrogen gas leaks.

India commenced its Hydrogen campaign with the launch of the National Green Hydrogen Mission in January 2023, with an outlay of Rs. 19,744 crores and the objective of establishing an initial production capacity of 5 million tonnes per annum of Hydrogen. Much of this capacity will come from using electric power from non-fossil energy sources like solar, wind, waste biomass or hydel. (See Box for explanation of Green Hydrogen.)

It is the fond hope of the proponents of the Mission that Hydrogen will become a substantial player in attaining the national goals of independence of imports of energy by 2047 and net zero emissions to the atmosphere by 2070.

As we have seen from the South Korean experience, that is an ambition that appears a bit far-fetched as far as the transport sector is concerned. However, there is a good scope for reducing the use of hydrocarbons by substitution with Hydrogen in certain industries such as those producing ammonia (used in making fertilizers) and steel. This could not only reduce the Carbon emission from these industries, but also make their products more amenable for exports to developed countries, who have started imposing barriers to import of products made by high Carbon footprint processes.

In steel making, for example, the conventional process followed in India is to use coke as an agent to reduce the iron oxide in ore to iron. This coke can be substituted by Hydrogen. This could also cut the demand for coking coal, the mining of which is, itself, a highly polluting industry. That is why, steel and petrochemical companies are among the forefront in India to jump on the Hydrogen bandwagon.

rajeshsharma1049@gmail.com

#CLEAR & CONCISE

Fewer Words, More Impact

Far from being cold or brusque, clarity of language shows confidence in your message and helps others align with your vision.

Ever find yourself trying to sound diplomatic or softening your message with a thousand words? Imagine a kid chasing a baseball into a busy street and the dad saying, "Well, you might want to slow down and rethink that son..." as the cars are screeching to a halt. We get it, you don't want to hurt anyone's feelings. But here's the reality, more words often don't help. Instead, they can dilute your message and leave people unsure of where you stand.

When you're clear and concise, you show respect for people's time and give them the clarity they need to take action. Being brief doesn't mean being cold or uncaring. In fact, it's often the most respectful and effective way to lead.

Who are you really protecting?

Here's the kicker! When you use more words than necessary, it's easy to assume that you're protecting the other person from discomfort. In truth, you're protecting yourself from whatever bad things you imagine might come with being clear and concise, being disliked, feeling discomfort, and being criticized.

To be clear (pun intended!), clarity is not about being harsh. It's about being authentic, honest, and decisive. It's about showing up with integrity and respect for both yourself and others. Kindness doesn't need extra words, it just needs truth.

Here are three examples where less is more.

Example 1: The decision

Wordy and vague: "Well, I've been thinking about it for a while, and there are a lot of good options. I'm not sure, but I can see how this one could work."

Concise and clear: "Let's move forward with this option. Here's why..."

Example 2: The feedback

Wordy and vague: "I noticed that we missed the timeline in a few places. There might be a lot of factors influencing this, and maybe, there's a way we can fix it going forward."

Concise and clear: "We missed our timeline. Let's work together to improve time management moving forward."

Example 3: The yes or no

Wordy and vague: "I'm really torn because there's a lot going on right now, and I want to help, but there's a lot on my plate, so maybe, I can get back to you on this after I check in with a few other things."

Concise and clear: "I'm unable to take this on right now. Let's find another way to make it happen."

The practice: "What did you hear?"

Here's a simple and powerful tool! After speaking, ask the person, "What did you hear?" This little practice helps ensure that your message landed clearly. It also opens up an opportunity for clarification because we've all experienced those moments when what we said didn't quite match what was understood. This practice encourages connection and ensures that you're both on the same page.

7 Ways to communicate better with fewer words

1. *Identify your core message.* Before speaking or writing, take a moment to identify the key message you need to convey. Write down the one thing you want the other person to understand or act on.
2. *Eliminate qualifiers.* Stop softening your message with qualifiers like 'I think,' 'maybe,' or 'possibly.' Replace them with more direct language. For example, instead of saying, "Maybe, we should consider doing this," say, "We will do this."
3. *Cut out unnecessary words.* Review your communication and remove anything that doesn't add value. Shorten your sentences and get straight to the point. Challenge yourself to deliver the same message in fewer words.
4. *Practice saying 'no' concisely.* Get comfortable with saying 'no' without over-explaining or justifying. You don't need to apologize or offer an excuse. Simply say, "No. This doesn't align with my current priorities." The more you practice, the easier it gets.
5. *Pause before responding.* When engaging in conversation or meetings, pause before responding. This gives you time to gather your thoughts and decide what you want to say. This pause can help you avoid rambling and deliver a more concise, powerful response.
6. *Clarify and summarize.* After giving your message, follow up with a quick summary to ensure that everyone is on the same page. For instance, "To be clear, our decision is to focus on X." This reinforces your message without over-explaining.
7. *Reaffirm your commitment to conciseness.* At the beginning of each day or meeting, remind yourself, "I will prioritize clarity in my communication today."

Communicating like a Leader

Using fewer words doesn't mean you're being less compassionate. When you're concise, you respect others enough to get to the point, which builds trust and fosters a culture of respect. There is nothing kind or compassionate in ambiguity. Clarity shows confidence in your message and helps others align with your vision. You can be kind, compassionate, and connected, and be clear and concise at the same time.

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

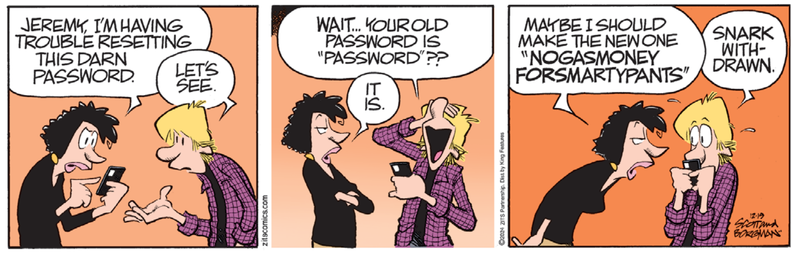

पानी की समस्या को लेकर भुसावर के लोगों ने एस.डी.एम. कार्यालय पर प्रदर्शन किया

गांव में जल जीवन मिशन स्कीम पूरी तरह से ठप पड़ी है

भुसावर (निस)। भुसावर में ग्रामीणों ने पानी की समस्या के समाधान की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। भरतपुर के भुसावर उपखंड की ग्राम पंचायत बारौली में

- एसडीएम राधेश्याम मीणा ने आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही इस समस्या का समाधान करवाएंगे।
- ग्राम पंचायत बारौली में गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया

भुसावर में गामीणों ने पानी की समस्या के समाधान की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। स्थिति इतनी विकट है कि ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। गांव में जल जीवन मिशन स्कीम पूरी तरह से ठप पड़ी है। बोरवेल में लगी मोटर और स्टार्टर लगातार खराब हो रहे हैं। पूर्व सरपंच देशराज जाटव के अनुसार, मरम्मत के बाद उपकरण मात्र दो दिन ही चल पाते हैं। परेशान ठाामीण एसडीएम राधेश्याम मीणा से मिले। उन्होंने तत्काल अधिकारियों को फोन कर समस्या के समाधान के निर्देश दिए। ठाामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे जिला कलेक्टर से मिलेंगे। जिला परिषद सदस्य क्षमा देशराज सिंह ने बताया कि पानी की कमी से न केवल लोग परेशान हैं, बल्कि पशुओं को भी पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है। ठाामीणों का आरोप है कि शिकायत करने पर अधिकारी-कर्मचारी उचित जवाब भी नहीं देते हैं। एसडीएम राधेश्याम मीणा ने आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही इस समस्या का समाधान करवाएंगे।

बेटे से नशे का धंधा करवाने वाला पिता गिरफ्तार

करौली । करौली के लांगरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने ऑपरेशन स्मैक आउट के तहत एक बड़ी कार्यवाही कि है। पुलिस ने कंचनपुर निवासी 45 वर्षीय रामस्वरूप मीणा को गिरफ्तार किया है। आरोपी एक स्मैक तस्कर का पिता है। पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में चल रहे इस अभियान की जानकारी देते हुए थाना अधिकारी वासुदेव बसवाल ने बताया कि आरोपी अपने बेटे रवि को स्मैक की तस्करी के लिए अपनी मोटरसाइकिल देता था। पुलिस टीम आरोपी से स्मैक की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य मामलों की जानकारी जुटा रही है। जिले में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। इस मामले में पहले ही आरोपी का बेटा गिरफ्तार हो चुका है।

शोभायात्रा निकली

सरवाड़, (निसं)। शहर में माली मोहल्ला स्थित बालाजी मंदिर में दो दिवसीय शिव परिवार की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम गुरुवार को भव्य कलश एवं शोभायात्रा निकाली गई यह शोभायात्रा भीमेश्वर महादेव मंदिर परिसर से रवाना होकर बस स्टैंड सदर बाजार व प्रमुख मार्गो से होते हुए खिरिया गेट भवन में पहुंची वही शोभायात्रा में महिलाएं अपने सिर पर कलश रखकर चल रही थी ।

अवैध खनन पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

ब्यावर में अवैध खनन का खुलासा, खनिज विभाग ने ठोका भारी जुर्माना

ब्यावर (निसं) जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खडगावत के निर्देशानुसार अवैध खनन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाही के तहत खनिज विभाग द्वारा ठााम रावतमाल, तहसील ब्यावर, जिला ब्यावर में स्थित खनन पट्टा संख्या 311/2007 (खनिज क्वार्ट्ज एवं फेल्डस्पार) का औचक निरीक्षण एवं सर्वे किया गया।

- अवैध खनन पर प्रशासन की सख्ती, खदान संचालक पर भारी आर्थिक दंड
- ब्यावर में खनन अनियमितता पकड़ी गई, प्रशासन ने ठोकी करोड़ों की पेनल्टी
- अवैध खनन पर चला प्रशासन का हंटर, 2.82 करोड़ का नोटिस जारी

निरीक्षण के दौरान मौके पर खनन कार्य बंद पाया गया, लेकिन पट्टा क्षेत्र में तीन खनन पिट्स मिले, जिनकी पैमाइश करने पर पता चला कि इन पिट्स से लगभग 21,341 टन खनिज का उत्खनन किया जा चुका है।खनिज विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, पट्टाधारी मैसर्स मातृपिता अर्थ प्रोडक्ट द्वारा अब तक कुल 44,877 टन खनिज का निर्गमन किया गया था, जबकि सर्वेक्षण में पाया गया कि खदान से मात्र 21,341 टन खनिज ही निकाला गया था। इससे स्पष्ट होता है कि पट्टाधारी ने खनन क्षेत्र का दुरुपयोग कर अन्य अवैध स्त्रोतों से प्राप्त खनिज का निर्गमन किया है।इस अनियमितता को ध्यान में रखते हुए पट्टाधारी के विरुद्ध रवन्ना दुरुपयोग का प्रकरण बनाकर 2,82,43,128/- (दो करोड़ बयासी लाख तैतालीस हजार एक सौ अट्ठाईस रुपये) की मांग हेतु नोटिस जारी किया गया है एवं अठिाम कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।जिला प्रशासन एवं खनिज विभाग द्वारा की गई इस सख्त कार्रवाई से अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खडगावत के नेतृत्व में प्रशासन की यह प्रतिबद्धता दर्शाती है कि जिले में अवैध खनन को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। इस कार्रवाई के बाद आस पास के अवैध खनन करने वाले लोगों में हडकंप मच गया। उन्होंने अपने सामानों को इधर उधर करना शुरु कर दिया।

उपचार शिविर आयोजित

मसूदा, (निसं)। निशुल्क पशु चिकित्सा एवं बांझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया राजकीय पशु चिकित्सालय, केलू एवं मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट, मसूदा के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय पशु चिकित्सा एवं बांझपन निवारण शिविर का आयोजन देवमाली ठााम पंचायत के रूपपुरा -पिथावास गांव में किया गयाघ शिविर के दौरान निशुल्क 103 बीमार पशुओं का उपचार, मिनरल मिक्सचर वितरण एवं 1 बांझ पन परीक्षण किया गयात पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार सुन्वासिया ने विभाग ने नि:शुल्क मिनरल मिक्सचर वितरित कर, मिनरल मिक्सचर के पशुओ के फायदे की जानकारी दी त मोबाइल यूनिट मसूदा प्रभारी अधिकारी डॉ. रमेश कुमार चौधरी ने पशु पालको को सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान करने वाले पशु का थनेला रोग से बचाव के उपाय बताए।पशुधन निरीक्षक हेमराज कुम्हार एवम् दिनेश गुर्जर द्वारा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा में रजिस्ट्रेशन कर पशु पालकों को लाभान्वित किया एवं निशुल्क बीमा योजना की प्रक्रिया से अवगत करवाया त शिविर के दौरान जसराज गुर्जर, गुर्जर आदि ठााम वासी उपस्थित रहे।

जैसलमेर के महंत की भीलवाड़ा के पास सड़क हादसे में मौत

भीलवाड़ा। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में अजमेर-भीलवाड़ा हाइवे स्थित रायसिंहपुरा के नजदीक गुरुवार सुबह एक स्विफ्ट कार आगे चल रहे ट्रेलर से जा भिड़ी, हादसे में कार सवार जैसलमेर के महंत ब्रह्मपुरी गोस्वामी की मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। महंत का शव राजकीय अस्पताल में शवगृह में सुरक्षित रखवाया गया है । जिसका पोस्टमार्टम परिजनों के आगरा से आने के बाद करवाया जायेगा।

जानकारी के अनुसार, जैसलमेर के महंत ब्रह्मपुरी (65) पुत्र लालपुरी गोस्वामी, रामनगर कॉलोनी, जैसलमेर निवासी चालक अशोक पुत्र हेमदास वैष्णव के साथ स्विफ्ट कार से कार्यवश जैसलमेर से मंदसौर जा रहे थे।

इनकी कार गुरुवार सुबह करीब दस बजे रायसिंहपुरा के नजदीक पहुंची और आगे चल रहे ट्रेलर से जा भिड़ी। हादसे में महंत ब्रह्मपुरी गोस्वामी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चालक अशोक घायल हो गया। सूचना पर मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महंत के शव को कार से निकलवा कर राजकीय अस्पताल स्थित शवगृह भिजवा दिया। वहीं चालक अशोक का प्राथमिक उपचार करवाया गया। महंत की पहचान उनके पास मिले आधार कार्ड से की गई। पुलिस ने मृतक महंत के परिजनों को सूचना दे दी है, उनके आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। पुलिस ने हादसे का शिकार हुए ब्रह्मपुरी गोस्वामी उर्फ गोपाल गुप्ता के भतीजे अखिलेश गुप्ता से संपर्क कर उन्हें इस हादसे की जानकारी दी तो सामने आया कि ब्रह्मपुरी मूल रूप से आगरा, यूपी के रहने वाले हैं, जो दस-पन्द्रह साल की उम्र में ही महाराज बन गये थे। वे, आगरा छोडक़र जैसलमेर चले गये और वहीं रह रहे थे। पुलिस को महंत ब्रह्मपुरी गोस्वामी के पास एक पर्ची मिली।

मंदिर के पास डेढ़ सौ से अधिक कबूतर मृत मिले

मालपुरा (निस)। टोडारायसिंह क्षेत्र की ग्राम पंचायत दाबडदुम्बा के शुभदण्ड टोपा गांव मे सगस बाबा मंदिर परिसर के पास गुरूवार को अनुमानित डेढ़ सौ से अधिक कबूतर मृत मिले। ग्रामीणो को इतनी बडी संख्या मे कबूतरो की मौत की मिली जानकारी पर तत्काल वन विभाग कार्यालय के सुपुर्द किया गया। वन मित्र कमलेश गुर्जर, पप्पूराम गुर्जर, जीतराम चौधरी, लक्ष्मी नारायण प्रजापत, मुकेश चौधरी, चेतन मीणा, खुशीराम प्रजापत, चेतन मीणा, मुकेश तत्काल मौके पर पहुंचे व मौजूद ग्रामीणो क सहयोग से मृत कबूतरों को दफनाया । करीब दो दर्जन अचेत कबूतरों का पशु चिकित्सालय में उपचार शुरू किया । वन मित्रों व ग्रामीणों ने सम्भवत्या जहरीला दाना खाने से कबूतरो की मौत होने का अंदेशा जताया गया है।

दिन दहाड़े मकान से जेवरात व नगदी चोरी की वारदात का खुलासा

- दो आरोपी हीरासिंह उर्फ महेन्द्र व रोशन उर्फ इकबाल को गिरफ्तार किया
- चोरी का सम्पूर्ण माल बरामद
- चोरी की वारदात में प्रयुक्त वाहन मोटर साइकिल यामाहा आर 15 की जब्त
- आरोपियों ने आधा दर्जन के करीब वारदाते करना किया स्वीकार

ब्यावर (निसं) जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृताधिकारी के निकट सुपरविजन मे थानाधिकारी सदर डॉ. नवल किशोर उप निरीक्षक मय गठित टीम द्वारा दिन दहाडे सुने मकान से सोने चांदी के जेवरात चोरी करने की वारदात का खुलासा करते हुऐ दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में मिली सफलता वारदात में प्रयुक्त वाहन मोटर साईकिल को किया जब्त ।गौरतलब है की 19.फरवरी को परिवादी शाहबुदीन निवासी मातकी (झक) ने पुलिस थाना ब्यावर सदर पर एक प्रकरण दर्ज करवाया कि 18.फरवरी को मैं व मेरी पत्नि दोनों ठााम लालावास का बाडिया गये हुऐ थे। वहां से शाम के समय जब वापस घर आये तो देखा कि मेरे मकान का ताला टुटा हुआ था तथा अन्दर सामान बिखरा हुआ था। कमरे में रखी अलमारी का भी ताला टूटा हुआ था। अलमारी को देखा तो उसमें रखे नगद 22,000 रूपये, चांदी की पायजेब जोडी, बिछुडीयां आदि चोर चोरी कर ले गये जबकि गांव वालो ने उन्हें देखा जिनके पास मोटर साईकिल भी थी।

पुलिस द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध करते हुए अज्ञात चोरो व चोरी गये माल की तलाश आरम्भ की गई। थाने स्तर पर पुलिस टीम का गठन कर मुखबीर से प्राप्त सुचना के आधार पर दो संदिग्ध मोटर साईकिल चालक को डिटेन किया जाकर गहनता से पूछताछ कि गई जिस पर घटना को स्वीकार किया गया। पूछताछ में आरोपीयो हीरासिंह उर्फ महेन्द्र पुत्र मदन सिंह जाति रावत उम्र 20 साल निवासी मोहनपुरा , रोशन उर्फ इकबाल पुत्र मेघा चीता जाति चीता उम्र 21 साल निवासी मोहनपुरा ने बताया की हम श्रीनगर, नसीराबाद, पीपलाज, ब्यावर, सेन्दडा व आस पास के गांवो में मोटर साईकिल लेकर घूमते है और रैकी करते है तथा पहचान छिपाने हेतु मुंह बांधकर रखते है ताकि उनकी पहचान नहीं हो सके। आस पास के

गांवों में सूने मकान में मौका देख कर प्रवेश कर ताले तोडकर जैवरात, नगदी की चोरी कर अपनी मोटर साईकिल से भाग जाते है। मौके से भागने के लिए तेज भागने वाली मोटर साईकिल यामाहा आर 15 रखते है ताकि उनका पीछा किये जाने पर पकड में आने से बचा जा सके। चोरी किये गये जैवरात, नगदी से अपने महंगे शौक पूरा करते है।

अभियुक्तगण द्वारा श्रीनगर, नसीराबाद, पीपलाज, ब्यावर, सेन्डडा ईलाके में भी चोरी/नकबजनी करना स्वीकार किया है तथा ब्यावर व अजमेर जिले में करीब एक दर्जन से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज है। डॉ. नवल किशोर उप निरीक्षक थानाधिकारी सदर की पुलिस टीम में तेजमल सहायक निरीक्षक और कांस्टेबल प्रदीप ,छोटलराम,धर्माराम ,मनोज,सुखपाल, हरेन्द्र आदि थे।

ब्यावर महिला समिति की वन यात्रा

ब्यावर (निसं) एकल अभियान अंचल अजमेर के राजियावास संच के दो विद्यालय ठाामोनरबद खेडा व राजियावास में वन बंधु परिषद ब्यावर महिला समिति की वन यात्रा हुई। वन यात्रा में वन बंधु परिषद महिला समिति की अध्यक्ष संतोषी देवी रांका, सलाहकार मंजू भूतड़ा, सचिव उषा मोदी, राजियावास सरपंच बृजपाल सिंहव वन बंधु परिषद के सदस्य उपस्थित थे। वन यात्रा में देश भक्ति गीत, बालगीत, कहानी, दोहा आदि बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। ठाामीणों द्वारा महिला समिति का स्वागत किया गया। महिला समिति द्वारा बच्चों को बिस्किट, पेन, कॉपी, पेंसिल, पानी की बोतल, बच्चों के खेलने के लिए वॉलीबॉलआदि सामठाी निशुल्क वितरण किये गए। सभी ठाामवासियों ने महिला समिति का आभार और धन्यवाद अर्पित किया। वन यात्रा में अभियान के कार्यकर्ता राजियावास के संच प्रमुख भेरू सिंहऔर आचार्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में संरक्षक मंजू भूतड़ा, अध्यक्ष संतोष रांका,सचिव उषा मोदी, रेनू काबरा, श्रद्धा नवल, रमा हरकुट, आदि मौजूद थे।

रेल कर्मचारी शुक्रवार को करेंगे विरोध प्रदर्शन

गंगापुर सिटी । ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन एवं वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन के आव्हान पर रेल कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर अखिल भारतीय स्तर पर 21 फरवरी शुक्रवार को मनाये जा रहे अखिल भारतीय मांग दिवस के अवसर पर गंगापुर सिटी में यूनियन की चारों शाखाओं के संयुक्त तत्वाधान में रेल कर्मचारी मुंबई अमृतसर 2903 स्वर्ण मंदिर मेल पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। यूनियन कार्यालय में विरोध प्रदर्शन की तैयारी को लेकर यूनियन कार्यकर्ताओं की मीटिंग आयोजित की गई। यूनियन के मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि रेलवे में हजारों की संख्या में खाली पद चल रहे है। रेल कर्मचारियों की भर्ती नहीं हो रही है। रेलवे कॉलोनी में गंदगी का आलम है जगह-जगह कचरा के ढेर लगे हुए हैं ।रेलवे आवासों की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो चुकी है। रनिंग कर्मचारियों से 8 घंटे से अधिक ड्यूटी करवाई जा रही है ।रेल कर्मचारीयो के ड्रेस एलाउंस में बढोतरी होना आवश्यक है इसी प्रकार रेल कर्मचारियों के लिए कैडेर रिस्ट्रिक्चरिंग लागू करनी चाहिए वर्तमान में कैडर संरचना में भारी अनियमितताएं चल रही है जिससे कर्मचारियों के पदोन्नति रुकी हुई है। इसके लिए जरूरी है कि जल्दी से जल्दी कैडेट रिस्ट्रिक्चरिंग लागू की जाए। रेलवे में निजीकरण, निगमीकरण एवं आउटसोर्सिंग पर रोक लगाई जाए ।कर्मचारियों की कार्यस्थलो की स्थिति में सुधार किया जाए सहित कई मांगों को लेकर रेल कर्मचारी 21 फरवरी को पूरे देश में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।आज अखिल भारतीय मांग दिवस की तैयारी को लेकर गंगापुर सिटी में यूनियन कार्यालय में स्थानीय यूनियन कार्यकर्ताओं की मीटिंग की गई।

शिविर आसीन्द क्लॉक में प्रारम्भ

आसीन्द । आसीन्द ब्लॉक में आंगन बाड़ी कार्यकर्ताओ को नई शिक्षा नीति के तहत 0-6 वर्ष के बच्चों की पढाई और पोषण का महत्व बढाने हेतू बाल विकास परियोजना आसीन्द द्वारा 'पोषण भी पढ़ाई भी' तीन दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ । उपखण्ड अधिकारी भरत गुर्जर द्वारा आँगनबाडी कार्यकर्ताओ को 0-6 वर्ष के बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य पोषण एवं पढाई के लिए प्रेरित किया तथा इस दौरान तहसीलदार श्रीमति अरुणा लाडोती द्वारा भी आंगनबाडी कार्यकर्ताओ को प्रेरित किया, श्रीमान बाल विकास परियोजना अधिकारी प्रवीण मीना द्वारा बच्चों में कुपोषण को दूर करना, बजन लम्बाई मापण आहार विविधता आदि से सम्बखित जानकारीयां दी गई। कार्यक्रम में महिला परिवेशक इंद्रा वैष्णव, ललिता सोलंकी, ज्योति पंचोली एवं अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रोशन लाल जीनगर उपस्थित रहे।

मनोहरपुर पुलिस ने 1 करोड़ 27 लाख 20 हजार रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब जप्त की

मनोहरपुर। जिला डिएसटी टीम जयपुर ग्रामीण की आसूचना पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए गुरुवार को आबकारी अधिनियम में एक प्रकरण दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार पर भारी मात्रा में पंजाब निर्मित अवैध अंठोजी शराब में ट्रक को जप्त किया गया। इसी प्रकार युवा पीढ़ी को नशे के चंगुल में फंसाने वाले अपराधियों के विरुद्ध ऑपरेशन नॉकआउट अभियान के तहत बडी कार्रवाई कर एनडीपीएस एक्ट के तहत दो प्रकरण दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल व अवैध मादक पदार्थ स्मैक व वाहन मोटरसाइकिल व सेंट्रो कार जप्त की गई।इस दौरान

आईपीएस आनंद शर्मा जयपुर ठाामीण ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन नॉक आउट अभियान के तहत जिला जयपुर ठाामीण रजनीश पूनिया आईपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निकटतम सुपरविजन में समाज में विशेष कर युवा वर्ग में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति के कारण हो रहे पतन को देखते हुए अवैध नशा कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध ऑपरेशन नॉकआउट अभियान चलाया जा रहा है जिसमें पुलिस थाना रायसर चंदवाजी एवं मनोहरपुर थाना क्षेत्र में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर ऑपरेशन नॉकआउट अभियान चले जा रहा है।

पुलिस टीम का विवरण : रघुवीर सिंह, उप निरीक्षक थानाधिकारी रायसर, गोपाल हैड कानि,मुकेश कानि. हरिओम कानि. बुद्धराम कानि. सुरजमल चालक कानि, (पुलिस थाना रायसर) भगवान सहाय पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी मनोहरपुर, लीलाधर हैड कानि. राजेन्द्र कानि. राकेश कानि. सुरेन्द्र सिंह चालक कानि, रमेश चन्द कानि. सुरजमल कानि. रामचन्द्र कांनि.(पुलिस थाना मनोहरपुर) रजनी उ.नि.. रामस्वरूप स.उ.नि.. रोहिताश कानि. रोहिताश कानि, सुभाष चन्द कानि, रामजीलाल कानि, हितेश कानि,

(पुलिस थाना चन्दवाजी) सतेन्द्र हैड कानि. संदीप कानि. राकेश कानि. मनोज कानि. किशन कानि. मनोज कानि. (डीएसटी) मुकेश चौधरी (औषधी एवं नियंत्रण अधिकारी) को सफलता प्राप्त हुई। मनोहरपुर थाना पुलिस के अधिकारी भगवान सहाय मीणा मय टीम की विशेष भूमिका से दिल्ली जयपुर रोड पर श्री श्याम होटल एंड रेस्टोरेंट के सामने नाकाबंदी कर अवैध शराब का कारोबार करने वाले आरोपी भीमा भाई राजा कटारा (चालक) व अर्जन भाई (खलासी) के कब्जे से विभिन्न ब्रांड की पंजाब निर्मित अवैध अंठोजी शराब की कुल 1060 पेटीयां जिसकी बाजार कीमत 1 करोड 27 लाख 20 हजार रुपए है व परिवहन में प्रयुक्त वाहन ट्रक नंबर 25 यू 6334 को जप्त कर अभियुक्त के विरुद्ध आबकारी अधिनियम प्रकरण दर्ज पर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इसी प्रकार पुलिस थाना चंदवाजी व जिला डीएसटी टीम द्वारा निम्स के पास नाकाबंदी कर तीन आरोपी सुभाष वर्मा, फारुख खान व रईस खान के कब्जे से 18.86 ठाम अवैध मादक पदार्थ स्मैक व प्रयुक्त वाहन सेंट्रो कार को जप्त कर उनको गिरफ्तार किया गया है।

कार्यशाला में महिलाओं को स्वालम्बी बनाने के लिये गुर बताए

मदनगंज-किशनगढ़ (निस)। आनंदी श्री संस्था की ओर से आनंदी भवन में महिलाओं को स्वालम्बी बनाने के लिये निरंतर कार्यशाला का आयोजन कर पुनीत कार्य में भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। सामाजिक कार्यकर्ता मीनल बाफना ने महिलाओ को एनजीओ से जुडकर अपने आप को स्थापित करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा की महिलाएं अपने हुनर को समाज के सामने लाकर आत्मनिर्भर बने। अध्यक्ष जयश्री अगरवाल ने बताया की पिछले तीन साल आनंदी संस्था से जुडी महिलाएं अपने काम के प्रति काफी उत्साहित है, वे आत्मविश्वास के साथ निरंतर संस्था के लिए कपडा के अनेक आइटम बना रही है। महिलाओ का कहना है की घर का काम निपटाकर समय का सदुपयोग कर अपनी रुचि के काम में लगाते है, इससे आय भी होती है। कृष्णापुरी स्थित बड़े गणेश मंदिर के पास आनंदी हाउस में दोपहर तीन बजे से सांय पांच बजे तक सामान डिस्प्ले

मदनगंज-किशनगढ़ में आनंदी श्री संस्था की ओर से की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया।

रहता है और गिफ्ट आइटम आर्डर से तैयार कराये जा रहे है। संस्था से जुडी शिल्पा बरडिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। सुनीता जैन, उषा वैष्णव, सूर्या बंसल, अंजू अगरवाल व मानसी गोयल ने सहयोग किया।

दाधीच बने भारत विकास परिषद के अध्यक्ष

मेड़ता सिटी, (निसं)। भारत विकास परिषद शाखा मेड़ता सिटी के चुनाव परिषद के संरक्षक श्री श्याम सुंदर बिरला के मुख्य आतिथ्य में एवं चुनाव अधिकारी भानु प्रकाश टाक डेगाना की देखरेख में बुधवार को मातृ मंदिर में संपन्न हुए। परिषद के प्रांतीय नागौर जिला समन्वयक कृष्ण गोपाल गौड़ ने बताया कि सर्वसम्मति से हुए चुनाव में श्याम सुंदर दाधीच को नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। सचिव पद पर प्रवीण काबरा, कोषाध्यक्ष पद पर प्रकाश मंत्री को नियुक्त किया गया ।चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर राकेश अठावाल एवं दिनेश सोनी एवं सहसचिव पद पर दिनेश प्रजापत और सह कोषाध्यक्ष भिंवराज तोषनीवाल को नियुक्त किया गया। बैठक में परिषद के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र बिरला ,जुगल अठावाल, सुरेश चंद पचभैया, रामकिशोर वर्मा, मूलचंद शर्मा, सुरेश पारीक, नंदलाल जोशी, शिवकुमार मिश्रा, धर्मेंद्र सोनी, भगवती लाल टेलर,ताराचंद मारोठिया,ज्योति प्रकाश सोनी, प्रकाश चंद व्यास,देवीलाल गौड़, आदि उपस्थित थे।

150 प्रधानाचार्य को विशेष प्रशिक्षण

ब्यावर (निसं) राजकीय सेवा कर रहे 150 शिक्षक और 150 प्रधानाचार्य को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 6 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण के आयोजन में ,प्रतिदिन 50 को प्रशिक्षित किया जा रहा है। राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास अजमेर /शाखा ब्यावर द्वारा यूनिवर्सल डिज़ाइन ऑफ लर्निंग विषय पर 6 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन राजकीय पटेल उच्च माध्यमिक विधालय के सभागार में किया जा रहा है। प्रशिक्षण शुभारम समारोह में मुख्य अतिथि वीना नाहर संरक्षक- जीतो लेडीज विंग थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अब्दुल हनीफ खान,प्रधानाचार्य रा पटेल उच्च माध्यमिक विधालय व क्षमा आर कौशिक,संस्था सचिव व मुख्य कार्यकारी, संजय सिंह गहलोत,अनिल सिखवाल, राम भाई पंजाबी,समाज सेवी, रण सिंह चीता,उप निर्देशक शिक्षा, अंजली सेन गुप्ता,सुश्री राजेश्वरी शेखावत (संदर्भ व्यक्ति) ने माँ सरस्वती और बाउजी के चरण कमलों में दीप प्रज्वलन करते हुए किया।रण सिंह चीता नें सभी अतिथियो का पुष्प भेंट कर स्वागत किया। क्षमा आर कौशिक ने बताया की अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के वितीय सहयोग से राजस्थान महिला कल्याण मंडल अजमेर द्वारा- 6 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन17 से 22 फरवरी तक किया जा रहा है। प्रशिक्षण उद्देश्य पर प्रकाश रखते हुवे बताया की दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम 2016 में वर्णित 21 प्रकार दिव्यंगता को समझना एवं उसकी क्षमता को जानकर उसको उचित शिक्षा व मुल्यांकन प्रदान करे जिससे उनका सर्वागीण विकास हो एंव दिव्यांग और गैर दिव्यांग बच्चो को सामूहिक रूप से शिक्षा देकर समावेशी शिक्षा को बढावा देना है। संजय सिहं गहलोत ने बताया की संस्था राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास अजमेर /शाखा ब्यावर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण दिव्यांग और गैर दिव्यांग के बच्चो के साथ किये जाने वाले शिक्षण कार्य में सकारात्मक साबित होगा। संस्था द्वारा संचालित संजय स्कूल एंव इनके कार्य को व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ। यूनिवर्सल डिजाइन ऑफ लर्निंग विषय पर अयोजित प्रशिक्षण समावेशी शिक्षा एंवम मुल्यांकन में मील का पत्थर सिद्ध होगा।संदर्भ व्यक्ति के रूप में क्षमा आर कौशिक, सुश्री अंजली सेन गुप्ता ने दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम 2016 में वर्णित 21 प्रकार दिव्यंगता की पहचान एंवम यूनिवर्सल डिजाइन ऑफ लर्निंग विषय पर शिक्षा औरमुल्यांकन पदति दैनिक पाठ योजना चेलेंजिंग गतिविधियों आदि विषय पर प्रशिक्षण दिया। शिक्षक फीड बेक में अरविन्द कुमार ने बताया की प्रशिक्षण बहुत ही उपयोगी रहा है। हम सब की दिव्यांग बच्चो की पहचान और उनके अधिकार शिक्षा और मुल्यांकन पदति आदि में समझ बनी। हम संस्था के इस नेक कार्य की प्रंशसा करते है।

संक्षिप्त

आरोपी को 10 वर्ष की सजा सुनाई

टोंक। पोक्सो कोर्ट न्यायालय के न्यायाधीश मधु सूदन शर्मा ने दो वर्ष पुराने मामले में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी हरफूल मीणा को दोषी मानते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है तथा 25 हजार का जुर्माना भी लगाया है।लोक अभियोजक राकेश शर्मा ने बताया कि 11 मई को अलीगढ थाने में नाबालिग की माँ ने मामला दर्ज कराया था कि उसकी 13 वर्षीय नाबालिग पुत्री खेत मे बकरियां चरा रही थी तभी वहां आरोपी हरफूल आया और पीड़िता के साथ जबरदस्ती कर नाबालिग को परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी। जिस पर नाबालिग ने परिवार को घटना नही बताई, लेकिन दो माह बाद नाबालिग की शारीरिक जांच में मिले साक्ष्य के आधार पर परिजनों ने मामला दर्ज कराया, जिस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां लोक अभियोजक पक्ष की ओर से पेश किये गये 21 गवाह और 35 दस्तावेज में जुर्म प्रमाणित होने पर आरोपी को 10 वर्ष के कठोर कारवास की सजा सुनाई गई है।

गो सेवार्थ दी सहयोग राशि

मालपुरा। सेवा भारती समिति लाम्बाहरिसिंह द्वारा गुरूवार को श्रीराम नारायण गो सेवा समिति मालपुरा को चालीस हजार रूपये की राशि गो सेवा भेंट की गई। रजनीश मेन्दवास्या ने बताया कि मक्रर सक्रान्ति पर्व पर सेवा भारती समिति लाम्बाहरिसिंह द्वारा गो सेवा दान काउंटर लगा गोभक्तो से संग्रह की गई राशि का एक भाग चालीस हजार रूपये की राशि रामनारायण गो सेवा समिति मालपुरा को भेंट की गई। इस राशि से लम्बे समय स बिमार चल रही गौमाता एवं सडक दुर्घटना मे घायल निराश्रित गौमाता की सेवा मे वहन की जायेगी। रामनारायण गौशाला से जुडे गौसेवक घायल व बिमार गाय की सुचना मिलते ही तत्काल रैस्क्यू कर तत्काल गौशाला मे चलाये जा रहै गो-चिकित्सालय मे भर्ति कर उसकी निस्वार्थ सेवा कर रहै है।

एसडीएम व पालिका अध्यक्ष ने ली बैठक

मालपुरा। गुरूवार को उपखण्ड अधिकारी कार्यालय मे एसडीएम अमित चौधरी व पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी ने पालिका के अधिकारी व कार्मिको के साथ महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक मे मालपुरा शहर की सफाई व्यवस्था सुचारू रखने,शास्त्री नगर मे भूखण्डो की निलामी,आगामी बजट के लिये तीन मार्च को बोर्ड की बैठक आयोजित करने, जिला अस्पताल के सामने नाला निर्माण करवाने,शहर मे यूडी टैक्स वसूली अभियान शुरू करने सहित सफाई कर्मचारियो के बकाया भूगतान को लेकर विस्तार से चर्चा कर कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर ठोस निर्णय लिया गया।

आरोपी को उम्रकैद की सजा

तिजारा। कोर्ट ने 14 साल पुराने हत्या के मामले में गुरुवार को एक अहम फैसला सुनाया है। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संतोष चौधरी ने आरोपी असरु को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अपर लोक अभियोजक विनयपाल यादव ने बताया कि मामला 15 दिसंबर 2011 का है। मृतक नफीस चिप्स पत्थर की घिसाई का मिस्त्री था। वह इसरोदा गांव में प्रहलाद और प्रमोद के मकान पर काम कर रहा था। नफीस अपनी विधवा बहन के लिए भैंस खरीदने की योजना बना रहा था। वह सुबह 7:30 बजे 40 हजार रुपए और मोटरसाइकिल लेकर घर से निकला था। जब शाम तक नफीस घर नहीं पहुंचा और उसका फोन भी नहीं लग रहा था, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। अगले दिन 16 दिसंबर को भोजावास की सीमा में उसकी लाश मिली। मृतक के सिर और पीठ में गोली के निशान थे।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाया

सांभरझील। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) अजीत कुमार हिंगर के निर्देशान में अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति, सांभर लेक के निर्देशानुसार विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ठाम पंचायत नौरंगपुरा में व सरिता बाल विधा मन्दिर काजीपुरा में आयोजित किया गया। चांदमल सांभरिया ने कहा कि हम सब के बीच एकता, समानता, औदार्य और प्रीति का विस्तार हो इसके साथ ही राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

अवैध मादक पदार्थ व कार जब्त, तीनआरोपी गिरफ्तार

मानपुरा माचेड़ी। चंदवाजी थाना पुलिस व जयपुर ग्रामीण पुलिस की डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ स्मेक के साथ आरोपियों को गिरफ्तार कर अवैध मादक पदार्थ व एक कार जप्त की है।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया कि ऑपरेशन नॉक आउट अभियान के तहत जिला जयपुर ग्रामीण में अतिरिक्त पुलिस

- चंदवाजी थाना पुलिस व जयपुर ग्रामीण पुलिस की डीएसटी टीम ने की कार्रवाई

चंदवाजी पुलिस की गिरफ्त में अवैध मादक पदार्थ बेचने के आरोपी।

अधीक्षक रजनीश पूनिया के सुपरवीजन में समाज में विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ते नशे की प्रवृति के कारण हो रहे पतन को देखते हुए अवैध नशा कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध ऑपरेशन नॉक आउट अभियान चलाया जा रहा है जिसमे पूर्व में भी जिला जयपुर ग्रामीण में नशा कारोबारियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाईयां की गई थी इसी क्रम में गुरुवार को कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना चंदवाजी में जिला विशेष टीम की सूचना पर मादक पदार्थ बेचने वाले नशा कारोबारियों के विरूद्ध कार्यवाही की। जिसमें पुलिस थाना चन्दवाजी व जिला डीएसटी द्वारा जयपुर दिल्ली हाइवे पर निम्स यूनिवर्सिटी के पास नाकाबन्दी कर 3 आरोपी सुभाष वर्मा पुत्र रामगोपाल बलाइ (33) निवासी सांवलपुरा,अजीतगढ, जिला सीकराफारुक खान मोहम्मद(24) निवासी-खातेडी मोहल्ला, शाहपुरा जिला जयपुर। रईस खान पुत्र कयूम खान(26) निवासी-काजी कालोनी शाहपुरा जिला-जयपुरासुभाष वर्मा, फारुक खान, रईस खान के कब्जे से 1888 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक व मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त वाहन सेन्ट्रो कार को जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर अवैध मादक पदार्थ स्मैक 18.86 ग्राम व सेन्ट्रो कार को जप्त किया गया।

चोरी की वारदात का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

पावटा। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में पावटा स्थित एक वर्कशॉप से चोरी करने वाले एक आरोपी को प्रागपुरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के ठाम टसकोला निवासी धर्मवीर पुत्र सूरजमल ने 15 फरवरी 2025 को प्रागपुरा थाना पुलिस में

में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें बताया गया कि 9 फरवरी 2025 को पावटा स्थित वर्कशॉप से अज्ञात चोर पाइप, सरिए, साईकिल चुरा ले गए। जिस पर मामला दर्ज कर माल मशरुका व मुल्जिम की तलाश शुरू की गई। जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बहरोड राजन दुष्यंत ने बताया कि संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने एवं वर्तमान में हुई वारदातों के शीघ्र खुलासे के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा चालान शुदा अपराधियों से अनुसंधान करते हुए कस्बे पावटा प्रागपुरा में लगे सीसीटीवी फुटेजो का गहनता से विश्लेषण कर चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए धर्मराज को गिरफ्तार किया गया।

भजन संध्या व अखंड ज्योत पाठ में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित श्याम मन्दिर के ग्यारहवें पाटोत्सव पर मन्दिर प्रांगण में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें जन सैलाब उमड पडा। संरक्षक दिलीप इसरानी एवं उपाध्यक्ष राजू खंडेलवाल ने बताया भजन संध्या की शुरुआत गणेश वंदना के साथ बाबा की आरती करके किया।

जयपुर के आयुष सोमानी ने मेरे सर पर हमेशा तेरा हाथ रहे, मेरा साँवरिया आएगा, तुम न सुनोगे तो कौन सुनेगा, दरबार साँवरिया एसो सज्यो प्यारो, महेश खण्डवाल व राजू खंडेलवाल ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आणो है, देना होतो दीजिए जन्म-जन्म का साथ सहित कई भजन सुनाकर बाबा श्याम को रिझाया। भजनों पर श्याम भक्त भाव विभोर हो गए। इस दौरान होली की धमाल पर भक्तों ने जमकर भक्तिनृत्य किया। भजन संध्या के बाद श्याम बाबा की महाआरती कर भक्तों को खीर चूरमे का प्रसाद वितरण किया। इसी प्रकार गुरुवार को मन्दिर प्रांगण में कलकता के मनीष शर्मा द्वारा श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ का आयोजन किया गया। श्याम भक्तों ने 151 आसन पर अखंड ज्योत पाठ का

- बाबा श्याम का कलकता के फूलों से भव्य श्रृंगार किया एवं छप्पन भोग की झांकी सजाई

वाचन किया। पाठ के दौरान बाबा श्याम गुणगान कर भक्तों ने जमकर नृत्य किया। बाबा श्याम का कलकता के फूलों से भव्य श्रृंगार किया एवं छप्पन भोग की झांकी सजाई। मन्दिर को भव्य लाइटिंग कर सजाया गया। पाठ के बाद बाबा श्याम बाबा की महाआरती कर पंगत प्रसादी करवाई गई। इस दौरान श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष रवि अठावाल, महामंत्री दीनदयाल शर्मा, विनोद शर्मा, पुरषोत्तम शर्मा, सर्वेश द्विवेदी, रामचरण विजय, नरोत्तम अठावाल, राकेश गुरुजी, मुरारी अठावाल, राकेश बोहरा, जीतू विजय, रवि पारीक, अमित धामाणी, राकेश सोनी, जगदीश शर्मा, डॉक्टर शिवराज शर्मा, अजय जैन, योगेंद्र जैन, सौरभ जैन, हीरू सिंधी, मनीष साहू, मनीष जिंदल, श्री राधा महिला मंडल अध्यक्ष सरोज अठावाल व शिप्रा जैन सहित सेकड़ों श्याम भक्त मौजूद रहे।

जशन ए-कादरिया व चिश्तीया सम्पन्न

मनोहरपुर। जयपुर जिले के मोहल्लाह बिसायती यान दगड़े वाली मस्जिद - रामगन्ज बाज़ार में जशन ए - कादरिया व चिश्तीया का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक जनाब मोहम्मद शफीक साहब और शहर जयपुर की सूफीयान खानकाहों के हजरात की "जानिब से जनाब सूफी सैयद आबिद अली चिश्ती फ़रीदी सज्जादा नशीन दरगाह (हज़रत ख्वाजा शेख सैय्यद शाह अहमद चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह) अमरसर जयपुर राज, का शानदार तरीके से फुल मालाओं व साफा पहनाकरस्वागत किया गया। इस अवसर पर शफीक भाई. रफीक भाई. नाजिम भाई. परववेज भाई, हाफिज रिउज भाई. अजीज बेग. आजीज बाबा. नागरी के हयात भाई. सलीम राजा. मुम्बई के कवाल, निसार.भाई. सल्लू..मुनीर चिश्ती, कमाल बाबा..सलीम भाई, आबिद भाई, रईस खान, नईम भाई ईदगाह साबिर भाई,सानू भाई फरीद भाई,फहीम खान फरिदी,अलीम बाबा साबरी, इरफान बाबा,आमीन साबरी समाज सेवी,मुन्ने मीया दौसा आदि उपस्तिथ थे। उल्लेखनिय है कि (जनाबे आली सूफी मोहम्मद कोसर हसन मजीदी राष्ट्रीय अध्यक्ष सूफी खानकाह एसोसिएशन का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया गया जिन्होंने पहले शहर जयपुर अधयक्ष और अब सूफी खानकाह एसोसिएशन राजस्थान प्रदेश इकाई में (प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है।

करंट से दो गौवशं की मौत

कोटपूतली। कस्बे के आजाद चौक स्थित तहसील परिसर में नगर परिषद द्वारा लगाई गई हाई मास्क लाईट के पोल में करंट से दो गौवंश की मृत्यु हो गई।

बताया जा रहा है कि उक्त लाईट लगभग डेढ़-दो माह से खराब पड़ी थी। वार्ड पार्षद आनंद सैनी व मीनू बंसल ने इसकी शिकायत अनेक बार नगरपरिषद में दर्ज भी करवाई परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई। विगत बुधवार रात्रि को बारिश आने के कारण पोल में करंट आ रहा था। जिससे करन्ट लग जाने से दो गौवंश की मृत्यु हो गई। गनीमत यह रही कि उक्त हादसा रात्रि के समय हुआ वरना कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था। यहाँ उपखण्ड कार्यालय, तहसील कार्यालय समेत अन्य कार्यालय होने के चलते लोगों की आवाजाही रहती है।

जिला कलक्टर ने जनसुनवाई में आमजन के सुने परिवाद

कोटपूतली। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरूवार को पंचायत समिति कोटपूतली के वीसी कक्ष में आयोजित की गई। जनसुनवाई में 24 से अधिक प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें व्यक्तिश: सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये।

जनसुनवाई में सड़क, पेयजल, अतिक्रमण, भूमि विवाद, अवैध निर्माण कार्य, पेंशन, पुलिस, पट्टा, चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग से सम्बंधित विभिन्न परिवेदनाओं का संज्ञान लेते हुए जिला कलक्टर ने संबंधित उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी और सम्बंधित विभागों से फीडबैक लेकर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने परिवादी को की गई कार्यवाही से अवगत कराते हुये गुणवत्तापूर्ण प्रकरण निस्तारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने आम रास्तों पर अतिक्रमण, भूमि पैमाइश के कारण आपसी विवाद, आवासीय क्षेत्रों में अतिक्रमण के मामलों में पुलिस सहायता लेकर अंतिम रूप से समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, सीएमओ, मुख्यमंत्री जनसुनवाई प्रकोष्ठ एवं जनसुनवाईयों में प्राप्त होने वाले प्रकरणों का त्वरित निराकरण करना सुनिश्चित करें। अधिकारी प्रकरणों को लेकर ना बैठे, अपने क्षेत्राधिकार में नहीं होने पर उच्च स्तर पर संपर्क कर निपटाएं, अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर परिवादी से व्यक्तिगत संपर्क करते हुए एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करें एवं जिले कि रैंकिंग को बेहतर करें, उन्होंने कहा कि परीवादों का संतोषजनक व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें जिससे कि परिवादी को बार बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े. उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि 30 दिनों से अधिक समय से लंबित प्रकरणों की पूरी जानकारी वाजिब कारण सहित प्रस्तुत करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट 2025-26 में जिले के संबंध में कि गई घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु उपयुक्त भूमि को चिन्हित करते हुए आवश्यक कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं एवं विभागीय योजनाओं की पात्रता के आधार पर आमजन को सभी अधिकारी स्वप्रेरित होकर लाभान्वित करें। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम कोटपूतली बृजेश कुमार, एएसपी शालिनी, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट आदि मौजूद रहे।

ज्वेलर्स की दुकान का शटर तोड़ अंदर घुसने का प्रयास

पावटा। उपखंड क्षेत्र के कस्बा मैड में बुधवार देर रात चोरों ने एक ज्वैलर्स की दुकान का शटर व ताले तोड़ कर चोरी करने का प्रयास किया, लेकिन पड़ोसी की जाग होने की वजह से चोर वारदात को अंजाम नहीं दे सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना उपखंड क्षेत्र के कस्बा मैड की है। बुधवार रात चोरों ने

- पड़ोसी के शोर मचाने पर भागे चोर, ग्रामीणों की सजगता से चोरी का प्रयास रहा विफल

कस्बा मेड के मुख्य बाजार में स्थित श्री कृष्णा ज्वेलर्स की दुकान का शटर व ताले तोड़ दिए। चोर दुकान में घुसे ही थे कि पड़ोसी युवक जीतू शर्मा रात्रि के समय उठा तो उसने देखा की ज्वेलर्स की दुकान पर दो जने शटर उखाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जिस पर उसने शोर मचाना शुरू कर दिया व जाग होने पर चोर घटनास्थल से फरार हो गए। ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना दुकान मालिक श्याम सुंदर को दी गई। वहीं पुलिस को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे दुकान मालिक श्याम सुंदर ने जेवरात संभाले, जांच पड़ताल की तो कोई गहने चोरी नहीं होना पाया गया। गनीमत रही कि किसी भी प्रकार की कोई हानि नहीं हुई। थाना क्षेत्र में शहर से लेकर गांवों तक चोरों ने आतंक मचा रखा है। आये दिन हो रही चोरी घटनाओं से लोगों में दहशत है। चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने को शहर से लेकर गांवों तक में लोग रतजगा कर रहे हैं। हर दिन किसी न किसी क्षेत्र में चोरी की घटनायें हो रही हैं। पुलिस चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व खुलासा करने में फेल साबित हो रही है। कुछ समय से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक चोरी की घटनायें काफी आये दिन चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर चोरों ने लोगों की नाक में दम कर दिया है। चौक-चौराहें की आभूषण व अन्य कीमती सामानों की दुकानों व सूने मकानों में भी चोरी घटनाएं होने लगी हैं। चोर सेंधमारी करने से लेकर लोगों के सूने मकानों के दौरान घर खंगाल दे रहे हैं। चोरी करने का प्रयास कहीं ना कहीं पुलिस की गस्त पर सवालिया निशान उठा रही है।

400 किलो दूषित पनीर पकड़ा

खैरथल। हरियाणा के मेवात क्षेत्र से नकली पनीर लाकर होटल ढाबों पर सप्लाई करने आई सफेद रंग की ईको वैन को तिजारा टोल प्लाजा पर पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस की सूचना पर खैरथल से पहुची खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव की टीम ने वैन में मिले 400 किलो दूषित बदबू युक्त पनीर को मौके पर जंगल में जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर नष्ट कराया और आरोपी मोहम्मद साज को हिरासत

- खाद्य सुरक्षा की टीम ने पहुंचकर की कार्रवाई

में लिया है।

खैरथल खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 5:00 बजे तिजारा टोल प्लाजा पर पुलिस ने संदिग्ध लगने पर सफ़ेद रंग की ईको वैन को रोककर तलाशी ली तो उसके अंदर रखीं केन में पनीर भरा हुआ था जिसमें बदबू आने पर पुलिस ने खाद विभाग को सूचना दी। सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर किशोर कुमार के निर्देश अनुसार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट के

नकली पनीर को गड्ढे में नष्ट कराते खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी हेमंत कुमार यादव।

नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा की टीम मोबाइल फ्रूट टेस्टिंग वैन के साथ मौके पर पहुंचे और पनीर की प्रारंभिक जांच की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि पकड़े गए 400 किलो पनीर की प्रारंभिक जांच में मिलावट और खराब गुणवत्ता के संकेत मिलने पर जंगल में जेसीबी की सहायता से गड्ढा खुदवा कर पनीर को मौके पर नष्ट कराया गया। तथा पनीर के लिए गए सैंपल को जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। अधिकारी ने बताया कि यह पनीर हरियाणा के मेवात क्षेत्र से लाया गया है और इसे तिजारा व आसपास के इलाकों में बेचा जाना था। आरोपी मोहम्मद साद (25 वर्ष), निवासी गुर्जर नंगला, मेवात (हरियाणा) को हिरासत में लिया गया है। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव, थानाधिकारी रामनिवास, कांस्टेबल महिपाल सिंह, फारुक खान एवं सुभाष यादव मौजूद रहे।

परिवेदनाओं को अधिकारी लेकर बैठे नहीं : कलेक्टर

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरूवार को जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा के वीसी सभागार में आयोजित की गई। जिला स्तरीय जनसुनवाई में 66 प्रकरण प्राप्त हुए। जिला कलेक्टर ने मौके पर परिवादों को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने कहा कि सभी अधिकारी राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, सीएमओ, मुख्यमंत्री जनसुनवाई प्रकोष्ठ एवं जनसुनवाईयों में प्राप्त होने वाले प्रकरणों का त्वरित निराकरण करना सुनिश्चित करें। अधिकारी प्रकरणों को लेकर ना बैठे, अपने क्षेत्राधिकार में नहीं होने पर उच्च स्तर पर संपर्क कर निपटाएं, अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर परिवादी से व्यक्तिगत संपर्क करते हुए एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करें। जिला स्तरीय जनसुनवाई में ोयजल, अतिक्रमण, भूमि विवाद, नामांतरण, चारागाह भूमि पर अतिक्रमण, अवैध निर्माण कार्य, पेंशन, पुलिस, अनुकंपा नियुक्ति, पट्टा, चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग से सम्बंधित परिवाद प्राप्त हुए जिन पर जिला कलेक्टर ने संज्ञान लेते हुए संबंधित उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी और सम्बंधित विभागों को आगामी सात दिवस में परिवारदों के निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने सभी परिवादियों को की गई कार्यवाही से अवगत कराते हुये गुणवत्तापूर्ण प्रकरण निस्तारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने आम रास्तों पर अतिक्रमण, भूमि पैमाइश के कारण आपसी विवाद, आवासीय क्षेत्रों में अतिक्रमण के मामलों में पुलिस सहायता लेकर समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिये।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट2025-26में जिले के संबंध में कि गई घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु उपयुक्त भूमि को चिन्हित कर कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।उन्होंने पूर्व बजट की सभी घोषणाओं को आगामी 28 फरवरी से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। तथा सभी विभागों को निर्देशित किया कि बजट को पढ़कर संबंधित घोषणा पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए घोषणाओं को धरातल पर लेकर आए।

नगर पालिका का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

कोटपूतली। अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण ने गुरुवार को बानसूर तहसील के तहसील कार्यालय और नगर पालिका का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठों का निरीक्षण कर कार्य व्यवस्था और अन्य कार्यों का अवलोकन किया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सम्पूर्ण तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारी से संधारित रिकॉर्ड की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। तहसील परिसर में आमजन को दी जाने वाली सेवाओं एवं सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और राजस्व प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति जानी। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियो को नियमानुसार आमजन के हितार्थ कार्य करने के निर्देश प्रदान किए।

उन्होंने राजस्व प्रकरणों के साथ आमजन की परिवेदनाओं और आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसी के साथ उन्होंने जनसुनवाई के प्रकरणों के बारे में भी पूछा और कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध ढंग से निस्तारण करें। उन्होंने फॉर्मर रजिस्ट्री शिविर में कार्ययोजना बना कर शिविरों में ज्यादा से ज्यादा पंजीकरण कर प्रगति लाने, ई-गिरदावरी के कार्य में प्रगति लाने और पुराने रिकॉर्ड को निर्देशानुसार व्यवस्थित करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने कार्यालय तहसील एवं नगर पालिका बानसूर का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि तहसील कार्यालय में आने वाले व्यक्तियों को परेशानी न हो, उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनें और उनकी समस्याओं का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान की जाए। उन्होंने तहसील में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों के बारे में पूछा और कार्यों को समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार बानसूर गजेंद्र सिंह राठौड़ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम ने नगर पालिका बानसूर का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई की व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुनिश्चित करें कि शहरी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट्स कार्यात्मक अवस्था में हो। एडीएम ने जोर देकर कहा कि आमजन को मूलभूत सुविधाओं की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने सम्पर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शहर में स्वच्छता और लाइट्स पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि शहर में आमजन के सुगम यातायात के मद्देनजर आवश्यक कार्रवाई को सुनिश्चित करें। मौके पर अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका बानसूर विशाल यादव उपस्थित रहे।

बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें

पावटा। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के आम रास्ते से लेकर वार्ड की गलियों में लगी स्ट्रीट लाइट शो-पीस बन कर रह गई है। इन गलियों में रात के समय अंधेरा छा जाता है। अंधेरे का फायदा उठाकर चोर कई वारदात को अंजाम दे चुके हैं। पालिका क्षेत्र के वार्डो व आम रास्तों में लगी स्ट्रीट लाइट महीनों से खराब पड़ी हुई है। । राहगीरों, वाहनचालकों एवं वार्डवासियों ने स्ट्रीट लाइट की समस्या को लेकर नगरपालिका के अधिकारी को शिकायत कर ली है लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। पालिका क्षेत्र में आसपास के वार्डों व आम रास्तों में स्ट्रीट लाइटें तो लगी हैं लेकिन इनमें से अधिकतर लाइटें खराब पड़ी हैं या बंद पड़ी हुई है। लोगों ने नगरपालिका से लाइटें ठीक करवाने की मांग की है। शहर को रोशन करने की जिम्मेदारी नगर पालिका की है।

एक करोड़ 15 लाख रुपए की राशि स्वीकृत

शाहपुरा। जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से सांसद राव राजेंद्र सिंह की अभिषशां पर जिला परिषद जयपुर ने सांसद कोष से 1 करोड 15 लाख रुपए की राशि की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की। जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि सांसद राव राजेंद्र सिंह ने जयपुर ठाामीण लोकसभा क्षेत्र की शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के श्री टीबावाले बालाजी मंदिर के पास लेटकाबास में सामुदायिक भवन के लिए 15 लाख रुपए, कुमावत समाज धर्मशाला के पास साईवाड में सामुदायिक भवन के लिए 11 लाख रुपए, श्री नृसिंह मंदिर के पास बिलान्दरपुर में चबूतरे पर डोम के लिए 11 लाख रुपए, गायत्री नगर में धर्मशाला, वार्ड नं 30 शाहपुरा में धर्मशाला छत के लिए 11 लाख रुपए, श्री त्रिवेणी गंगा मंदिर के पास रैगर धर्मशाला, त्रिवेणी धाम में पुस्तकालय भवन के 15 लाख रुपए, झोटवाडा विधानसभा क्षेत्र के खटीकों का मोहल्ला वार्ड नंबर 13 नगर पालिका जोबनेर में सामुदायिक भवन के 25 लाख रुपए, विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लुणाजी, कैरोडी में सार्वजनिक सामुदायिक भवन मय चारदीवारी के लिए 10 लाख रुपए, कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोलाहेडा में पुस्तकालय भवन के 7 लाख रुपए, टापरी रोड कोटपुतली में सार्वजनिक मेघवाल महिला छात्रावास भवन के लिए 10 लाख रुपए की राशि स्वीकृत करने पर लोकसभा क्षेत्र वासियों ने खुशी मनाते हुए जयपुर ठाामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह का आभार प्रकट किया।

एक गिरफ्तार

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती सरूण्ड थाना पुलिस ने 45 घुघरु देशी सादा शराब के पव्वों सहित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जयपुर रेंज आईजी अजयपाल लाम्बा, एसपी राजन दुष्यन्त व एएसपी वैभव शर्मा एवं डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के निर्देशन मे लोकल एवं स्पेशल एक्ट की कार्यवाही के तहत बुधवार 19 फरवरी को थानाधिकारी बाबूलाल नेतृत्व में टीम गठित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। टीम द्वारा आसुचना संकलन कर विक्की होटल के पास शिव भोले टी स्टार की दुकान के पास गोरधनपुरा में मुल्जिम अशोक (45) पुत्र श्रीराम यादव निवासी बालावास थाना बानसुर के कब्जे से 45 घुघरु देशी सादा शराब के पव्वों से भरा एक गत्ता कार्टुन जप्त कर उक्त मुल्जिम को गिरफ्तार किया गया एवं उक्त घटना के संबंध में अभियोग संख्या 52/2025 धारा 19/54 आबकारी अधिनियम में कायम कर अनुसंधान किया जा रहा है।

धारीवाल ने कोचिंग सेंटर्स में काउंसलर्स नहीं रखने का मुद्दा उठाया तो मचा हंगामा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने कोचिंग सेंटर्स में काउंसलर्स नहीं रखने को लेकर गुरुवार को विधानसभा में सवाल उठाए, जिस पर सदन में हंगामा मच गया।

दरअसल धारीवाल का सवाल लंबा हो रहा था और स्पीकर ने उन्हें टोकते हुए कहा कि आप सवाल पूछिए, भाषण मत दीजिए। इस दौरान धारीवाल की भाजपा विधायकों से भी बहस हो गई। नेता प्रतिपक्ष ने बीच में टोकाटाकी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मंत्री ही सदन में बाधा डाल रहे हैं।

शांति धारीवाल ने कोचिंग संस्थानों में काउंसलर रखने की केंद्र की गाइडलाइन के बावजूद इसका पालन नहीं होने पर सवाल उठाया। धारीवाल ने कहा कि सरकार ने कोचिंग सेंटर्स में जाकर यह चेक क्यों नहीं किया कि कहां काउंसलर है या नहीं।

इस पर स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाले बच्चों की मेंटल हेल्थ के लिए काउंसलर रखने का प्रावधान है। जयपुर, कोटा और जोधपुर में काउंसलर रखे भी गए हैं।

राज्य सरकार कोचिंग सेंटर्स को लेकर बिल भी लाने जा रही है। यह बिल इसी सत्र में लाया जाएगा। अभी जब तक बिल नहीं आ जाता, तब तक सरकार के पास कोचिंग सेंटर में जाकर दखल देने का कानूनी अधिकार नहीं है। हम कोचिंग सेंटर्स पर जाकर दादागिरी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा प्रदेश में 105 साइकोलॉजिस्ट एवं 270 काउंसलर की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसके माध्यम से कोटा जिले में हो रहे आत्महत्या के मामलों को नियंत्रित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा संचालित टेली मानस हेल्पलाइन नंबर 1889 एवं 14416 के माध्यम से भी प्रदेश के युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य की सेवाएं प्रदान की जा रही है। प्रदेश में गत डेढ़ वर्ष में इस हेल्पलाइन नंबर पर 27 हजार कॉल्स प्राप्त कर उनकी काउंसलिंग की गई है।

- **धारीवाल ने पूछा सरकार ने कोचिंग सेंटर्स चेक क्यों नहीं किए?**
- **मंत्री खीवसर ने जवाब दिया कि ''राज्य सरकार कोचिंग सेंटर्स को लेकर बिल इसी सत्र में लाएगी''**

इससे पहले विधायक शांति धारीवाल के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि विगत एक वर्ष में कोटा में कोचिंग प्राप्त कर रहे कुल 19 छात्रों ने आत्महत्या की है। छह जुलाई 2023 की विभागीय स्वीकृति द्वारा साइकोलोजिकल काउंसलिंग सेंटर की स्थापना कर तीन पद क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट एवं छह पद काउंसलर के सृजित करने की स्वीकृति जारी की गई थी। वर्तमान में नवीन चिकित्सालय कोटा में स्थित साइकोलोजिकल काउंसलिंग सेन्टर में एक साइकोलॉजिस्ट एवं चार काउंसलर संविदा पर कार्यरत हैं। साइकोलोजिकल काउंसलिंग सेन्टर में काउंसलिंग का कार्य साइकोलॉजिस्ट विभाग में पदस्थापित फैकल्टी, रेजीडेंट चिकित्सकों एवं क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट द्वारा संपादित किया जा रहा है। वर्ष 2024 में इस सेन्टर में कुल 462 छात्रों की काउंसलिंग अथवा उपचार किया गया है।

अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता के माध्यम से लाभान्वित करें : दक

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने गुरुवार को नेहरू सहकार भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष से संबंधित प्रदेश की वार्षिक कार्ययोजना एवं कैलेण्डर का विमोचन किया।

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के दौरान राज्य में सहकारी आन्दोलन को अधिक मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़ने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता बढ़नी चाहिए ताकि लोगों का विश्वास सहकारिता में कायम रहे।

मंत्री गुरुवार को नेहरू सहकार भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष से संबंधित प्रदेश की वार्षिक कार्ययोजना एवं कैलेण्डर के विमोचन के बाद राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश भर से सहकारिता विभाग के अधिकारी-कर्मचारी वीडियो कॉन्फ्रेंस से माध्यम से शामिल हुए।

दक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है, लेकिन देश में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में वर्ष 2021 से ही कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत 54 पहलों के माध्यम से देश में सहकारी सेक्टर सशक्त हो रहा है। जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र का योगदान 40 प्रतिशत हो, इसके लिए सभी को अपनी भूमिका समझते हुए कर्तव्यों का जिम्मेदारी से निर्वहन करना होगा।

- **अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान पूरे वर्ष आयोजित होंगी गतिविधियां**
- **सशक्त होगा सहकारी आन्दोलन, 'सहकार से समृद्धि' का संकल्प होगा साकार**

कार्यक्रम में अतिरिक्त रजिस्ट्रार इन्दर सिंह, संजय पाठक, भोमाराम एवं संदीप खण्डेलवाल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान पूरा विभाग दोगुने उत्साह के साथ काम करेगा और राज्य को देश में रोल मॉडल स्टेट के रूप में स्थापित करेगा। इस अवसर पर सभी फंक्शनल अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मशहूर संगीतकार मदनमोहन की लाडली संगीता गुप्ता का निधन

-प्रकाश भण्डारी-

जयपुर। गज़लों और नज़्मों की रूहानी तर्ज्जों के लिए जाने वाले प्रसिद्ध संगीतकार स्वर्गीय मदनमोहन की लाडली संगीता गुप्ता का गुरूवार को यहां निधन हो गया। वह अपने पीछे पति राजीव गुप्ता और दो पुत्रिया पुतुल और सुहासिनी तथा भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं।

संगीता ने अपने पिता की जन्मशताब्दी पर अपने पिता की स्मृतियों पर न सिर्फ लेख लिखा बल्कि अपने संगीतकार पिता के जीवन से सम्बन्धित कई घटनाओं को पृथ्वी हल्दिया द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में स्वयं मंच पर बैठकर दर्शकों को जानकारी दी। जो बड़ा और मोहक सजीव था। ''इबादत का सफर'' नामक कार्यक्रम में प्रस्तुत इस कार्यक्रम में मदन मोहन जी के संगीत निर्देशन में मजरूह सुलतानपुरी, शैलेन्द्र, राजेन्द्र कृष्ण की नज़्मों को गाकर सुनाया गया

स्व.संगीता गुप्ता

था, जिसमें संगीता ने गीतों से जुड़ी अपने पिता की स्मृतियों को रोचक ढंग से पिरोकर पेश किया।

संगीता का जन्म बम्बई में हुआ और उनका प्रेम विवाह जयपुर के व्यवसायी राजीव गुप्ता से 1982 में हुआ। बम्बई में पली बड़ी संगीता ने बतौर पत्रकार स्टारडस्ट और ईव्स वीकली में भी कार्य किया और विवाह के बाद वह जयपुर में एक आदर्श गृहणी की तरह अपने पति और उनके परिवार केसाथ रहने लगी।

संगीता अपने माता-पिता की सबसे पहली सन्तान थी और बचपन में उन्हें स्वर कोकिला और भारत रत्न लता मंगेशकर का प्यार मिला। संगीता के विवाह में भी लता मंगेशकर शामिल हुई और अविवाहित लता मंगेशकर ने जीवन भर संगीता को अपनी बेटी जैसा ही दुलार दिया।

संगीता का बचपन संगीत के माहौल में गुजराऔर माता-पिता ने इसी कारण उनका नाम संगीता रखा। वहअपने दो भाईयों संजीव और समीर के साथ रही और पली-बड़ी अपने पिता की स्मृतियों के बारे में कहते हुए वह सब बातें संगीता ने बताई जिसकी जानकारी आम फिल्म प्रेमियों को भी नहीं थी। इन लेखों और भेटवार्ताओं के जरिए उन्होंने पिता मदन मोहन जी के संघर्षों की कहानी और उनसे निपटने के हौसले का भी बयान किया है।

संगीता ने उनके हर मशहूर गीत को कैसे पिता ने मेहनत से स्वरबद्ध किया इसकी जानकारी दी। विशेषकर लता मंगेशकर के बारे में।

संगीता की माँ पंजाब के प्रसिद्ध क्रान्तिकारी मदन लाल ढिंगरा की भतीजी थी इस कारण संगीता में राष्ट्रीयता कूट-कूट कर भरी हुई थी।

संगीता प्रसिद्ध गज़ल गायक जगजीत सिंह को उस सय से जानती थी जब वह गंगानगर से बम्बई भाग्य आजमाने गए थे और उन्हें किस तरह मदन मोहन जी ने प्रोत्साहन दिया। संगीता को जगजीत सिंह बहन मानते थे। जयपुर के सामाजिक सर्किट में एक जाना-पहचाना नाम संगीता एक बड़ी सहज और मिलनसार महिला थी। उन्हें क्रिकेट की हस्ति राजसिंह डूंगरपुर का भी पूरा आर्शिवाद प्राप्त था और वह जयपुर जब भी आते संगीता से मिलते थे।

सारिका सिंह बनी प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष राखी गौतम के स्थान पर सारिका सिंह को प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा की ओर से छह प्रदेशों की महिला अध्यक्षों की घोषणा में सारिका सिंह को राजस्थान प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई है। सारिका सिंह मूल रूप से चूरू जिले की रहने वाली है और नागौर जिले के कुचामन में इनका विवाह हुआ था। वहां वह पर शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी हुई है। सारिका सिंह कांग्रेस के प्रशिक्षण विभाग से लंबे समय से जुड़ी हुई है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव आज, राठौड़ का नाम लगभग तय

जयपुर। भाजपा प्रदेश संगठन चुनाव के तहत शुक्रवार को भाजपा में प्रदेशाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए प्रक्रिया शुरू होगी। इसमें मदन राठौड़ का नाम लगभग तय माना जा रहा है। यदि एक से ज्यादा नामांकन हुए तो शनिवार को वोटिंग होगी।

तय कार्यक्रम के अनुसार, शुक्रवार दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरे जाएंगे। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच होगी। शाम 5 से 6 बजे तक नाम वापसी हो सकेगी। इसके साथ ही शुक्रवार को बचे 4 जिला अध्यक्षों के नाम की भी घोषणा हो सकती है। प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव के लिए केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल को केंद्रीय पर्यवेक्षक और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। इन दोनों की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होगी। शुक्रवार को प्रदेश से 25 राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का भी निर्वाचन होगा। जो राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव प्रक्रिया में शामिल होंगे।

मदन राठौड़ का प्रदेशाध्यक्ष बनना तय मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का निर्वाचित होना तय माना जा रहा है। मदन राठौड़ की प्रदेशाध्यक्ष पद पर 26 जुलाई 2024 को नियुक्ति हुई थी। ऐसे में उन्हें इस पद पर करीब 7 माह का समय ही हुआ है। हालांकि भाजपा की ओर से मैसेज देने के लिए राठौड़ के अलावा एक-दो नेताओं के नामांकन फॉर्म भरवा सकती है। फिर सभी फॉर्म नाम वापसी के समय वापस ले लिए जाएंगे।

पिछली घोषणाएं पूरी नहीं हुईं, फिर नई घोषणाएं कर दी : गणेश घोघरा

जयपुर, (वि.सं.)। बजट बहस में नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि यह सरकार जाते-जाते राजस्थान पर 10 लाख करोड़ का कर्ज जनता पर छोड़कर जाएगी। 2 साल में राजस्थान की सरकार ने डेढ़ लाख करोड़ कर्ज ले लिया है। इस सरकार का जाना तो तय है। धारीवाल ने कहा कि आज आर्थिक हालत खराब हैं। भाजपा वाले मंगलसूत्र छीनने की बात करते थे, मंगलसूत्र तो आप ही छीन रहे हो और कौन छीन रहा है। विदेशी निवेशक पैसा निकाल कर जा रहे हैं।

हालत क्या है, आज के हालात यह हैं कि लोग अपना सोना गिरवी रख कर खर्च चला रहे हैं और ये बातें करते हैं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की। धारीवाल ने कहा कि आदिवासी कल्याण पर 1500 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया, एक पैसा खर्च नहीं किया। अनुप्रति योजना में 30000 कोचिंग छात्रों को सहायता देने का बजट में प्रावधान रखा था। अभी तक कोचिंग का चयन तक नहीं हुआ है। एक भी छात्र को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति नहीं दी गई।

- **भाजपा सरकार जाते-जाते 10 लाख करोड़ का कर्ज जनता पर कर देगी : धारीवाल**

कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा ने कहा कि बजट में नई घोषणाएं करके झुनझुना पकड़ा दिया। पिछले बजट की घोषणाएं अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। जल जीवन मिशन के तहत गांवों की सड़कें खोद दी गई हैं। पानी की एक बूंद नहीं है। हमारे क्षेत्र में एक टंकी भी नहीं बनी है। घोघरा ने कहा कि पिछले बजट में हर विधानसभा क्षेत्र में 10-10 हैंडपंप और 5-5 ट्यूबवेल बनाने की घोषणा की गई थी। मेरे विधानसभा क्षेत्र में एक भी हैंडपंप नहीं लगा है। घोषणाओं का यही हाल है। अब 1000 ट्यूबवेल और 1500 हैंडपंप की घोषणा की गई है, पिछले बजट में जो घोषणा की गई थी, उन्हें दे दीजिए।

विधानसभा में स्वर्गीय विश्नोई को पुष्पांजलि

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को यहां पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. पूनम चन्द विश्नोई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी जयन्ती पर पुष्पाजंलि अर्पित की। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, पूर्व विधायक नवरंग सिंह, प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोत्तम शर्मा, स्व. विश्नोई के परिजन सहित विधान सभा के अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने पूर्व विधान सभा अध्यक्ष के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की।

आप वो मुसाफिर हैं जो कभी घर से बाहर नहीं निकले : सुभाष मील

जयपुर, (वि.सं.)। भाजपा विधायक सुभाष मील ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आप वो मुसाफिर हैं जो कभी घर से बाहर नहीं निकले। हमने काम शुरू किया है, भले ही देर से हो। मील ने कहा कि जो लोग राम जल सेतु परियोजना पर आरोप लगा रहे थे, इस सरकार ने 12000 करोड़ से ज्यादा की स्वीकृतियां जारी कर दी हैं, आप चाहे जितने भी आरोप लगा लें, जनता देख रही है, हमारी नीयत देख रही है। यह सरकार हर वर्ग का दुख-दर्द समझती है।

भाजपा विधायक पुष्पेंद्र सिंह ने कांग्रेस की पिछली सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जाते-जाते लोन लेकर रेवड़ियां बांटीं, जबकि भाजपा सरकार ने पहले बजट की 73 घोषणाएं पूरी कर दीं। विधायक ने कहा कि कांग्रेस राज में तीन साल तो केवल घोषणाएं हुईं, बजट जमीन पर आया ही नहीं। हमारी अन्नपूर्णा रसोई योजना को बंद कर दो साल बाद इंदिरा गांधी के नाम से चालू किया। चुनाव से पहले फ्री बिजली की योजना शुरू की। 500 रुपए में गैस सिलेंडर की घोषणा की, जबकि हमने आते ही 450 रुपए में सिलेंडर देना शुरू किया। सिंह ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने जाते-जाते जो खाद्य किट बांटे, वो गरीब आदमी के लिए घर ले जाने लायक नहीं थे। तेल बदबूदार था, दाल-मसाले सहित सभी आइटम बदबू मार रहे थे। गरीबों के साथ मजाक किया गया। कांग्रेस ने जाते-जाते शहरी रोजगार योजना शुरू की। अगर यह योजना शुरुआत में ही कर लेते तो शायद हमें सरकार में आने का मौका ही नहीं मिलता।

- **लोन लेकर बांटी रेवड़ियां, हमने 73 फीसदी वादे पूरे किए : पुष्पेंद्र सिंह**

कैप्टन अरविंद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

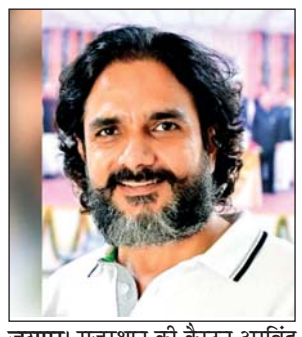

जयपुर। राजस्थान की कैप्टन अरविंद को एआईसीसी के वार रूम का उपाध्यक्ष बनाया गया है। कैप्टन अरविंद सीकर जिले के रहने वाले हैं और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी में पदाधिकारी रह चुके हैं। कैप्टन अरविंद ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

आश्चर्य की बात कि वी.आर.एस. स्वीकार किया, लेकिन परिलाभ देने से कर दिया इनकार : हाईकोर्ट

- **'ग्रामीण विकास विभाग ने ग्राम सेवक का वीआरएस आवेदन तो स्वीकार कर लिया, लेकिन उसे यह कहते हुए परिलाभ देने से इनकार कर दिया कि उसने तय पन्द्रह साल की सेवा पूरी नहीं की है'**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि यह बडे आश्चर्य की बात है कि ग्रामीण विकास विभाग ने ग्राम सेवक का वीआरएस आवेदन तो स्वीकार कर लिया, लेकिन उसे यह कहते हुए परिलाभ देने से इनकार कर दिया कि उसने तय पन्द्रह साल की सेवा पूरी नहीं की है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह याचिकाकर्ता के सेवाकाल की गणना कर उसे परिलाभ अदा करें। वहीं अदालत ने परिलाभ पर नौ फीसदी ब्याज भी अदा करने को कहा है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश रामनिवास याचिका की 12 साल पुरानी याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता एमएस यादव ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अक्टूबर, 2007 को चिकित्सीय आधार पर 1 फरवरी, 2008 से वीआरएस लेने के लिए आवेदन किया था। आवेदन को बीडीओ, नीमराणा ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, अलवर को भेज दिया। वहीं मामला पंचायत समिति की साधारण सभा में रखा गया और वीआरएस आवेदन को स्वीकार कर लिया गया। इस पर याचिकाकर्ता ने प्रार्थना पत्र पेश कर उसे सेवानिवृत्ति परिलाभ देने को कहा। इस प्रार्थना पत्र को विभाग ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उसने वीआरएस के लिए न्यूनतम पन्द्रह साल की सेवा नहीं की है। ऐसे में उसे परिलाभ नहीं दिया जा सकता। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता यदि वीआरएस के लिए पात्र नहीं था तो विभाग को उसका आवेदन खारिज करना चाहिए था। वहीं यदि उसके वीआरएस आवेदन को स्वीकार किया गया है तो फिर सेवानिवृत्ति परिलाभ से इनकार नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने स्वयं की चिकित्सीय आधार पर वीआरएस मांगा था। इसलिए उसे स्वीकार किया गया। वहीं सेवानिवृत्ति परिलाभ के लिए पन्द्रह साल की सेवा जरूरी होती है। याचिकाकर्ता की सेवा पन्द्रह साल की नहीं होने के कारण उसे परिलाभ नहीं दिए गए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता को पेंशन परिलाभ ब्याज सहित अदा करने को कहा है।

प्रदेश के हर क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पेश किया बजट : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुए लोक हितकारी, जन हितकारी बजट पेश किया है। वित्त मंत्री दिया कुमारी ने आमजन के जीवन स्तर को उंचा उठाने के लिए बजट में विशेष फोकस किया है। इस बजट में किसानों की चिंता की गई, महिलाओं के साथ युवाओं और गरीब के साथ सभी वर्गों की चिंता की गई है। राठौड़ गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में भजनलाल शर्मा सरकार के शानदार बजट के बाद आयोजित आतिशबाजी कार्यक्रम में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

राठौड़ ने विपक्ष की ओर से बजट के बाद किए जा रहे विरोध पर कहा कि यह लोकतंत्र है, लोकतंत्र में विपक्ष को बोलने की आजादी है लेकिन अगर वो सोचते कि कांग्रेस ने कभी किसान सम्मान निधि देने के बारे में सोचा है क्या, कांग्रेस ने कभी आमजन को सौलर प्रोजेक्ट लगाने और 150 यूनिट फ्री देने के बारे में सोचा भी है क्या, नहीं सोचा। विपक्ष केवल आरोप लगा रहा है, जबकि विपक्ष को सकारात्मक भूमिका अदा करनी चाहिए। विपक्ष अगर सही सलाह देगा, राय देगा तो सत्ता पक्ष उस पर जरूर कार्य करेगा, लेकिन विरोध करना है इस लिए विरोध किया जाए, यह सही नहीं है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विगत दिनों केंद्र सरकार की ओर से पेश किए गए केंद्रीय बजट 2025-26 में भी राजस्थान का विशेष ध्यान रखा गया है। केंद्र की तर्ज पर प्रदेश की भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा सर्वस्पर्शी, सर्व हितैषी बजट पेश कर मिशाल कायम करने का कार्य किया है। भजनलाल शर्मा आम कार्यकर्ता से लेकर चार बार के प्रदेश महामंत्री और फिर सीएम के पद पर कार्य कर रहे है, ऐसे में वे प्रदेश के हर क्षेत्र की जरूरत से वाकिफ है। उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर प्रदेश के अंतिम पंक्ति तक के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट पूर्व प्रदेश के बुद्धिजीवी वर्ग, जनप्रतिनिधिगण, पूर्व जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, उद्योगपतियों के साथ सीए-सीएस, अधिवक्ताओं से सलाह-मशविरा कर बजट तैयार किया था, उन सभी की राय को बजट में समावेश करने का भी प्रयास किया। ऐसे में यह बजट सर्व स्पर्शी होना तय था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि शानदार बजट के साथ दूसरी खुशी नई दिल्ली में 26 साल बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनना है। आम आदमी पार्टी ने स्वच्छ प्रशासन देने का वादा किया लेकिन भ्रष्टाचार में आकंठ तक डूबे हुए केजरीवाल ने अन्ना हजारे के मंसूबों पर पानी फेरने का कार्य किया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया बाइट के दौरान मंच पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, महामंत्री दामोदर अग्रवाल, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, अजीत मांढण, जयपुर हेरिटेज मेयर कुसुम यादव, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और जयपुर शहर नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष अमित गोयल उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित किया।

- **'वित्त मंत्री दिया कुमारी ने लोकहितकारी, जनहितकारी और सर्व स्पर्शी बजट पेश कर कायम की मिसाल'**
- **भाजपा प्रदेश कार्यालय में बजट को लेकर मनाया गया जश्न, हुई आतिशबाजी**

वहीं आतिशबाजी कार्यक्रम के दौरान जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, विधायक कालीचरण सराफ, उप महापौर पुनीत कर्नावट, भाजपा नेता रवि नैय्यर, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, रजनीश चनाना, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष हमीद मेवाती, महिला मोर्चा शहर अध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी सहित भाजपा पदाधिकारी, नगर निगम के विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, पार्षद, मोर्चा, विभाग, प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरपीएस हीरालाल को बहाल करने के आदेश पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत एकलपीठ ने महिला कांस्टेबल के साथ स्विमिंग पूल में अश्लीलता करने के मामले में आरपीएस हीरालाल सैनी को बर्खास्त करने के आदेश को रद्द कर दिया था। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि आरपीएस हीरालाल सैनी और एक महिला कांस्टेबल का स्वीमिंग पूल में अश्लील हरकतों के वीडियो के आधार पर उसे सेवा से हटाया गया था। वहीं एकलपीठ ने उसे सेवा में लेते हुए समस्त परिलाभ के साथ समान पद पर सेवा में लेने को कहा था। इसके साथ ही एकलपीठ ने छूट दी थी कि मामले की गई चार्जशीट के आधार पर जांच की जा सकती है। महाधिवक्ता ने कहा कि एकलपीठ ने एक ओर चार्जशीट के आधार पर जांच करने की छूट दे दी, वहीं दूसरी ओर हीरालाल की बर्खास्तगी आदेश को भी रद्द कर दिया। ऐसे में दो विरोधाभासी आदेश एक साथ नहीं दिए जा सकते। इसके अलावा राज्य सरकार को शक्ति प्राप्त है कि वह ऐसे शर्मनाक कृत्य के आधार पर दोषी पर कार्रवाई कर सकती है। इसलिए एकलपीठ के आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि साल 2021 में हीरालाल सैनी और महिला पुलिसकर्मी का स्वीमिंग पूल का अश्लील वीडियो वायरल हुआ था।

सोशल मीडिया पर एक स्टोरी पोस्ट की। जिसमें उन्होंने लिखा कि, मैं जितना गिन सकता हूं भगवान ने मुझे उससे ज्यादा बचाया है। तो मैं सिर्फ वो ही समय याद कर सकता हूं जब मुझे बचाया गया।
- युजवेन्द्र चहल

भारतीय गेंदबाज, अपनी शादीशुदा जिदंगी की अफवाहों को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

अक्षर पटेल

भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा है। लेकिन इस मैच में स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल हैट्रिक लेने से चूक गए। इस मैच में पहली पारी में अक्षर पटेल ने 9वें ओवर में दो गेंदों पर दो विकेट ले लिए थे और तीसरी गेंद पर उनकी गेंद पर जाकेर अली ने जो शॉट खेला वो स्लिप में चली गई वहां खड़े भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से उनका कैच छूट गया। इसके साथ ही अक्षर पटेल चैंपियंस ट्रॉफी में अपना हैट्रिक पूरा करने से रह गए। लेकिन गेंद फिर उनके हाथों से फिसल गई और इस कैच के छूटने के बाद कप्तान रोहित शर्मा बुरी तरह से झुंझला गए।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट खिलाड़ियों की आत्म कथाओं की पुस्तक का सबसे छोटा नाम पाकिस्तानी क्रिकेटर जहीर अब्बास की पुस्तक का है। इसका शीर्षक जेड है।

अमन की घातक गेंदबाजी से बिमल एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 20 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में बिमल क्रिकेट एकेडमी ने अमन पारीक 11 रन पर 6 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदोलत बारवाल क्रिकेट एकेडमी को 10 विकेट से हरा कर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर बारवाल क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी कर निर्णय लिया लेकिन मोहित 21 रन, आबिद 12 रन तथा नमन जैन 10 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बिमल क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजो अमन पारीक 11 रन पर 6 विकेट, मोहम्मद जैद 15 रन पर 2 विकेट तथा वरूण 18 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सका और बारवाल क्रिकेट एकेडमी की पूरी टीम 13.1 ओवर में ही मात्र 57 रन बनाकर सीमट गई। जवाबी पारी में कप्तान केशव तिवाड़ी 34 रन नाबाद तथा प्रथम मिश्रा 9 रन नाबाद तथा 15 अतिरिक्त रनों की मदद से विजय लक्ष्य 58 रन 6.2 ओवर में ही आसिल कर 10 विकेट से अपनी टीम को आसान जीत दिला दी। इससे पूर्व आज प्रतियोगिता का उद्घाटन सुनील शर्मा चेयरमैन सुरेशज्ञान विहार यूनिवर्सिटी जगतपुरा ने खिलाड़ीयों से परिचय प्राप्त कर किया। मैन ऑफ दा मैच अमद पारीक (11 रन पर 6 विकेट) बिमल क्रिकेट एकेडमी रहे। प्रतियोगिता का अगला मैंच सोमवार 24 फरवरी 2025 को खेला जायेगा।

हिमाक्षी पुरोहित ने अंडर-17 कैडेट फेंसिंग में जीता स्वर्ण पदक

जयपुर, 20 फरवरी। राजस्थान के डूंगरपुर जिले की उभरती हुई फेंसर हिमाक्षी पुरोहित ने द्वितीय अस्मिता खेलो इंडिया फेंसिंग लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-17 कैडेट फॉयल स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 15 से 19 फरवरी 2025 तक हल्द्वानी, उत्तराखंड में आयोजित हुआ, जिसमें देशभर के बेहतरीन युवा फेंसिंग खिलाड़ियों ने भाग लिया। हिमाक्षी ने अपनी असाधारण कौशल, तेज़ी और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर इस कठिन प्रतियोगिता में विजय प्राप्त की। यह जीत उनके खेल के प्रति समर्पण और कठोर प्रशिक्षण का प्रमाण है, जिसे उन्होंने अपने कोचों के मार्गदर्शन में हासिल किया है। राजस्थान फेंसिंग एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने हिमाक्षी पुरोहित को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। हिमाक्षी का अगला लक्ष्य आगामी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अपनी जीत की लय को बनाए रखना और फेंसिंग की दुनिया में और भी अधिक प्रतिष्ठा प्राप्त करना होगा।

राजस्थान के अनिल कुमार ने जीता स्वर्ण पदक

जयपुर, 20 फरवरी। पुणे में आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज टूर्नामेंट में राजस्थान के अनिल कुमार ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कुमार ने 125 किलोठााम वर्ग के सेमी फाइनल में हरियाणा और फाइनल में महाराष्ट्र के पहलवान को हरा कर प्रतियोगिता में पदक हासिल किया। अनिल कुमार वर्तमान में राजस्थान के अल्पसंख्यक मामलात विभाग के निदेशालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत है। वे पूर्व में 6 बार राजस्थान केसरी व 2 बार राष्ट्रीय पदक विजेता रहे हैं।

ओवेस ने जीता 5वां रोशन लाल नैयर मेमोरियल राजस्थान ओपन टूर्नामेंट का खिताब

जयपुर, 20 फरवरी। राजापार्क स्थित सिंह बिलियर्ड्स में ओवेस ने जीता 5वां रोशन लाल नैयर मेमोरियल राजस्थान ओपन टूर्नामेंट का खिताब। सिमरनजीत सिंह और ओवेस का खेलने का प्रदर्शन असमंजस भर रहा। कभी ओवेस आगे तो कभी सिमरनजीत सिंह आगे। लेकिन इसी कशमकश में ओवेस ने सिमरनजीत सिंह को 90-2, 21-69, 46-48, 60-57, 64-55 से हरा कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि रवि नय्यर आवर संघ प्रचारक अरुण कुमार शर्मा थे। दोनो ने विजेता ओर उपविजेता को ट्रॉफी प्रदान की। सिंह बिलियड्र्स के अमनपाल सिंह ने सभी को धन्यवाद दिया।

गिल का नाबाद शतक, भारत ने बंग्लादेश को छह विकेट से हराया

दुबई 20 फरवरी । मोहम्मद शमी (पांच विकेट) और हर्षित राणा (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद शुभमन गिल (नाबाद 101) के शतक, केएल राहुल (नाबाद 41) और रोहित शर्मा (41) रनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत भारत ने गुरुवार को चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे मुकाबले में 21 गेंदें शेष रहते बंगलादेश को छह विकेट से हरा दिया।

बंगलादेश के 228 रन के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारत की कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोडी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 69 रन जोड़े। 10वें ओवर में तसकीन अहमद ने रोहित शर्मा को आउट कर बंगलादेश को पहली सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 36 गेंदों में सात चौकों की मदद से (41) रनों की पारी खेली। विराट कोहली (22), श्रेयस अय्यर (15) और अक्षर पटेल (आठ) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये के एल राहुल ने शुभमन गिल से पारी को संभाला। शुभमन गिल ने 129 गेंदो में नौ चौके और दो छक्कों की मदद से (नाबाद 101) रनों की पारी खेली। के एल राहुल ने 47 गेंदों में एक चौके और दो छक्का लगाते हुए (नाबाद 41) रन बनाये। के एल राहुल ने तनजीम हसन साकिब की गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। भारत ने 46.3 ओवर में चार विकेट पर 231 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीता।

बंगलादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने दो विकेट लिये। तसकीन अहमद और मुस्तफ़िज़ुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां बंगलादेश के कप्तान नाजमुल हसन शान्तो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 35 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गवां दिये। सौम्य सरकार (शून्य) और कप्तान नजमुल शान्तो (शून्य), मेहदी हसन मिराज(पांच), तंजिद हसन (25) और मुशफिकुर रहीम (शून्य) पर आउट हुये। ये पांचों बल्लेबाज मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल और हर्षित राणा की धारदार गेंदबाजी के आगे ढ़ेर हो गये।

इवेंट के बादशाह हैं मोहम्मद शमी

चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में की रिकॉर्ड तोड़ गेंदबाजी

दुबई 20 फरवरी । आईसीसी वनडे टूर्नामेंट के साथ भारतीय गेंदबाज मोहम्मद शमी बेहतरीन तालमेल है। यही कारण है की मोहम्मद शमी भारत के सबसे सफल गेंदबाज आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में बन गए हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले ही मैच में मोहम्मद शमी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पंजा खोला और भारतीय टीम के लिए मैच जीतने के दरवाजे खोल दिए। शमी ने जसप्रीत बुमराह की कमी खलने नहीं दी है जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं।मोहम्मद शमी ने इस मुकाबले के दौरान तीसरा विकेट लेते ही 200 विकेट वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए। सबसे कम गेंदों में वे इस उपलब्धि पर पहुंचने वाले पहले गेंदबाज बने।शमी ने 10 ओवर गेंदबाजी की, कुल 53 रन देकर उन्होंने 5 विकेट अपने नाम किए। ये आईसीसी इवेंट में उनका पांचवां फाइव विकेट हॉल था। अभी तक कोई भी गेंदबाज 3 से ज्यादा बार आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में 5 विकेट हॉल प्राप्त नहीं कर पाया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में कितने खतरनाक हैं।

चोटिल फखर जमान चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर

कराची 20 फरवरी। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमान चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गये है।

फखर को कल टूर्नामेंट की शुरुआती मुकाबले शाहीन शाह अफरीदी की गेंद पर विल यंग की गेंद पर कवर ड्राइव का पीछा करते हुए चोट लग गई थी और मैदान में उपचार के बाद उन्हें बाहर जाना पड़ा था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फखर की जगह इमाम-उल-हक को टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है।

सुराणा क्रिकेट एकेडमी ने नीरजा मोदी एकेडमी को हराया

जयपुर, 20 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में सुराणा क्रिकेट एकेडमी ने नीरजा मोदी एकेडमी को 113 रनों से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में नीरजा मोदी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले सुराणा क्रिकेट एकेडमी को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

सुराणा क्रिकेट एकेडमी ने साकेत शर्मा के 33 रन, अनिल सैनी के 23 रन, राजवीर सिंह 56 रन, प्रशांत यादव 38 रन, विकास झरवाल के 70 रन, अभिषेक यादव के 17 रन, लोकेश खांडल के 15 रनों से 48.3 ओवर में 318 रनों का स्कोर बनाया। नीरजा मोदी एकेडमी के लिए निखिल कोहली ने 59 पर 4, हर्षित शर्मा ने 39 पर 3, पर्व झालानी, प्रद्युम्न शर्मा व सार्थक शर्मा ने 1 - 1 विकेट लिए। जवाबी पारी में नीरजा मोदी एकेडमी की टीम तरुण शर्मा के 61, सचिन देव के 23 रन, चिराग शर्मा के 49 रन, सिद्धांत शर्मा के 35 रन, प्रद्युम्न के 14 रन व पर्व झालानी के 10 रनों से 41.4 ओवर में 205 रन बनाकर आउट हो गई।

सुराणा क्रिकेट एकेडमी के लिए राजवीर सिंह ने 19 पर 5, अभिषेक यादव ने 51 पर 2, विकास झरवाल व शक्ति चौहान ने 1-1 विकेट लिया।

भारत का 49 सदस्यीय दल स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स में शिरकत करेगा

नई दिल्ली 20 फरवरी । इटली के ट्ययूरिन में आठ मार्च से शुरु होने वाले स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स 2025 में भारत का 49 सदस्यीय दल शिरकत करेगा।

इटली के ट्ययूरिन में आठ से 15 मार्च होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत के 30 एथलीट और 19 लोगों का सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ी छइ खेल स्पर्धाओं - अल्पाइन स्कीइंग, क्रॉस कंट्री स्कीइंग, फ्लोरबॉल, शॉर्ट-ट्रैक स्पीड स्केटिंग, स्नोबोर्डिंग और स्नोशूइंग में प्रतिस्पर्धा करेंगे। स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स के 12वें संस्करण में आठ खेल स्पर्धाएं शामिल हैं और इनमें 102 देशों के 1,500 से अधिक एथलीट 621 अपने कोचों की देखरेख में अपना जौहर दिखाएंगे ।

स्पेशल ओलंपिक भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा ने एथलीटों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, मैं स्पेशल ओलंपिक विंटर गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे एथलीटों को अपनी शुभकामनाएं देना चाहती हूं।

उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण हम सभी को प्रेरित करता है, और हम ट्ययूरिन में उनके दमदार प्रदर्शन को देखने के लिए उत्सुक हैं। हम अपने एथलीटों को एक्शन में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं और हमें यकीन है कि वे एक बार फिर वैश्विक मंच पर देश को गौरवान्वित करेंगे।

आरपीसी को हरा एचबीएस ओपीएम 54 ने जीता हारवर्ड बिजनेस स्कूल प्रदर्शन मैच

जयपुर, 20 फरवरी। रामबाग पोलो ठाउंड पर आज शाम 4 बजे एचबीएस ओपीएम 54 ओर आरपीसी के बीच प्रदर्शन मैच खेला गया जिसमें एचबीएस ओपीएम 54 ने आरपीसी को 6-5 के स्कोर से हराया। एचबीएस ओपीएम 54 टीम की ओर से विक्रमादित्य सिंह ओर महाराजा पदमनाभ सिंह ने 3-3 गोल किये। वहीं आरपीसी की ओर से भवानी सिंह कालवी ने 2 ओर शमशीर अली ने 3 गोल किये। कल आरपीसी ठाउंड पर दो सेमीफाइनल मैच खेले जाएंगे। शाम 3 बजे पहला सेमीफाइनल मैच विमल एरिओन अचीवर्स बनाम जयपुर सुजान के बीच, शाम 4 बजे दूसरा सेमीफाइनल मैच डेल्टा/चांदना पोलो बनाम अरावली पोलो के बीच खेला जाएगा।

खोया पाया

मेरे भूखण्ड सं. 29 जे.डी.ए. की योजना डेयरी फार्म राम्ल्यावाला जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें सावतं राम जाट मो.नं. 8290906436

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य बी.सी. सांखला पुत्र स्व. श्री सी.आर. सांखला द्वारा ग्राम बिलौंची, पटवार हल्का बिलौंची, भू.अभि.नि. क्षेत्र बिलौंची, तहसील आमेर, जिला जयपुर में वर्णित खाता संख्या 508 नया व 173 पुराना में वर्णित कृषि भूमि खसरा नम्बर 1498 रकबा 0.2200 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 1499 रकबा 0.1900 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 1993/1506 रकबा 0.1100 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 2000/1502 रकबा 0.0200 हैक्टेयर, खसरा नम्ब 2002/1503 रकबा 0.1300 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 2007/1507 रकबा 0.1900 हैक्टेयर व खसरा नम्बर 2010/1508 रकबा 0.1900 हैक्टेयर, कुल सात किता खसरा नम्बरान कुल रकबा 1.0500 हैक्टेयर में 1/4 अविभाजित हिस्से का हक काश्त व खातेदारी स्थित है। उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि के अविभाजित 1/4 हिस्से का हक काश्त व खातेदारी स्थित है। उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि के अविभाजित 1/4 हिस्से का हक काश्त व खातेदारी राजस्व रिकॉर्ड व जमाबन्दी में प्रहलाद पुत्र रघुनाथ जाति रैगर, ग्राम बिलौंची तहसील आमेर के नाम से दर्ज है। को प्रहलाद पुत्र रघुनाथ से क्रय किया जा रहा है। उक्त कृषि भूमि के बाबत यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, बैंक, कॉआपरेटिव बैंक, वित्तीय संस्था, सगे सम्बन्धी या अन्य कोई वारिसान, जनसाधारण, उत्तराधिकारी इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति एतराज हो तो इस सूचना के प्रकाशन से सात दिवस की अवधि में मुझसे व्यक्तिगत रुप से मेरे निम्नलिखित ऑफिस पते पर अपनी आपत्ति/ऐतराजात मय असल दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा उक्त अवधि के पश्चात इस आम सूचना बाबत कोई भी आपत्ति/ऐतराजात किसी भी न्यायालय में शून्य व निरस्त समझी जायेगी।
शशि शेखर गौड (अधिवक्ता) मो. 9414071048

न्यायालय तहसीलदार (भू.अ.) दूदू जिला जयपुर
क्रमांक-भू.अ./2025/415 दिनांक-19.02.2025
आम सूचना
जरिये प्रार्थना पत्र प्रार्थी मुकेश कुमार पुत्र नोरंगलाल जाति जाट निवासी पड़ासोली तहसील दूदू का खातेदार नवरंगलाल उर्फ नोरंगलाल पुत्र गणपतराम जाति जाट निवासी बरसडीकाबास तहसील चिड़ावा जिला झुंझुनू हाल निवासी गाम पड़ासोली तह. दूदू द्वारा दिनांक 22.01.2022 को निष्पादित नोटेरी प्रमाणित वसीयत के आधार पर ग्राम पड़ासोली के खाता सं. 218 ख.न. 2129 रकबा 0.12 हैक्ट. व ख.नं. 2191 रकबा 1.68 हैक्ट. कुल किता 02 कुल रकबा 1.80 हैक्ट. में हिस्सा 2/3 तथा ग्राम दांतरी के खाता संख्या 198 ख.नं.2711/779 रकबा 1.6312 हैक्ट. में हिस्सा 1/3 में मृतक खातदार के बजाय मुकेश कुमार पुत्र नोरंगलाल जाति जाट निवासी पड़ासोली तहसील दूदू के पक्ष में विरासत का नामान्तरण खोलने की कार्यवाही कार्यालय हाजा में प्रकरण संख्या 02/2025 अन्तर्गत धारा 135(2) राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 विचाराधीन है।
वसीयतकर्ता खातेदार नवरंगलाल पुत्र गणपतराम जाति जाट निवासी बरसडीकाबास तहसील चिड़ावा जिला झुंझुनू हाल निवासी ग्राम पड़ासोली तह. दूदू की दिनांक 05.04.2024 को मृत्यु हो चुकी हे। अत हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि उक्त वसीयत के आधार पर नामान्तरण खोले जाने पर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/दावा/हक अथवा अन्य कोई वसीयत हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में स्वयं अथवा प्लीडर के माध्यम से अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। कोई दावा/आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जायेगा। सूचित रहे।
तहसीलदार (भू.अ.) तहसील दूदू (जयपुर)

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:6644 जाहिर आम-सूचना दिनांक:20.02.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 173/139 (LIG) का आवंटन श्री मूलशंकर शर्मा पुत्र स्व. श्री सदाशंकर शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1218 दिनांक 16-06-2004 को जारी किया गया था। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 17-06-2009 को कर दिया गया। श्री मूलशंकर शर्मा द्वारा उक्त आवास को श्री ग्यारसा राम पुत्र स्व. श्री पन्ना लाल को विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र दिनांक 29.03.2014 को उप पंजीयक अष्टम् जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्री ग्यारसा राम द्वारा उक्त आवास को श्रीमती राजेन्द्र कौर पत्नी स्व. श्री प्रहलाद भगत सिंह को विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र दिनांक 24.10.2016 को उप पंजीयक प्रथम जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती राजेन्द्र कौर द्वारा आवासन मण्डल में रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर इस कार्यालय के आदेश क्रमांक 9737 दिनांक 01.03.2017 के द्वारा मण्डल रिकॉर्ड में इनका नाम दर्ज किया गया। श्रीमती राजेन्द्र कौर की मृत्यु दिनांक 21.02.2024 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री अमरप्रीत सिंह पुत्र स्व. श्री प्रहलाद भगत सिंह द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री अमरप्रीत सिंह पुत्र स्व. श्री प्रहलाद भगत सिंह का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक, राज. आवा. मण्डल वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना (साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम संख्या 3, जयपुर महानगर प्रथम
टेक सिंह व अन्य विरुद्ध जगदीश प्रसाद प्रजापत
प्रार्थना पत्र बाबत् अस्थायी निषेधाज्ञा
CRA प्रकरण संख्या 05/2024
नाम- जगदीश प्रसाद प्रजापत पुत्र छोगा लाल प्रजापत
स्थान- प्लॉट संख्या 169 बी, सुरजीत नगर, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर (राज.)
अन्य पता- मु.पो. रिड, वाया डेगाना, तहसील परतबसर, जिला नागौर (राज.)
अन्य पता- 233, श्री गोविन्द विहार, किरण बाल मन्दिर स्कूल के पास, गोविन्दपुरा, जयपुर (राज.)
उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में उपरोक्त उनवानी प्रकरण प्रस्तुत किया है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 03.03.2025 को प्रातः 10:30 बजे में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रुप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रुप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 19 माह 02 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मुद्रा
वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-3
जयपुर महानगर-प्रथम

अपील की सुनवाई के लिये नियम दिन की प्रत्यर्थी को सूचना (आदेश 41 के नियम 14)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम संख्या 3, जयपुर महानगर प्रथम
टेक सिंह व अन्य विरुद्ध जगदीश प्रसाद प्रजापत
CRP अपील 05/24
अपील नम्बर 05/2024
न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट (पूर्व), जयपुर महानगर प्रथम के न्यायालय की तारीख 13.04.2024 को पारित निर्णय व डिक्री की अपील
नाम- जगदीश प्रसाद प्रजापत पुत्र छोगा लाल प्रजापत, स्थान- प्लॉट संख्या 169 बी, सुरजीत नगर, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर (राज.), अन्य पता- मु.पो. रिड, वाया डेगाना, तहसील परतबसर, जिला नागौर (राज.), अन्य पता- 233, श्री गोविन्द विहार, किरण बाल मन्दिर स्कूल के पास, गोविन्दपुरा, जयपुर (राज.)
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में .... की डिक्री की अपील अपीलार्थी द्वारा उपस्थित की गई इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिये इस न्यायालय द्वारा 03.03.2025 नियम की गई है।
यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिये विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी।
यह आज दिनांक 19 माह 02 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मुद्रा
वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-3
जयपुर महानगर-प्रथम

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम अली हसन से बदलकर अली हसन सिराजुद्दीन रख लिया है, भविष्य में मुझे अली हसन सिराजुद्दीन पुत्र सिराजुद्दीन निवासी तकिया आमद शाह 1739, घाट गेट, बाल जी की कोठी, जयपुर के नाम से जाना जाये।

मैं मोनिका पत्नी श्री मनोज कुमार निवासी 2/26, जवाहर नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम मोनिका गोलानी से बदलकर मोनिका रख लिया है। भविष्य में मुझे मोनिका के नाम से जाना जाये।

मैंने अपना नाम कैशन्ता मीणा से बदलकर कृष्णा डोबवाल (Krishna Dobwal) रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावें। 24-ए, वंदना विहार बुधसिंहपुरा सांगानेर बाजार, जयपुर-302029

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक : जविप्रा/उपा./जोन-9/2025/डी-696 दिनांक: 20.02.2025
श्यामपुरी गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना दुग्ध विहार के भूखण्ड संख्या 4 क्षेत्रफल 238.33 वर्ग गज की फ्री होल्ड लीजडीड श्री रामसहाय वर्मा पुत्र श्री रामचन्द्र के नाम दिनांक 29.10. 2024 को जारी की गयी है। तत्पश्चात श्री रामसहाय वर्मा की दिनांक 12.01.2025 को मृत्यु हो चुकी है। तत्पश्चात श्री रामसहाय वर्मा द्वारा हरियाणा रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा रजिस्ट्रर्ड वसीयत दिनांक 04.12.2024 के द्वारा वन्दना सहगल, ज्योत्सना वर्मा एवं उपासना मधोक के नाम से की गयी है। आवेदगण ज्योत्सना वर्मा, उपासना वर्मा जरिये मु.आम श्री वंदना सहगल द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र एवं रजिस्ट्रर्ड वसीयतनामा प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण एवं लीजडीड जारी किये जाने हेतु आवेदन किया गया है। अतः प्रार्थी को श्यामपुरी गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना दुग्ध विहार के भूखण्ड संख्या 4 का नाम हस्तान्तरण एवं लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा विलेख जारी किये जाने के सम्बन्ध मे कार्यवाही की जानी है। इस सम्बन्ध मे किसी भी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस के अधीन प्रस्तुत करें अन्यथा लीजडीड जारी किये जाने की कार्यवाही कर दी जावेगी।
ऑनलाईन आवेदन - 209196 उपायुक्त जोन-9

प्रपत्र संख्या 7, (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 42/2025
चूंकि श्री जयेन्द्र चतुर्वेदी पुत्र श्री महेन्द्र चतुर्वेदी निवासी प्लॉट नं. 47, गंगा सागर स्कीम, नियर पांच्यावाला पुलिया, जयपुर, 302034 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत वेब्स (WAVES) कार्यालय पता प्लॉट नं. 47. नॉर्थ पार्ट, गंगा सागर कॉलोनी, बीड खातीपुरा सिरसी, झोटवाड़ा, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अत एव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11/2/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 22/4/25
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुक्दमा नम्बर 74/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री रामकिशन, गोविन्दपुरा, कालवाड रोड, हाथोज, जयपुर-302012 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत बी पोजिटिव संस्थान कार्यालय पता- गोविन्दम चेम्बर्स, पेट्रोल पम्प के पास, हाथोज, जिला जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19.02.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02.05.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुक्दमा नम्बर 72/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री त्रिलोक चौधरी पुत्र श्री प्रमोद कुमार चौधरी निवासी 1-सी, जगन्नाथपुरा परिवहन नगर के पास, खातीपुरा, जयपुर-302012 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत बिजासन नेशनल ट्रस्ट कार्यालय पता- प्लॉट नं. सी-99, प्रियांशु विहार, सिरसी रोड, जयपुर-302012 ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19.02.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01.05.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY) Kumher, Distt. - Deeg, PIN- 321201
No. : F. /OT/COA-K/2025/3358 Dated :- 17/02/2025
NOTICE INVITING BID
Bid for open tender regarding purchase of Non Recurring Item etc. are invited from interested bidders up to 10.00 AM of 28.02.2025 and the tender will be opened on 28.02.2025 at 01.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.raj.nic.in)** of the Rajasthan state; and **www.sknau.ac.in** University Website. **UBN is: SKN2425GSOB00408**
Raj.Samwad/C/24/12002 DEAN

कार्यालय, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपुतली-बहरोड़)
नवोदय स्कूल के पास पावटा-303106
फोन-01421-294619 Email.Id: Nagarpalikapaotapragpura@gmail.com Website: www.Paotapragpura.com
क्रमांक-न.पा.पाव.प्रा./2024-25/373 प्रारूप-10 (नियम 6 (7) दिनांक-20.02.2025
लोक सूचना
श्री भैरुलाल यादव पुत्र श्री भगवान सहाय जाति अहीर निवासी वार्ड नम्बर 08, ढाणी टीडाणी गांव टसकोला तह. पावटा, जिला कोटपूतली बहरोड ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतू ऐसी भूमि के अपने अभिवृत्ति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र	प्रयोजनार्थ
पावटा-कोटपूतली-बहरोड	पावटा	1957/3	285 वर्गमीटर	व्यावसायिक

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 20.02.2025 को जारी की गयी।
(फतेह सिंह मीणा) प्राधिकृत अधिकारी, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

न्यायालय तहसीलदार फुलेरा मु. सांभरलेक जिला जयपुर
दूरभाष नम्बर 01425-228219 ई-मेल tdrsbr@ymail.com
क्रमांक- भू.अ./2025/612 दिनांक- 20.02.2025
सार्वजनिक सूचना नोटिस
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुनीर खां पुत्र इमामुदीन खां जाति मुसलमान निवासी निर्वाणों का मोहल्ला सांभरलेक तह. फुलेरा द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के संबंध में मृतक हमीद खां पुत्र अहमद खां जाति मुसलमान के नाम दर्ज खातेदारी भूमि खाता संख्या 336 वाके ग्राम कस्बा सांभर का बख्शीश नामा दिनांक 08.03.1989 के आधार पर नामान्तरण खुलवाने बाबत प्रकरण भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135(2) के तहत हाजा न्यायालय में विचाराधीन है।
अत यदि किसी दीगर व्यक्ति को कोई आपत्ति/एतराज हो तो आगामी दिनांक 03.03.2025 तक मय दस्तावेज पेश करें अन्यथा इकतरफा कार्यवाही कर प्रार्थी के पक्ष में निर्णय पारित कर दिया जावेगा।
तहसीलदार (भू.अ.)
फुलेरा मु. सांभरलेक

नोटिस
व्यक्तिगत संख्या 23519249 ट्रेड्समैन मेट श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री रघुसिंह, कर्मचारी 39 एफ.ए.डी. मार्फत 56 सेना डाकघर, को सूचित किया जाता है कि आप बिना पूर्व अनुमति दिनांक 02 मई 2022 से लातार ड्यूटी से अनुपस्थित हैं। इस क्रम में अन्तिम मौखिक जॉच दिनांक 20 जनवरी 2025 को 10 बजे 39 एफ.ए.डी., भरतपुर के सम्मेलन हॉल में आयोजित की गई थी जिसमें आप अनुपस्थित रहें। अत आपको एक और अवसर देते हुये अगली जॉच 27 फरवरी 2025 को होगी। यदि आप 27 फरवरी 2025 को मौखिक जॉच में उपस्थित नहीं होते हैं, तो एक पक्षीय निर्णय लिया जायेगा।
39 FAD
Pin- 900309
C/o 56 APO
CBC 10622/11/0091/2425
-sd-
Lt Col
Inquiry Authority

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा करौली (राज.)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड़, करौली
क्रमांक:-समसा/करौली/लेखा/2024-25/1878 दिनांक: 20.02.2025
खुली निविदा सूचना संख्या - 07-8/2024-25
अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा करौली की ओर से हरित विद्यालय योजनान्तर्गत जिले के 14 पीएमश्री विद्यालयों के बालक-बालिकाओं को नगर परिषद कार्यालय, करौली, कैलादेवी अभ्यारण तथा गणेश पौधशाला करौली के शैक्षिक भ्रमण हेतु वाहन व्यवस्था (अनुमानित मूल्य 480000) तथा भोजन एवं अल्पाहार व्यवस्था (अनुमानित मूल्य 360000) के लिये पंजीकृत संवेदकों से दिनांक 20.02.2025 से प्रातः 11.00 बजे से दिनांक 28.02.2025 दोपहर 2.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण एवं शर्तें स्थानीय कार्यालय तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO.- RSE2425SSOB02447
RSE2425SSOB02448
ADPC SMSA KARAULI

MARUTI SUZUKI
NEXA
WHERE'S YOUR INSPIRATION TAKING YOU NEXT?
Drive home your favourite NEXA car and explore new horizons.
CREATE. INSPIRE.
IGNIS
FRONX
Jimny
INVICTO
GRAND VITARA
XL6
BALENO
3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS
CONSUMER OFFERS OF UP TO ₹1 90 000#
EXCHANGE BONUS OF UP TO ₹1 00 000#
PER LAKH EMI STARTING FROM ₹1 470#
ADDITIONAL SCRAPPAGE BONUS IS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT.
SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM
Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[6392]
For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers and features may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 28th February '25 or till stocks last whichever is earlier. Offers mentioned are applicable on available stock of 2024 make. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. #Above scheme is as per SBI Green Loan structure (eligible models: Strong Hybrid). Above mentioned finance offering is an indicative offering as offer may vary basis customer profile, geography, credit score etc. All loans at the sole discretion of the financer. Commercial usage vehicle funding not covered in the above mentioned scheme.